फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 79 प्रभात जयपुर, बुधवार 19 अक्टूबर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Hum Sub Ek Hain

During the freedom struggle and soon after Independence, Congress has witnessed some high profile contest involving stalwarts.

Microbes Taking Over Your Teeth

A Sparkly Festive Home | Diwali light decoration ideas for home

साउथ वैस्ट एल्बेनिया में व्लोरा के निकट है नार्ता लगून (मार्शलैंड), यहां डैल्मेशियन पैलिकन देखे जा सकते हैं। उड़ते समय अति भव्य नज़र आने वाले इन पक्षियों के पंखों का फैलाव लगभग एल्बैट्रॉस के पंखों जितना होता है। ये पक्षी इस स्थान पर प्रजनन नहीं करते, लेकिन यहाँ के जल कुण्डों में इनके लिए भोजन पर्याप्त मात्रा में होता है। बहुत से प्रवासी पक्षी भी अफ्रीका से मध्य और उत्तरी यूरोप जाते समय इस क्षेत्र में विश्राम के लिए रुकते हैं। ये मैडिटरेनियन के प्रमुख वैटलैण्ड्स हैं, जो पूर्व में एल्बेनिया के लगभग समूचे तटवर्ती भाग में फैले थे। लेकिन 1950 से 60 के दशक में एनवर होक्सा की तानाशाह सरकार ने मलेरिया का उन्मूलन करने और निचले भागों में खेती को प्रोत्साहन देने के लिए इन वैटलैण्ड्स का बड़ा भाग सुखा दिया। डैल्मेशियन पैलिकन्स यूरेशिया के अधिकांश भाग में मिलते हैं। तथापि, 20 सवीं सदी में, मार्शलैंड सुखाने, विकास हेतु इंसानी हस्तक्षेप व अवैध शिकार की वजह से इनकी आबादी में भारी कमी हुई। इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) ने इन्हें "निअर थ्रैटन्ड" (खतरे के करीब) वर्ग में रखा है। कभी समूचे तटवर्ती भाग में मिलने वाले ये पक्षी 90 के दशक तक गायब हो गए थे। सन् 1991 में जब होक्सा के शासन का अंत हुआ तब जाकर हालात में बदलाव आने लगा। इन पक्षियों को कानूनी संरक्षण दिया गया। एल्बेनिया ऑर्निथॉलजिकल सोसायटी के प्रमुख, टॉलैंट बिनो ने वर्ष 2000 में जब इन पक्षियों के संरक्षण के लिए काम शुरु किया था तब डिवजाका-कारावास्ता नैशनल पार्क में इन पक्षियों के मात्र 19 घोंसले थे, फिर कानूनी संरक्षण से स्थिति और बिगड़ने से रुकी। सन् 2007 में उत्तर में शकुम्बिन नदी से लेकर दक्षिण की सेमन नदी तक समूचे क्षेत्र को नैशनल पार्क घोषित कर दिया गया। अब जनवरी से जून के बीच हर वर्ष यहां पैलिकन प्रजनन करते हैं। वर्ष 2020 में यहां पैलिकन के 85 जोड़ों ने घर बनाया था। लेकिन, अब फिर से पैलिकन को समस्या का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि, एल्बेनिया की सरकार ने व्लोरा में इंटरनैशनल एयरपोर्ट बनाने की अनुमति दे दी है। एयरपोर्ट के लिए चयनित स्थान संरक्षित क्षेत्र के अंदर है। यहां निर्माण कार्य शुरु होने से पैलिकन के लिए विनाशकारी नतीजे हो सकते हैं। हवाई मार्ग से प्रवासी पक्षियों का माइग्रेशन रुट भी प्रभावित हो सकता है।

गहलोत मंगलवार को देर शाम दिल्ली पहुंचे

बुधवार को नये निर्वाचित अध्यक्ष को सबसे पहले बधाई देने का "सौभाग्य" प्राप्त करने के लिये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज देर शाम को दिल्ली पहुँच गये। उनका उद्देश्य कल मतगणना से पूरा होते ही, नये अध्यक्ष को सबसे पहले बधाई देने वाले व्यक्तियों में से एक होना है।

सूत्रों का कहना है कि उन्होंने सोनिया गांधी से मिलने का समय माँगा है लेकिन अभी तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है।

सूत्रों ने कहा कि अशोक गहलोत के बारे में लिया जाने वाला निर्णय, जिसे नये अध्यक्ष के चुनाव तक रोक दिया गया था, नये अध्यक्ष के साथ परामर्श के बाद लिया जायेगा।

एक निर्णय राजस्थान के उन तीन वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के बारे में भी लिया जाना है, जिन्हें अनुशासनहीनता के नोटिस भेजे गये थे। ज्ञातव्य है कि ये तीनों नेता अशोक गहलोत के निकटस्थ हैं। इन नेताओं ने अपने जवाब अनुशासन समिति के पास भेज दिये है तथा ए.के. एंटनी शीर्ष ही एक मीटिंग करेंगे तथा इस मामले में निर्णय लेंगे।

- गहलोत ने सोनिया गांधी से भी मिलने का समय मांगा है, पर अभी 10, जनपथ, से कोई जवाब नहीं मिला है।
- गहलोत के भविष्य के बारे में जो निर्णय अध्यक्ष के चुनाव तक स्थगित कर दिया गया था, अब लेने की पूरी तैयारी है।
- यह ही स्थिति गहलोत के उन तीन समर्थकों की है, जिन्हें "नोटिस" दिया गया था। अब अनुशासन समिति के अध्यक्ष उनके स्पष्टीकरण के बारे में निर्णय लेंगे।
- विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने भी भाजपा विधायकों के प्रतिनिधिमण्डल को कहा कि, उन्हें 52 विधायकों के जो इस्तीफे प्राप्त हुए हैं, उनके बारे में वे "एतिहासिक" निर्णय लेंगे, जो मिसाल कायम करेगा।
- गौरतलब बात है, वे केवल 52 इस्तीफे प्राप्त होने की ही बात कर रहे हैं।
- भाजपा का सोच है, अगर 52 विधायकों ने इस्तीफे दिये हैं, तो गहलोत सरकार अल्पमत में आ गयी है, अतः वे अविश्वास प्रस्ताव लाने की सोच रहे हैं, विधानसभा में।

इस बीच, राजस्थान के स्पीकर सी.पी. जोशी ने बड़ी रोचक बात कही है। उन्होंने कहा है कि वे उन्हें अपना त्याग पत्र देने वाले उन 52 विधायकों के त्याग पत्रों पर ऐसा निर्णय लेंगे, जो एक इतिहास बन जायेगा। यह बात उन्होंने भाजपा नेता राठौड़ से कही, जो एक भाजपा प्रतिनिधिमंडल के साथ स्पीकर ने मिलने तथा यह कहने गये थे कि वे संबंधित विधायकों के इस्तीफों पर अपना निर्णय दे दें, जिससे भाजपा तदनुरूप कोई नया कदम उठाने के विषय में विचार कर सके। भाजपा की सोच यह हो सकती है कि अगर इन 52 विधायकों ने सचमुच इस्तीफे दे दिये हैं तथा गहलोत सरकार अल्पमत में आ जायेगी और फिर भाजपा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार कर सकती है।

इस समय तक की स्थिति यह है कि हर व्यक्ति पूरी तरह से तैयार है तथा अब राजस्थान में स्थिरता को वापस लाने के लिये नेतृत्व को निर्णय लेना ही होगा।

'जयललिता की मृत्यु की और गहराई से जांच की आवश्यकता'

सरकार द्वारा गठित जांच आयोग ने जयललिता की परम मित्र शशिकला, जयललिता के व्यक्तिगत डॉक्टर, तमिलनाडू के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री व तत्कालीन स्वास्थ्य सचिव की भूमिका की भी गहरायी से जांच की राय दी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री तथा ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्नाद्रमुक) प्रमुख जे. जयललिता की लगभग छः साल अस्पताल में भर्ती रहने के बाद हुई मृत्यु अभी तक रहस्य बनी हुई है तथा इस सिलसिले में उनकी "धर्म बहिन" (सोल सिस्टर) तथा नजदीकी सहायक वी.के. शशिकला, उनके निजी चिकित्सक, तमिलनाडु के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री तथा स्वास्थ्य सचिव की भूमिका की नये सिरे से जाँच किये जाने की जरूरत है।

सितम्बर-दिसम्बर 2016 में, जब अपोलो अस्पताल में जयललिता का इलाज चल रहा था, तब भी इस पर रहस्य का पर्दा पड़ा हुआ था तथा उनके इलाज को लेकर भी अफवाहों का दौर चल रहा था तथा यह प्रश्न उठ रहा था कि आखिर उन्हें बीमारी क्या है। यह रहस्य इतना जोर पकड़ रहा था कि डी.एम.के. (द्रमुक) के दिग्गज नेता तथा पार्टी प्रमुख रहे स्व.एम. करुणानिधि ने जयललिता की बीमारी तथा उन्हें दिये जा रहे इलाज पर श्वेत पत्र की माँग की थी।

- अपोलो अस्पताल के चेयरमैन डॉ. प्रताप सी. रेड्डी की भी जांच की मांग की आयोग ने। क्योंकि, डॉ. रेड्डी समय-समय पर जयललिता के स्वास्थ्य के बारे में प्रेस कॉन्फ्रैंस करके जानकारी देते थे, पर, जयललिता की मूल बीमारी के बारे में कुछ नहीं बोलते थे।आयोग ने कहा, यह संदिग्ध है और इसकी जांच होनी चाहिये।
- दूसरी ओर एम्स के डॉक्टरों की समिति, जिसका गठन जांच आयोग की मदद करने के लिये किया गया था, ने अपोलो अस्पताल व उनके संचालकों को "क्लीन चिट" दी है।

अब चूँकि जाँच आयोग ने शशिकला तथा अन्नाद्रमुक सरकार के एक प्रमुख मंत्री की कथित भूमिका की गहन जाँच की जरूरत बताई है, इसलिये यह तो तय है कि यह मुद्दा राज्य के आगामी चुनावों में जरूर उठेगा। द्रमुक द्वारा इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया जाना सुनिश्चित है। अन्नाद्रमुक सरकार के एक प्रमुख मंत्री की कथित भूमिका की गहन जाँच की जरूरत बताई है, इसलिये यह तो तय है कि यह मुद्दा राज्य के आगामी चुनावों में जरूर उठेगा। डी.एम.के. द्वारा इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया जाना सुनिश्चित है। अन्नाद्रमुक में अन्दर भी पूर्व अन्नाद्रमुक नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम इस मुद्दे का दोहन करेंगे। ज्ञातव्य है कि जयललिता की मृत्यु के बारे में दिये गये स्पष्टीकरणों पर उन्होंने एक बार गंभीर आपत्ति दर्ज कराई थी तथा विस्तृत एवं गहन जाँच की माँग की थी।

जस्टिस अगुमुगा स्वामी कमीशन ऑफ इन्क्वायरी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में उन चार मुख्य व्यक्तियों की भूमिका की जाँच किये जाने की माँग की है, जिन्हें रिपोर्ट में दोषपूर्ण माना गया है।

जस्टिस अगुमुगा स्वामी कमीशन ऑफ इन्क्वायरी ने वी.के. शशिकला,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरानी का बचाव?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। गोवा सरकार ने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के परिवार की मदद के लिये गोवा एक्साइज़ रूल्स में चुपचाप संशोधन कर दिया है। गोवा के एडवोकेट एरीज रॉड्रिग्ज़ के अनुसार,

- गोवा के एडवोकेट एरीज़ रॉड्रीगस ने आरोप लगाया है, कि गोवा सरकार ने स्मृति ईरानी के परिवार को क्लीन चिट देने के लिए एक्साइज़ नियमों में संशोधन कर दिया और एक्साइज़ लाइसैंस ट्रांसफर की अनुमति दे दी।

गोवा सरकार ने यह कदम, गोवा के गाँव असागाँव में चल रहे "सिली सोल्स कैफे एण्ड बार" के ईरानी के परिवार के व्यवसाय की मदद के लिये उठाया है। एडवोकेट रॉड्रिग्ज़ ने इस व्यवसाय के कानून-विरोधी बिन्दुओं के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की बीसवीं कांग्रेस के दौरान "विरोध प्रदर्शन" भी!

प्रदर्शनों की शृंखला, एक प्रोफेसर द्वारा बीजिंग के पुल पर हस्तलिखित बैनर लगाने से शुरू हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। बीजिंग में चाइनीज़ कम्युनिस्ट पार्टी की बीसवीं कांग्रेस चल रही है, जिसमें मौजूदा सर्वोच्च नेता राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अप्रत्याशित रूप से एक अभूतपूर्व कार्यकाल मिलने की उम्मीद है, हालांकि मौजूदा नियम तीसरे कार्यकाल का निषेध करते हैं, इधर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन होने लगे हैं।

ये विरोध प्रदर्शन राजधानी में हुई एक घटना के बाद शुरु हुए जिसमें युनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने राजधानी के एक पुल पर हस्तलिखित बैनर लगा दिए और फिर पुल पर आग लगा दी और धुंआ उठते देखा गया।

विरोधी स्पष्ट रूप से मौजूदा राष्ट्रपति का ज़ीरो कोविड पॉलिसी के बारे में अपनी भावनाएं जाहिर कर रहे थे, जिसकी वजह से लोगों की गतिविधियां सीमित कर दी गई हैं और किसी भी विरोध को बहुत कठोरता से दबा दिया जाता है। प्रशासन इस कदर आतंकित है कि किसी भी खबर के प्रकाशन या आलेख को कुछ खास शब्दों के उल्लेख पर भी इन्टरनैट सैंसर कर दिया जाता है।

- सरकार द्वारा लगाई गई सख्त पाबंदियों व सैंसरशिप के बावजूद, विश्व विख्यात न्यूज़ एजेंसी ब्लूमबर्ग ने चीन में कई जगहों पर धरने प्रदर्शन शुरू होने की खबरें दी हैं।
- प्रदर्शनों से यह साबित हुआ कि, बीसवीं कांग्रेस की गतिविधियाँ सहज तरीके से शांति से नहीं चल पा रहीं, जैसा कि, सरकार व पार्टी दावा कर रही थी।

चीन में सैंसर शिप बहुत कठोर व दमनात्मक है। इसके तहत खबरों में या आलेखों में कुछ शब्दों के उल्लेख मात्र पर प्रतिबंध लगाया जाता है। उदाहरण के लिए वर्तमान में किसी भी न्यूज या आलेख में "ब्रिज" शब्द का उल्लेख नहीं हो सकता है कि क्योंकि उक्त प्रोफेसर ने पुल पर ही अपना विरोध प्रदर्शित किया था।

बैनर्स में कहा गया है भोजन दो प्रतिबंध नहीं। इनमें भारी लॉकडाउन की बजाय आज़ादी और अपनी बात कहने का अधिकार मांगा गया है। पार्टी कांग्रेस में शी को एक और कार्यकाल मिलने की उम्मीद है, जिसकी परिणती उन्हें आजीवन राष्ट्रपति बनाए रखने में होगी।

इससे पहले यह स्थिति चीन के सबसे शक्तिशाली नेता माओत्से तुंग की थी उनकी मौत के बाद देंग सियाओ पिंग राष्ट्रपति बने थे उन्होंने चीन को नई सुधारवादी दिशा दी और नियम बनाया कि किसी भी नेता को दो कार्यकाल ही मिल सकते हैं। यह परम्परा अभी तक जारी थी और अब शी आजीवन राष्ट्रपति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समान कानून

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। केन्द्र सरकार समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को बनाने के मामले में मंगलवार को चालबाजी से काम लेते हुये बच निकली। केन्द्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से कह दिया कि वह संसद को ऐसा कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकती।

- पूरे देश में समान कानून और आचार संहिता लागू करने के मुद्दे पर केन्द्र सरकार पीछे हट रही लगती है। कोर्ट में सरकार ने कहा कि, वो संसद को ऐसा कानून पारित करने की हिदायत नहीं दे सकती है।

केन्द्र की ओर से, केन्द्रीय विधि मंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय से प्रार्थना की कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पी.यू.सी.एल. ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ कई सवाल उठाये

'प्रो. साईबाबा के रिहाई के आदेश को निरस्त करने की सुप्रीम कोर्ट की निर्णय की प्रक्रिया गैर वाजिब है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। द पीपल्स यूनियन फोर सिविल लिबर्टीज़ (पी.यू.सी.एल.) ने चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) उदय उमेश ललित द्वारा दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर जी.एन. साई बाबा की रिहाई के विरूद्ध महाराष्ट्र सरकार की अपील पर सुनवाई किए जाने को लेकर मंगलवार को सवाल खड़े किए। इस अपील का निस्तारण करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की एक बैंच की शनिवार को एक असाधारण मीटिंग हुई जिसमें रिहाई पर रोक लगाई गई।

- पी.यू.सी.एल. का कहना है कि, शनिवार को न्यायालय की असाधारण बैठक बुलाना "गैर वाजिब" लगता है, क्योंकि ऐसी बैठक तभी बुलायी जाती है, जबकि, वह किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का गंभीर मसला हो तथा कोई संवैधानिक संकट उत्पन्न हो रहा हो।
- पी.यू.सी.एल. ने यह भी कहा कि, जब भावी मुख्य न्यायाधीश चन्द्रचूड़ यह राय दे चुके थे कोर्ट में कि, प्रो. साईबाबा की रिहाई का बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश किसी भी सूरत में निरस्त नहीं किया जाना चाहिये, तो फिर वर्तमान मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित द्वारा विशेष बैंच गठित करके रिहाई के आदेश को निरस्त करना, चौंकाने वाला निर्णय है।
- पी.यू.सी.एल. ने यह सवाल भी उठाया कि, बॉम्बे हाई कोर्ट ने टैक्निकल खामी के कारण, सैशन कोर्ट के प्रो. साईबाबा को सज़ा सुनाने के आदेश को निरस्त किया।
- पर, सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्णय को निरस्त किया। क्या इसका मतलब यह है कि, तथाकथित "अरबन नक्सलियों" को तकनीकी खामी के कारण कभी भी रिलीफ नहीं मिलेगी। क्या यह अनुचित नहीं है?

पी.यू.सी.एल. ने आश्चर्य व्यक्त किया कि सी.जे.आई. ललित ने जस्टिस चन्द्रचूड़ के रूख पर ध्यान क्यों नहीं दिया और अपनी प्रशासनिक शक्तियों का उपयोग करते हुए जस्टिस एम.आर. शाह और बेला त्रिवेदी की एक विशेष बैंच के समक्ष अंतिम शनिवार को प्रकरण की सुनवाई करवाई ताकि हाई कोर्ट के आदेश पर स्टे लगवाया जा सके।

उसने ध्यान दिलाया कि नियमित कार्य दिवसों के अलावा असाधारण सुनवाई की मंजूरी तभी अपवाद स्वरूप दी जाती है जबकि प्रकरण में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का खतरा आसन्न हो या किसी गंभीर संवैधानिक संकट पर कोर्ट के त्वरित हस्तक्षेप की जरूरत हो।

पी.यू.सी.एल. ने कहा कि चिंताजनक बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने एक सक्षम कोर्ट (बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बैंच) के रिहाई आदेश पर स्टे महाराष्ट्र सरकार की अपील पर सोमवार को सुनवाई हो भी जाए तब भी साई बाबा की रिहाई पर स्टे नहीं लगाया जा सकता।

पी.यू.सी.एल. ने कहा कि आगामी 9 नवम्बर को सी.जे.आई. बनने जा रहे जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ ने सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता के कहने के बावजूद शनिवार को विशेष सुनवाई से इंकार कर दिया था और यह बात खुली अदालत में कही थी कि यदि लगा दिया। उसने कहा कि जब सरकार एक असाधारण प्रक्रिया अपनाकर रिहाई के न्यायिक आदेश पर रोक सुनिश्चित करती है तो इससे "कानून के शासन" के मूल ढांचे को ही गंभीर चुनौती मिलती है। उसने प्रश्न किया कि यू.ए.पी.ए. के तहत दोषी पाए गए किसी व्यक्ति को क्या कभी अपील कोर्ट से रिहाई का लाभ मिलेगा।

उसने भारत के संवैधानिक न्याय क्षेत्र और अपराध के मूल आशयों की बात कही। यह वास्तविकता कि, देश की शीर्ष अदालत का यह आदेश एक नज़ीर है और रिहाई आदेशों पर स्टे लगवाने का दबाव डालने को लेकर यह राज्यों का हौंसला बुलंद करेगा और इस तरह से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को चुनौती पेश करेगा।

पी.यू.सी.एल. ने कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक ऐसा फैसला दिया था जो बहुत ही निष्पक्ष था और जिसमें निचली अदालत की दोष सिद्धि को अनुचित माना गया था। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि गढ़चिरोली के विशेष यू.ए.पी.ए. सत्र न्यायालय ने कहा था आरोपी-6-जी.एन. साईबाबा के लिए आजीवन कारावास पर्याप्त दण्ड नहीं है और इन तथ्यों को देखते हुए कोर्ट के हाथ बंधे हुए हैं कि वैधानिक रूप से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डार्क वैब और ड्रग माफिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने न्याय-मित्र एडवोकेट शोएब आलम की 900 पृष्ठों की उस रिपोर्ट पर केन्द्र से जवाब माँगा है, जो भारत के ड्रग माफिया तथा ड्रग के लाने ले जाने के खतरों के बारे में है।

आलम ने अपनी रिपोर्ट में इन्टरनेट के डार्क वैब का भी जिक्र किया है, जिस पर ड्रग्स का ऑर्डर दिया जाता है तथा उनका भुगतान वैकल्पिक मुद्रा "क्रिप्टो करैंसी" में कर दिया जाता है तथा कूरियर्स के जरिये, वे संबंधित जगह पहुँचा दी जाती हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि यह माँग और पूर्ति का मामला

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने एमिकस क्यूरे शोएब आलम की रिपोर्ट पर केन्द्र सरकार से ड्रग रैकेट और डार्क वैब से हो रहे ड्रग ट्रेड पर जवाब मांगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कहानी जहाँ खत्म होती है, जीवन वहीं से शुरू होता है। – संजीव

शासन तंत्र को पसंद नहीं आता सूचना का अधिकार

संसदीय लोकतंत्र में सूचना का अधिकार इसलिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि जब देश का नागरिक सरकार बनाने के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करने के वास्ते मतदान के लिए जाता है तब सही चुनाव करने में वह तभी सक्षम होता है जब उसके पास पूरी जानकारी हो। इसी से जन-भागीदारी वाला गणतंत्र विकसित होता है और सुशासन की नींव पड़ती है। नागरिकों को सूचना का अधिकार देने में राजस्थान अव्वल रहा जहा पहली बार वर्ष 2000 में इसका कानून बना और अगले साल वह लागू भी हो गया। बाद में वर्ष 2005 में संसद ने भी सूचना के अधिकार का कानून पारित किया। सूचना के अधिकार का कानून सभी सरकारों, स्थानीय शहरी निकायों, पंचायती-राज संस्थाओं तथा उन सभी निकायों पर लागू होता है जो सरकार के स्वामित्व में हो या उसके द्वारा स्थापित, गठित एवं नियंत्रित हो। यह सरकार द्वारा वित्तपोषित ग़ैर सरकारी संगठनों पर भी लागू होता है। इसे एक मूलभूत एवं संवैधानिक अधिकार माना जाता है क्योंकि लोकतंत्र के प्रभावी संचालन में एक पारदर्शी, ज़िम्मेदार एवं जवाबदेह सरकार के साथ जागरूक नागरिकों का भी अहम हिस्सा होता है।

जब से सूचना पाने का हक़ सीधा नागरिकों को मिला है तभी से शासन व्यवस्था तंत्र और सूचना चाहने वालों के बीच रस्साकशी चलती रही है। इस कानून को अधिक मजबूत बनाने की बजाय कमजोर करने के प्रयास होते ही नज़र आते हैं। बार-बार यह बात सामने आती है कि शासन में बैठे लोग जानकारी आसानी से नहीं देते और उनकी हरचंद यह कोशिश रहती है कि किसी न किसी बहाने से सूचना देने से बचा जाय। राजस्थान में इतने वर्षों बाद भी प्रशासन तंत्र के अधिकारियों की अड़ंगेबाजी के चलते इस क़ानून का वह उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है जिस कल्पना से विधि निर्माताओं ने इसे बनाया था। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सूचना उपलब्ध कराने की जिस तीव्र, निर्बाध एवं सुगम प्रक्रिया की बात क़ानून के उद्देश्यों में कही गई है वह व्यावहारिक रूप में कहीं नहीं दिखायी देती। लोक सूचना अधिकारियों की शिथिलता एवं अनिच्छा के कारण लोगों को हर कहीं सूचना पाने में अनावश्यक बाधाओं का सामना करने की खबरें मिलती रहती हैं। मनमाने ढंग से आवेदन निरस्त कर देना, अनावश्यक रूप से लंबे समय तक जवाब न देना आम है। इसके अलावा आवेदन को लटकाए रखने का रास्ता बना लेने में भी शासन तंत्र प्रखर कौशल रखता है। प्रथम अपील के बाद द्वितीय अपील एवं शिकायतों को सुनने का कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं होने का भी लाभ उठाया जाता है। सरकारी जवाबदेही के लिए सक्रिय लोग मानते हैं कि लोक सूचना अधिकारियों में दुर्भाग्य से यह मानसिकता पनप रही है कि जितने समय में राज्य सूचना आयोग द्वारा द्वितीय अपील एवं शिकायतें सुनी जाएगी उतने समय में सूचना मांगने वाला खुद ही थक-हार कर भाग छूटेगा। यह स्थिति सूचना का अधिकार क़ानून के उद्देश्यों, भावनाओं तथा प्रावधानों को निरर्थक बना देती है। जन सूचना अधिकारियों के ऐसे व्यवहार के कारण इस क़ानून की धारा 7(1) के अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा हो गया है। यह धारा प्रावधान करती है कि लोक जन सूचना अधिकारी द्वारा समयबद्ध रूप से या तो उस आवेदन में वांछित सूचना प्रदान करेया या फिर अस्वीकार करेगा। यहां तक कि इस क़ानून की धारा 7(2) यह भी प्रावधान है कि यदि लोक जन सूचना अधिकारी निर्धारित समयावधि में उस आवेदन पर निर्णय लेने में असफल होता है तो यह मान लिया जायेगा कि उस आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया है। इसी धारा का ग़लत फ़ायदा उठाते हुए जन सूचना अधिकारियों में आवेदनों को बिना निर्णय किए पड़े रखने की प्रवृत्ति घर कर गई है जिसका परिणाम है बड़ी संख्या में आवेदनों का लंबित रहना। लंबित आवेदनों की प्रति वर्ष बढ़ती संख्या इसकी गवाही देती है। ऑनलाइन आवेदनों के वर्तमान आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष अब तक कुल 147611 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 36260 आवेदन अभी लम्बित पड़े है। ये आंकड़े सूचना का अधिकार कानून के क्रियान्वयन में साल दर साल बिगड़ती जा रही हालत को दर्शाते हैं। जहां वर्ष 2020 में कुल आवेदनों के 5.34 प्रतिशत आवेदन लम्बित थे वहीं वर्ष 2022 में अभी तक कुल 24.56 प्रतिशत आवेदनों लम्बित हैं। इस तरह देखा जाए तो लम्बित आवेदनों की संख्या में लगभग चार गुना वृद्धि हो गयी है। मात्र दो वर्षों में इतनी वृद्धि को किसी भी जनहितकारी सरकार के कामकाज पर सवालिया चिन्ह ही कहा जा सकता है। लम्बित आवेदनों की संख्या में इतनी बड़ी वृद्धि जन सूचना अधिकारियों की कार्यक्षमता और कार्यकुशलता, दोनों पर भी प्रश्नचिन्ह लगाती है। यह प्रश्नचिन्ह इसलिए भी वाजिब है क्योंकि वर्ष 2022 में 36290 कुल लम्बित आवेदनों में से 33810 आवेदन विभागीय स्तर पर लंबित रहे हैं। इसका मतलब हुआ कि 93.16 प्रतिशत आवेदन ऐसे हैं जो सिर्फ विभागों के स्तर पर रुके हुए हैं तथा जिन पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं हो रही है। यह आंकड़ा सूचना उपलब्ध कराने में जनसूचना अधिकारियों की घोर अरुचि को भी प्रकट करता है। समयावधि के बाद निस्तारित किए जाने वाले आवेदनों की तुलना करने पर भी जन सूचना अधिकारियों का निराशाजनक प्रदर्शन सामने आता है। जहां वर्ष 2020 में कुल आवेदनों के 7.32 प्रतिशत आवेदन समयावधि के बाद निस्तारित किए गए वहीं वर्ष 2022 में अब तक 18.64 प्रतिशत आवेदन ऐसे रहे हैं जिनका निस्तारण निर्धारित समयावधि के बाद किया गया है। ऐसे में यह प्रश्न पूछना जरूरी हो जाता है कि पर्याप्त संसाधनों के बावजूद भी इस लेटलतीफ़ी का क्या कारण हो सकता है? इसका एक बड़ा कारण जो नज़र आता है वह स्पष्ट रूप से है शासन में जवाबदेही की कमी।

जब से सूचना पाने का हक़ सीधा नागरिकों को मिला है तभी से शासन व्यवस्था तंत्र और सूचना चाहने वालों के बीच रस्साकशी चलती रही है। इस कानून को अधिक मजबूत बनाने की बजाय कमजोर करने के प्रयास होते ही नज़र आते हैं। बार-बार यह बात सामने आती है कि शासन में बैठे लोग जानकारी आसानी से नहीं देते और उनकी हरचंद यह कोशिश रहती है कि किसी न किसी बहाने से सूचना देने से बचा जाय।

नागरिकों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले सभ्य समाज का कहना है कि एक स्पष्ट जवाबदेही कानून के अभाव में जन सूचना अधिकारियों का यह प्रदर्शन अपेक्षित ही है। ऐसे कानून के लिए वर्षों से मांग चली आ रही है किंतु सरकार की इच्छाशक्ति के अभाव में अभी तक यह कानून नहीं बन पाया है। हालांकि यह कानून बनाने के लिए वर्तमान कांग्रेस सरकार विधान सभा में अपना इरादा घोषणा कर चुनी है मगर चार वर्ष बाद अब भी यह घोषणा इरादा ही बनी हुई है क्योंकि बताते हैं सचिवालय में बैठे बड़े अधिकारी सभ्य समाज द्वारा दिया गया मसौदा पसंद नहीं करते और उसे पूरी तरह दंतविहीन बना देना चाहते हैं। यह अनिच्छा जनहित से वास्तविक सरोकार रखने वाली नीतियों और क़ानूनों को कमजोर करती है जिसका नुक़सान अंततः देश की जनता को ही भुगतना पड़ता है।

राज्य सूचना आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2020 में खुद यह स्वीकार किया है कि अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत जिन लोक सूचना अधिकारियों से आवश्यक कदम उठाये जाने या कार्यवाही करने की अपेक्षा है, वे इस विषय में स्वयं उचित ध्यान नहीं दे रहे हैं। सामान्यतया वे इस कार्य को अपने कार्यालय के लिपिकों के भरोसे छोड़ रहे हैं जिन्हें विषय की विधिक बारीकियों का वह ज्ञान नहीं होता, जिसकी इस प्रकार की अर्द्धन्यायिक प्रक्रियाओं को आवश्यकता होती है। राज्य सूचना आयोग द्वारा जारी नोटिसों पर भी लोक सूचना अधिकारी सुनवाई के समय स्वयं उपस्थित नहीं होते है और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को प्रतिनिधि के रूप में भेज देते हैं। हालत तो इतनी गंभीर है कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत मुख्य सचिव के आदेश की भी परवाह नहीं की जा रही है। ऐसे में यह और भी जरूरी हो जाता है कि सरकार के एक स्पष्ट जवाबदेही क़ानून को अतिशीघ्र ले कर आये और साथ ही सूचना आयोग भी अपनी कार्यशैली में परिवर्तन करे ताकि लोक सूचना अधिकारी त्वरित तरीके से सूचना के अधिकार कानून को उसकी भावना के अनुरूप काम करें और समयबद्ध प्रक्रिया की अनुपालना के लिए और कठोर कदम उठाये जायें।

राज्य सूचना आयोग के कामकाज की हालत भी अच्छी नहीं है। वहां दो वर्षों में लंबित प्रथम अपीलों की संख्या में लगभग 5 गुना वृद्धि हुई है। यह स्थिति बिल्कुल सामान्य नहीं है तथा भविष्य में अति गंभीर परिणामों की ओर संकेत करती है। प्रथम अपीलों के सम्बंध में वर्ष 2022 के आंकड़ों की सरसरी तौर पर तुलना वर्ष 2020 के आंकड़ों से करने पर एक गंभीर स्थिति सामने आती है। वहां निस्तारित की जाने वाली प्रथम अपीलों की संख्या में वर्ष दर वर्ष कमी आ रही है जबकि लंबित अपीलों की संख्या बढ़ती जा रही है। जहां वर्ष 2020 में 13.03 प्रतिशत अपीलें लंबित रहीं थी वहीं पर वर्ष 2022 में लंबित अपीलों की संख्या बढ़ कर 53.88 प्रतिशत हो गयी हैं। यह भी स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि आयोग में आई कुल अपीलों में से करीब आधी (50.44 प्रतिशत) को ही सुनवाई के लिए स्वीकार किया गया जबकि 36.54 प्रतिशत अपीलों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही वर्ष 2020 में 13.03 प्रतिशत प्रथम अपीलें लंबित रहीं। आयोग का सरकारी विभाग जैसा रवैया इसलिए है क्योंकि इसमें नियुक्तियां सरकार के शीर्ष नेतृत्व के मरजीदानों की ही होती है। इन हालत को सुधारने की राजनैतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है जो नेतृत्व के सत्ता की ऊहापोह में बलवती नहीं हो पाती जिससे नागरिक को सशक्त बनाने वाला कानून बने होने के बाद भी उनका लाभ नहीं मिल पाता। मतदाताओं का दबाव ही शासन तंत्र को लोकहित के रास्ते पर चलने के लिए मजबूर कर सकता है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

जयपुर फुट

निरंजन। उसका एक पांव घुटने से नीचे से कटा है जिसमें कृत्रिम पांव लगा है- जयपुर फुट। इसमें टखने और उससे नीचे का पंजा, जिसे अंग्रेजी का 'फुट' कहते हैं, निरंजन ने स्वयं बनाया है। वह सवाई मान सिंह अस्पताल में फुट बनाने का ही काम करता है। पास की कच्ची बस्ती में परिवार के साथ रहता है। मैं ही उसे दुर्लभजी अस्पताल में काम करने के लिए लाया था। डॉ. पी के सेठी एस एम एस अस्पताल से रिटायर हो कर दुर्लभजी अस्पताल में आ गये थे। वे चाहते थे कि यहां भी जयपुर फुट कार्यशाला बने ताकि आगे अनुसंधान हो और उनके काम को और आगे बढाया जा सके। मेरे लिए यह सर्वथा नया विषय था। मुझे अंदाज नहीं था कि जयपुर फुट बनाने की प्रक्रिया इतनी बहुआयामी, बहुस्तरीय और जटिल होती है। मैं सोचता था, टायर रीट्रीडिंग में जैसे सांचे में पका कर रबड़ का टायर बनाते हैं वैसे ही रबड़ का जयपुर फुट बनता होगा। निरंजन को दक्ष हाथों से फुट बनाते देख भ्रम टूटा। अनपढ निरंजन को किसने और कैसे मानव पांव की जटिल संरचना के बारे में समझाया होगा ताकि वह उसी अनुरूप पंजा गढ सके? कृत्रिम पंजा चलने में उसी तरह काम करे। खाली दिखने में ही मानव पांव जैसा नहीं, चलने भी वैसा ही हो। निरंजन पंजा बनाता ही नहीं था वरन् पहन कर उसकी ट्रायल भी करता था। 'जयपुर फुट' लगा कर चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना और पेड़ पर चढना सब करता था। बड़ा सरल स्वभाव व कम बोलने वाला व्यक्ति था परन्तु जो कुछ बताता वह पंजे की डिजाइन सुधारने में बड़ा सटीक व अहम होता था। पंजे में टखने का लकड़ी का ब्लॉक चटक जाता है, अतः वह लेमिनेटेड लकड़ी का बनाया गया। ऐड़ी का रबर का इन्सर्ट दबाव से पिचक जाता है, अतः वह अपेक्षाकृत अधिक दबाव झेलने वाले रबर का होना चाहिए। किस जोड़ पर और कहां पर लचक ज्यादा है और उसे रोकने के लिए टायर कॉर्ड कैसे क्रोस कर लगानी है, वह निरंजन करता, आंकता और दिखाता। चाल में पंजे के अग्र भाग पर जब पूरा जोर पड़े तब उसे मुड़ने से रोकने के लिए एड़ी से उंगलियों तक सख्त टायर कॉर्ड की पांच लम्बी पट्टियां लगाता। फुट का स्टेप-बाई-स्टेप फेब्रिकेशन कर हर स्टेप की अहमियत जब उसने समझाई, तो मैं और मेरे साथी सर्जन आश्चर्य चकित रह गए। एनाटोमी का प्रोफेसर और मानव फुट की 26 हड्डियों की संरचना और 33 जोड़ों का ज्ञाता होने के बावजूद मैं अपने आपको बौना महसूस कर रहा था। जयपुर फुट बनाने में निरंजन का योगदान विलक्षण था। अनपढ, कच्ची बस्ती में रहने वाले निरंजन की, डॉ. पी के सेठी की अवधारणा के अनरूप जयपुर फुट को मूर्तरूप देने में अहम भूमिका थी। डॉ. महेश उदावत, जिनके एम एस थीसिस के अनुसंधान और डिजायन का विषय जयपुर फुट था, के अलावा और प्रयोगशाला के प्रमुख मास्टर रामचंदर का इसे टायर रीट्रीडिंग विधि से क्रियान्वित करने में अहम योगदान था। बड़ी सधी हुई टीम का कार्य था, जिसके प्रणेता व जनक थे डॉ. पी के सेठी। बाद में इसका श्रेय लेने और अहम की पूर्ती के लिए जो बदमजगी और छीछालेदर हुई यह बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण थी। जयपुर फुट का जनक कौन था यह अगर आप निरंजन से पूछते तो वह कहता, डॉ. पी के सेठी और डॉक्टर सेठी से पूछते तो वे कहते, निरंजन। जयपुर फुट का ब्रांड एम्बेसडर अवश्य निरंजन ही था। वे हमेशा उसे ही आगे करते थे।

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

- पैर से दिव्यांग निरंजन एसएमएस के पास कच्ची बस्ती में रहता है और एसएमएस में जयपुर फुट बनाने का काम करता है

विकलांग रोगियों के लिए 'जयपुर फुट' रबर का पंजा नहीं कटे पांव में लगने वाला पूरा पांव था। घुटने के नीचे कटे भाग को पंजे से जोड़ने वाला पांव। इसको बनाने की विधि इतनी सरल थी कि रोगी वैसाखी पर चल कर आता और कुछ ही घंटो में पांव पर खड़ा हो कर चलने लगता। विश्व में अन्यंत्र कहीं भी यह संभव नहीं था। महीनों, सालों का विकलांग जब कुछ ही घंटों में पांव लगने के बाद अपने पांव पर खड़ा होता तो उसके चेहरे के भाव देखने लायक होते थे। इसको बनाने की विधि भी बड़ी मौलिक थी, वैज्ञानिक भी। थान सिंह और राम नारायण दोनों बड़े कुशल कारीगर थे जिन्हें पांव बनाने में दक्षता थी। मरीज के पांव का विधिवत नाप लेते, उसके आधार पर एल्यूमीनियम की शीट पर डिजाइन ड्रा करते, उसे काटते, मोड कर उसे ट्यूब का आकार देते, पीछे से शोल्डर करते और फिर कुशल हाथों से ठोक पीट कर दूसरे पांव के समकक्ष बना देते। जिस फुर्ती और दक्षता के साथ रोगी के सामने वे पांव गढते रोगी को लगता उसका नया पांव सृजित हो रहा है। कटे पांव पर उसको लगा कर देखते, वेट बीयरिंग प्रेसर पोंइन्ट्स पर दबाते, अन्य जगह से उभार कर मरीज के कटे पांव पर उससे पूछ पूछ कर सटीक फिट कर देते। नीचे पंजा लगाते और रोगी को उस पर खड़ा कर देते। आवश्यकता अनुरूप उसमें बदलाव करते और फिर उसे हाथ पकड़ कर चलाते। बैसाखियों पर आया रोगी मात्र दो घन्टे मे पांव पर चलने लगता। कॉनफिडेंस आने पर मरीज स्वयं चलने लगता। एक दो दिन के ट्रायल के बाद उसे रंग रोगन कर दूसरे पांव जैसा बना देते। 'जयपुर फुट' की सफलता में इस पांव की अहमियत पंजे से कम नहीं थी। मरीज के लिए कृत्रिम पांव तो थान सिंह और राम नारायण ही लगाते थे, पंजा बनाने वाला निरंजन तो नेपथ्य में होता था। पांव बनाने में किसी मंहगे उपकरण की आवश्यकता नहीं होती थी। साधारण औजार और दक्ष हाथों का कमाल था यह पांव। यह पांव जिसके कारण जयपुर फुट को विश्वव्यापी स्वीकार्यता मिली। इसे डिजाइन करने में डॉ. सेठी, मास्टरजी और इन आर्टिसन्स की बड़ी भूमिका थी। मूर्त रूप देने में थान सिंह आदि की दक्षता। 'जयपुर फुट' को आम लोगों की आशा, अपेक्षा, सहूलियत और सामर्थ्य के अनुरूप बनाने का श्रेय इन्हीं नेपथ्य के दावेदारों का है। लेकिन इन्होंने कभी कोई दावेदारी नहीं की। न उन्हें किसी सम्मान से नवाजा गया। विकलांगों के चहरे पर कृतज्ञता का भाव ही उनका अपेक्षित सम्मान था।

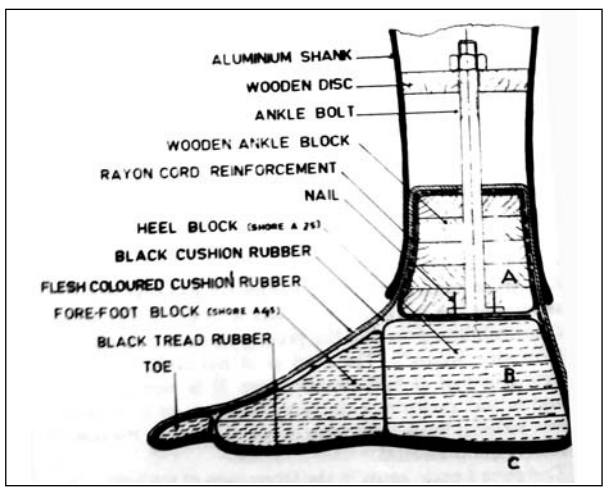

जा की कृपा पंगु गिरी लंघे
जयपुर फुट का ब्रान्ड एम्बेसडर

कुशल सामान्य कारीगरों द्वारा हस्त निर्मित 'जयपुर फुट' (पंजा लगा पांव) का अपनी तकनीकी सरलता और सहज उपलब्ध संसाधनों के कारण ही विश्वव्यापी प्रचार प्रसार हुआ है। जयपुर फुट की उपयोगिता और सफलता प्रमाणित है। मानक निर्धारित नहीं है। इसी लिए बतौर प्रोस्थेसिस इसे अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थानों की मान्यता नहीं हैं। इसकी स्वीकार्यता आयुर्वेद व अन्य परम्परागत चिकित्सा विधियों के समकक्ष है। अपेक्षा है इसकी यही विशेषता बनी रहेगी। भय लगता है कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के जाल में फंस कर कहीं उन्नत तकनीक आधारित यह लाखों की प्रोस्थेसिस न बना दी जाय। निरंजन, थान सिंह, रामनायण के हाथों में ही यह सुरक्षित है।

डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

हिण्डौन में सैण्ड स्टोन पर नक्काशी और कारीगरी देख अभिभूत हुए राजदूत

हिण्डौन सिटी (निस)। 6 देशों से आए भारतीय दूतावासों के राजदूत मंगलवार को रीको क्षेत्र में सेंड स्टोन पर नक्काशी और कारीगरी को देखकर अभिभूत हो गए । इस दौरान उन्होंने जिले के सैण्ड स्टोन और कारीगरी को अलग-अलग देशों में पहचान दिलाने का भरोसा दिया। वही व्यापारियों ,अधिकारियों व उद्योगपतियों से उनकी संभावनाओं और समस्याओं के बारे में भी चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि भ्रमण के लिए यूक्रेन में भारतीय दूतावास के राजदूत हरीश कुमार जैन, मोरक्को के राजेश वैष्णव, बुलगारिया के संजय राणा, निमिबिया के प्रशांत अग्रवाल, अर्मानिया के किशन दान देवल और साउथ सूडान के विष्णु कुमार शर्मा ने एक जिला एक उद्योग योजना के अंतर्गत हिण्डौन में रीको क्षेत्र का दौरा कर सेंडस्टोन के कारोबार के बारे में जानकारी ली। इस दौरान वे गायत्री स्टोन कंपनी जिंदल स्टोन व कोमल इंटरप्राइजेज आदि प्रसिद्ध सैण्ड स्टोन व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर पहुंचे। जहां सैण्ड स्टोन पर हाथ की कारीगरी से की जा रही नक्काशी व मूर्ति तलाशने की कला को देखकर अभिभूत हो गए । उन्होंने इस कारीगरी को अपने कैमरों में कैद कर लिया। इस दौरान गायत्री स्टोन कंपनी के मालिक गोपाल शर्मा व जिंदल स्टोन के मालिक विष्णु जिंदल से रीको उद्योग मंडल के अध्यक्ष शिवकुमार सिंहल ने सैण्ड स्टोन व्यवसाय के बारे में विस्तार से जानकारी दी । इस दौरान उन्होंने व्यवसाय से जुड़ी विभिन्न खूबियों , संभावना और समस्याओं से राजदूतों को अवगत कराया। जिस पर उपस्थित राजदूतों ने आश्वासन देते हुए कहा कि आगामी 2 दिन बाद गुजरात में उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मीटिंग है । जिसमें उनकी समस्याओं के बारे में अवगत कराया जाएगा और व्यापारियों को पूरी मदद का प्रयास किया जाएगा । इस दौरान जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक नारायण सिंह टोंगस, उपखंड अधिकारी सुरेश कुमार हरसोलिया, पुलिस उपाधीक्षक किशोरी लाल, रीको के आरएम महेश मीणा जिला उद्योग महाप्रबंधक कमलेश मीणा, मीडिया प्रभारी एम इक्वल बबलू आदि मौजूद रहे।

मोरक्को के राजदूत हिण्डौन रीको क्षेत्र में सेंड स्टोन के बारे में जानकारी लेते हुये।

- यूक्रेन, मोरक्को, बुल्गारिया, निमिबिया, अर्मानिया और साउथ सूडान के राजदूतों ने सेंड स्टोन की जानकारी ली

'दान की रद्दी से बनेंगे लिफाफे, पैसा बेसहारा-वृद्धों पर खर्च होगा'

अलवर, (निसं)। घर, दुकान या ऑफिस की रद्दी दान कर आप किसी बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। उसके जीवन को खुश बनाने में मदद कर सकते हैं। इसी मकसद से अलवर शहर के शांतिकुंज में परभ का आसरा के नाम से चल रहे वृद्धाश्रम के जरिए रद्दी दान का अभियान शुरू किया गया है। इसकी शुरूआत मंगलवार से की गई। उद्घाटन के दौरान पूर्व विधायक रामहेत यादव, बनवारी लाल सिंघल, जयराम जाटव व तारीफ सिंह सहित कई प्रतिनिधि मौजूद थे।

वृद्धाश्रम के संचालक तारीफ सिंह ने बताया कि सबके सहयोग से शांतकुंज में 108 मकान नंबर में वृद्धाश्रम चलता है। यहां अभी 22 बुजुर्ग रहते हैं। इनको तनाव से दूर करने के लिए कई तरह की व्यवस्थाएं हैं लेकिन संस्थान में बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने और उनको व्यस्त रखने के मकसद से लिफाफे बनाने का काम शुरू किया गया है। रोजाना 200 के आस-पास लिफाफे बनने भी लग गए हैं। तारीफ सिंह ने बताया कि सरकार ने पॉलिथिन बंद कर दी। तब हमारी टीम को यह आइडिया आया कि पॉलीथिन की पूर्ति की जरूरत बाजार में पड़ेगी। क्यों ना लिफाफे बनाने का काम शुरू करें। फिर बुजुर्गों से बातचीत कर इस काम की शुरूआत की गई। करीब 200 लिफाफे रोज बनाते भी हैं लेकिन तब यह नया आइडिया आया कि आमजन की मदद कैसे ली जाए । फिर रद्दी दान लेने का विचार आया। जिसमें हर घर से मदद मिल सकेगी जो रद्दी आएगी उसे बुजुर्गों तक पहुंचाकर लिफाफे बनवाए जाएंगे। ये लिफाफे बेचकर बुजुर्गों के जीवन का सहारा बनेंगे। उनकी सहूलियत बढ़ाई जा सकेगी।

रद्दी दान वाहन को पूर्व विधायक रामहेत यादव ने झण्डी दिखाई।

- परभ का आसरा के नाम से चल रहे वृद्धाश्रम ने शुरू किया रद्दी दान का अभियान

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 19 अक्टूबर, 2022

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, पुष्य नक्षत्र प्रातः 8:02 तक, साध्य योग सांय 5:31 तक, गर करण दिन 2:14 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-तुला, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

ज्वालामुखी योग दिन 2:14 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 3:09 से गुरूवार सांय 4:05 तक रहेगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:22 तक, शुभ 10:47 से 12:12 तक, चर 3:02 से 4:27 तक, लाभ 4:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 5:51

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
मन में असंतोष बना रहेगा। मानसिक तनाव बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

आरसीए के चुनाव पर 14 नवंबर तक रोक जारी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरसीए चुनाव पर लगी अंतरिम रोक को 14 नवम्बर तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आरसीए को जवाब के लिए समय दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश दौसा जिला क्रिकेट संघ व अन्य जिला संघों की याचिका पर दिए। वहीं मामले में हाईकोर्ट की ओर से पूर्व में मुख्य चुनाव अधिकारी रामलुभाया को जारी नोटिस की तामील नहीं हुई है।

सुनवाई में आरसीए की ओर से कहा गया कि उन्हें याचिका पर विस्तृत जवाब पेश करना है। इसलिए उन्हें समय दिया जाए। इस पर अदालत ने आरसीए को जवाब के लिए 14 नवंबर तक का समय दिया है। वहीं अदालत के सामने आया कि मुख्य चुनाव अधिकारी रामलुभाया को जारी नोटिस की तामील नहीं हुई है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टाल दी। गौरतलब है कि पूर्व आईएएस और प्रदेश के जिलों के पुनर्गठन के लिए बनी हाई पावर कमेटी के चेयरमैन रामलुभाया को आरसीए का मुख्य चुनाव अधिकारी बनाने को लेकर याचिकाओं में चुनौती दी गई है। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने 29 सितंबर को होने वाले जारी कर तीस सितंबर को होने वाले चुनाव पर रोक लगा दी थी।

जयपुर में दूषित 700 किलो बादाम और 300 किलो जीरा जब्त

- सीआईडी क्राइम ब्रांच और खाद्य सुरक्षा टीम ने करणी विहार क्षेत्र में श्याम बालाजी ट्रेडर्स पर छापा मारा
- 2500 किलो बादाम, 750 किलो जीरा, 2000 किलो लौंग व 1500 किलो सफेद मिर्च के सैंपल भी लिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच और खाद्य सुरक्षा टीम ने जयपुर के करणी विहार थाना क्षेत्र में श्याम बालाजी ट्रेडर्स के यहां छापामार भारी मात्रा में खराब व मिलावटी सूखा मेवा और मसाले जप्त किये। टीम ने फर्म से अन्य मसालों और मेवों के सैंपल भी जुटाए है। मौके से खाद्य सुरक्षा टीम ने 700 किलो बादाम व 300 किलो अनुपयोगी जीरा जब्त किया। जबकि 2500 किलो बादाम, 750 किलो जीरा, 2000 किलो लौंग व 1500 किलो सफेद मिर्च के सैंपल लिए गए। इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा व महेंद्र, कांस्टेबल बंशी लाल एवं तकनीकी भूमिका में सोहन देव यादव की अहम भूमिका रही है।

एडीजी डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि दिवाली के त्यौहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध कार्रवाई के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम भी एक्टिव हो गई है। सीआईडी की टीम की मात्र 5 दिनों में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। मुखबिर से मिली सूचना पर क्राइम ब्रांच के डीएसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा व महेंद्र एवं कांस्टेबल करणी सिंह व बंशी लाल की टीम को सोमवार को शाम करणी विहार थाने में भेजा गया।

एडीजी मेहरड़ा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह राणावत व आसिमुद्दीन को बुला स्थानीय थाना पुलिस की सहायता से श्याम बालाजी ट्रेडर्स नाम की फर्म पर छापा मारा गया। जांच के दौरान मौके पर भारी मात्रा में अनुपयोगी व मिलावटी मसाले व सूखे मेवे पाये गये।

आरएएस वृद्धिचंद गर्ग एपीओ

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर टी.ए.डी., उदयपुर के अतिरिक्त आयुक्त डॉ.वृद्धिचंद गर्ग को पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा (एपीओ) में रखा है।

आदेशानुसार गर्ग इस दौरान अपनी उपस्थिति कार्मिक विभाग में देंगे।

ARYA COLLEGE OF ENGINEERING & I.T.
(Approved by AICTE & Affiliated to RTU, Kota) www.aryacollege.in
Admission Under Management Quota / Special Round
APPLY FOR ADMISSION UNDER MANAGEMENT QUOTA AND SPECIAL ROUND
Against Few Vacant Seats in B.Tech (REAP-2022) & MBA (RMAP-2022)
Last Date for Registration : 21-10-2022 (12:00 Noon)
B.TECH BRANCHES: ME · EE · ECE · CSE · IT · AI & DS
Admission also Open for LEEP (B.Tech II Year) & M.Tech
REAP CODE - 1014 RMAP CODE - 212
SP-42, RIICO Industrial Area, Delhi Road, Kukas, Jaipur - 302028
Contact : 9314881683, 9829017324

प्रदेश में मंगलवार को 33 नए करोना संक्रमित मिले

- अलवर में 10, जयपुर में 7 व कोटा में 6 नए मरीज पाए गए हैं।
- राज्य में मंगलवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में लगभग तीन गुना मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 310 रह गए हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को 33 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच 98 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ एक्टिव केस घटकर 310 रह गए हैं। राहत की बात यह भी है कि राज्य में पिछले कई दिनों से करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 9 जिलों में 33 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 21 रोगी पाए गए थे। इधर आज सबसे ज्यादा 10 मरीज अलवर में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 7, कोटा में 6, जोधपुर और पाली में 3-3 तथा नागौर, राजसमंद, सीकर और उदयपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 8747 जांचें हुई है।

प्रदेश में पिछले कई दिनों से रिकवरी में आ रही कमी के बाद मंगलवार को एक ही दिन में नए संक्रमितों के मुकाबले तीन गुना मरीज ठीक हुए हैं। इस दौरान 98 संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 310 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में 13 मरीजों के ठीक होने से 56 एक्टिव केस रह गए हैं। प्रदेश में मंगलवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9644 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 6 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें खातीपुरा में 2 तथा बजाज नगर, बापू नगर, गांधी नगर, जमवारामगढ़, खातीपुरा और राजापार्क में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

कांग्रेसियों के लिए गांधी परिवार भगवान से भी बड़ा : शेखावत

- भगवान राम से राहुल की तुलना निंदनीय, माफी मांगे कांग्रेस : देवनानी

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा के कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भगवान श्रीराम से तुलना करने पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों के लिए गांधी परिवार भगवान से भी बड़ा है। कांग्रेसी नेता अब जल्द ही गांधी परिवार की तुलना परमात्मा से भी करने लगेंगे।

मंगलवार को ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि कांग्रेस ने भगवान श्रीराम को काल्पनिक करार दिया था। आज उसकी सरकार का मंत्री राहुल गांधी की यात्रा को प्रभु राम की अयोध्या से लंका की महायात्रा से भी महान बताने लगा है।

गौरतलब है कि चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा की तुलना भगवान श्रीराम से कर दी थी। लालसोट में उन्होंने कहा था कि श्रीराम ने लंका तक पैदल यात्रा की थी, पर राहुल गांधी इससे ज्यादा कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3500 हजार किलोमीटर लंबी पदयात्रा पर निकले हैं।

वहीं विधायक वासुदेव देवनानी ने परसादीलाल मीणा द्वारा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तुलना भगवान श्रीराम की पैदल यात्रा से करने पर पुरजोर विरोध दर्ज कराया है। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस दल से विधायक का टिकट लेने एवं गहलोत सरकार में मंत्री पद पर बने रहने हेतु कांग्रेसी मंत्री इस हद तक अपने आकाओं की चापलूसी कर सकते हैं, इसकी कल्पना तक नहीं थी। मंत्री मीणा ने निश्चित ही हिन्दुओं की आस्था को ठेस पहुंचाया है इसकी जितनी आलोचना की जाए उतनी ही कम है।

देवनानी ने कहा कि मंत्री मीणा ने भगवान श्रीराम और उनके करोडों रामभक्तों का अपमान किया है। यह चापलूसी की हद ही है कि केवल अपना टिकट और अपना मंत्री पद बचाए रखने में इस प्रकार की हल्की स्तर की राजनीति पर उतरना पड़ा।

विधेयकों को राज्यपाल ने अनुमति दी

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को पन्द्रहवीं राजस्थान विधानसभा में पारित विभिन्न विधेयकों को अपनी अनुमति प्रदान की है।

राज्यपाल मिश्र ने विधानसभा के सप्तम सत्र में 21 सितम्बर को पुनः पारित राजस्थान अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक 2020 को अनुमति प्रदान की है। इसी तरह 20 सितम्बर को राज्य विधानसभा में पारित राजस्थान विधानसभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक 2022 तथा इसी दिन पारित एक और विधेयक राजस्थान सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक 2022 को भी अनुमति प्रदान की है।

'हर विधानसभा क्षेत्र के सेन समाज दस अभ्यर्थियों को सेलून बूथ उपलब्ध देंगे'

जयपुर, (का.सं.)। केश कला बोर्ड, जयपुर के अध्यक्ष (राज्यमंत्री) महेन्द्र गहलोत की अध्यक्षता में आज मंगलवार को केश कला बोर्ड की प्रथम बैठक आयोजित की गई।

गहलोत ने बताया कि बैठक में सेन समाज के बालक-बालिकाओं को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आवासीय छात्रावास हेतु निःशुल्क/5 प्रतिशत आरक्षित दर पर 5000 वर्ग मीटर भूमि आवंटन कराने, सैन समाज के लोग जो थड़ी एवं सड़क के किनारे पीपल, नीम, सफेदा के नीचे बैठकर केशकला कारीगर कार्य कर रहे हैं। उन्हें स्थायित्व प्रदान करने एवं कार्य कुशलता में वृद्धि हेतु प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 10 व्यक्तियों के हिसाब से कुल 2000 व्यक्तियों को सेलून/अलमारी बूथ उपलब्ध करवाने हेतु कार्य योजना तैयार की गई। प्रति सेलून/अलमारी बूथ की लागत लगभग 50 हजार रूपयें है।

केश कला बोर्ड, जयपुर के अध्यक्ष (राज्यमंत्री) महेन्द्र गहलोत की अध्यक्षता में आज मंगलवार को केश कला बोर्ड की प्रथम बैठक आयोजित की गई।

उन्होंने बताया कि सेन समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए उनकी आर्थिक समृद्धि तथा रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कुल 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रति विधानसभा 50 अभ्यर्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रकार कुल 10000 व्यक्तियों को बिना ब्याज प्रतिव्यक्ति एक लाख से पांच लाख रूपये का ऋण प्रदान कराने, शहरी निकायों/ग्रामीण संस्थानों में कियोस्क आवंटित कराने का प्रस्ताव लिया गया।

बैठक में सदस्य आनन्द प्रकाश पंवार, अशोक सैन, माणक सैन, सुनिल आमेरिया तथा विभागीय अधिकारीगणों द्वारा भाग लिया गया।

अस्पतालों में लगेंगे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार प्रदेश में पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अस्पतालों के लिक्विड़ एवं सॉलिड़ वेस्ट के निस्तारण के लिए बनने वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु 20 करोड़ रूपए के बजट को मंजूरी दी है।

अब होगी प्रत्येक राजकीय भवन की जिओ टैगिंग

जयपुर, (का.सं)। राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए निरंतर कार्यरत है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के विभिन्न विभागों व उपक्रमों की परिसंपत्तियों, योजनाओं एवं कार्यों की भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के माध्यम से जिओ टैगिंग कर उन्हें मैप से जोड़ने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इस हेतु प्रारंभ में 153.80 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। जीआईएस एक ऐसी प्रणाली है जिसे पृथ्वी की सतह पर भौगोलिक स्थितियों के संबंध में डाटा एकत्रित करने, संग्रहित करने, संशोधन करने तथा विश्लेषण करने के लिए बनाया गया है।

सेंट्रल पार्क में 'वर्ल्ड स्पाइन डे'

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के सेंट्रल पार्क में गुरुकुल योग संस्थान और मणिपाल हॉस्पिटल के तत्वाधान में "वर्ल्ड स्पाइन डे" मनाया गया। योग गुरु महेंद्र सिंह राव और प्रेरणा शर्मा ने सबसे पहले सभी डॉक्टर्स और साधकों को योग करवाया।

कार्यक्रम में डॉक्टर श्रवण चौधरी ने स्पाइन की संरचना और उसकी देखभाल के तरीके बताए। डॉ. अमित निठारवाल ने स्पाइन की सर्जरी से बचने के लिए तरह-तरह के उपाय बताएं। उन्होंने जेडीए द्वारा चलाए जा रहे योग के कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की। दोनों ही डॉक्टरों ने साधकों द्वारा पूछे गए स्पाइन रोग से संबंधित सवालों का जवाब दिया।

डॉक्टर साक्षी ने स्पाइन रोग से बचने के लिए योग को नियमित करने की सलाह दी। गुरुकुल योग संस्थान के मुख्य संरक्षक राजू मंगोड़ी वाला ने सब को शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में अनुराग मोहन,चेतन खांडल, ललित रागनी, एमपी माथुर ,मधु कुमावत अनीता रुंगटा, सुधाकर ग्रोवर, आदि सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में गुरुकुल योग संस्थान के अध्यक्ष रामशरण गुप्ता ने सभी का आभार और धन्यवाद प्रकट किया।

विधानसभा अध्यक्ष के नोटिस मामले में जल्द सुनवाई का प्रार्थना पत्र मंजूर

जयपुर। हाईकोर्ट ने विधानसभा स्पीकर की ओर से पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट सहित उनके गुट के 19 विधायकों को दिए अयोग्यता नोटिस मामले में जल्द सुनवाई का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश मोहन लाल नामा के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने बताया कि राजनीतिक अस्थिरता की वजह से प्रदेश का काम बाधित हो रहा है। सरकार का पूरा ध्यान इसी ओर रहता है। कोर्ट को विधानसभा अध्यक्ष की नोटिस के संबंध में वैधानिकता तय करनी है। जिस पर जल्द सुनवाई होनी चाहिए। जिसका याचिकाकर्ता विधायक पीआर मीना के अधिवक्ता ने विरोध करते हुए कहा की सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी लंबित है, इसलिए हाईकोर्ट को फिलहाल मामले पर सुनवाई नहीं करनी चाहिए। इस पर हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के सुनवाई पर रोक नहीं होने का हवाला देते हुए नामा का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर मामले की सुनवाई नवंबर के तीसरे सप्ताह में रखी है। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने 24 जुलाई, 2020 को आदेश जारी कर विधानसभा स्पीकर की ओर से पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित 19 विधायकों को 14 जुलाई, 2020 को दिए अयोग्यता नोटिस की क्रियान्विति पर यथा-स्थिति के आदेश दिए थे। इसके साथ ही अदालत ने मामले में विभिन्न संवैधानिक बिंदुओं पर सुनवाई के लिए याचिका को लंबित रखा था।

'124 नए पशु चिकित्सा उपकेन्द्र खोले'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने मंगलवार को आदेश जारी कर पशु चिकित्साविहीन ग्राम पंचायतों में 124 नए पशु चिकित्सा उपकेंद्र खोले हैं।

पशुपालन मंत्री लालचन्द कटारिया ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश में पशु चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के लिए सतत प्रयासरत है।

राजस्थान में गैंगस्टर्स को तलाश रही एनआईए टीम

जयपुर (कासं)। राजस्थान, पंजाब और दिल्ली के टॉप-10 गैंगस्टर्स और उनके गुर्गों को एन.आई.ए. की टीम तलाशने में जुटी है। इसे लेकर तीनों राज्यों में छापेमारी की जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्याकांड में शामिल रहे गैंगस्टर व अन्य बदमाशों को एनआईए ने टारगेट किया है। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के तार राजस्थान से भी जुड़े हुए थे और हत्याकांड में शार्प शूटर व गाड़ी राजस्थान के गैंगस्टर द्वारा ही उपलब्ध करवाई गई थी। इसके साथ ही राज्य में सक्रिय अन्य गैंगस्टर्स के ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को बीकानेर में लॉरेंस गैंग व बबीहा गैंग के गुर्गों की तलाश में एनआईए की टीम ने बीकानेर रेंज में छापेमारी की। बदमाशों के परिजनों और सहयोगियों से पूछताछ के बाद रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि एनआईए की टीम ने चूरू जिले में गैंग के शूटर संपत नेहरा के पैतृक निवास पर और नेहरा के संपर्क में रहे लोगों के घरों पर दबिश देकर जानकारी जुटाई। पूछताछ में सामने आया है कि संपत नेहरा पिछले 6 वर्षो से अपने घर नहीं आ रहा है, वर्तमान में पंजाब की जेल में बंद है। इसके अलावा लॉरेंस गैंग के 20 बदमाश व नेहरा गैंग के 10 लोगों पर पूर्व में कार्रवाई कर जेल भिजवाया गया था, एनआईए टीम पूरी जानकरी हासिल कर वापिस रवाना हुई।

बताया जा रहा है कि राजस्थान के झुंझुनूं, सीकर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़ और अलवर सहित अनेक कई जिलों में एनआईए की टीम छापे मारने में जुटी है। सूत्रों की माने तो एनआईए की टीम गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथ जुड़ी हुई अन्य गैंग के बदमाशों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इसके साथ ही राजस्थान में फरारी काट रहे हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों के बदमाशों व उनकी गैंग पर भी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस को भी एनआईए टीम ने अपने साथ लिया है। हालांकि राजस्थान पुलिस के किसी भी अधिकारी द्वारा अभी इस बारे में कोई भी आधिकारिक बयान नहीं दिया जा रहा है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

रोडवेज कर्मचारियों ने प्रदेशभर में किया एक घंटे कार्य बहिष्कार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान रोडवेज के श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चे के आव्हान पर मंगलवार को प्रदेशभर में रोडवेज के 52 आगारों और तीन केन्द्रीय कार्यशालाओं के कर्मचारियों ने दोपहर 1 से 2 बजे तक कार्य बहिष्कार किया। इस दौरान

- विरोध-प्रदर्शन के दौरान 52 डिपो से नहीं हुआ बसों का संचालन
- अगस्त-सितंबर माह के बकाया वेतन और पेंशन देने की मांग

सभी 52 डिपो से रवाना होने वाली बसों के पहिए थमे रहे। कर्मचारियों ने बीते दो माह के बकाया वेतन-पेंशन और पिछले 8 माह में सेवानिवृत हुए कार्मिकों के परिलाभ देने की मांग उठाई। एटक यूनियन के प्रदेश संयोजक एम. एल. यादव ने बताया कि जयपुर में सिंधी कैंप बस स्टैण्ड के निकास द्वार पर सैकड़ों

जयपुर में सिंधी कैंप बस स्टैण्ड के निकास द्वार पर सैकड़ों सेवारत-सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने रोडवेज प्रशासन के विरोध में नारे लगाए।

सेवारत-सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने रोडवेज प्रशासन के विरोध में नारे लगाए। इस बीच सिंधी कैंप से रवाना होने वाली 100 से ज्यादा बसों का संचालन नहीं हो सका। यादव ने बताया कि रोडवेज कर्मचारियों का अगस्त व सितंबर का वेतन बकाया है, पेंशन भी नहीं दी जा रही। दीपावली के त्यौहार पर लोग अपने परिवार को क्या जवाब देंगे।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती ऊषा गुप्ता पत्नी स्व.प्रहलाद राय गुप्ता, निवासी सी 6/102, कमल अपार्टमेंट द्वितीय, बनीपार्क, जयपुर, राज. का पुत्र श्याम गुप्ता निवासी ए-3/101, कमल अपार्टमेंट द्वितीय, बनीपार्क, जयपुर मेरी अभिभाष्या के कहे में नहीं है एवं काफी प्रताडित कर रखा है तथा मेरी अभिभाष्या की सम्पत्तियां धोखाधडी से हडप कर बेचान कर चुका है व मेरी अभिभाष्या ने श्याम गुप्ता के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कर रखी है। मेरी अभिभाष्या श्याम गुप्ता के कृत्यों से व्यथित होकर उसको मेरी अभिभाष्या अपनी सम्पत्तियों व अधिकारों से बेदखल करती है। कोई भी व्यक्ति श्याम गुप्ता से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार करता है तो उस बाबत वह स्वयं जिम्मेवार होगा। तथा मेरी अभिभाष्या का अन्तिम संस्कार मेरा बडा पुत्र दीपक गुप्ता ही करेगा एवं श्याम गुप्ता को इसमें हाथ तक नहीं लगाने दिया जावे। सूचित रहे।
जयपुर (सत्यवीर सिंह मूंड) एडवोकेट
दिनांक- मो.-9829117192

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
क्रमांकः-1474 आवश्यक सूचना दिनांकः 14.10.22
मूलतः आवास संख्या 2/16 एनई0बी0 85 योजना, अलवर जो कि श्री डालचन्द को आवंटन पत्रांक 5467 दिनांक 28.02.1989 के द्वारा किराया क्रय पद्धति पर आवंटित किया गया था। जिसका भौतिक कब्जा आवंटी द्वारा 08.04.1989 को प्राप्त किया गया था। मूल आवंटी श्री डालचन्द द्वारा जरिये अपंजीकृत इकरारनामा, व हल्फनामा द्वारा दिनांक 29.11.1990 को श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री गिरधारी लाल को विक्रय किया गया था। श्रीमती सरोजदेवी द्वारा जरिये अपंजीकृत इकरारनामा, मुख्तार नामा, व हल्फनामा द्वारा दिनांक 16.10.2006 को श्री अनिल कुमार तनेजा पुत्र स्व० श्री भगवान दास को विक्रय किया गया था। श्री अनिल कुमार तनेजा की मृत्यु दिनांक 23.06.2022 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरान्त इनके उत्तराधिकारणी पत्नी श्रीमती किरण तनेजा पत्नी स्व0 श्री अनिल कुमार तनेजा द्वारा नियमितिकरण हेतु दिनांक 08.09.2022 को मण्डल कार्यालय मे दस्तावेज प्रस्तुत कर आवेदन किया गया है। वृत स्तर पर निर्णय नोट शीट पैरा संख्या 23/एन के अनुसार इनके पक्ष मे नियमितिकरण करने की कार्यवाही की जा रही है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 2/16 एनई0बी0 85 योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी का एंव आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती किरण तनेजा पत्नी स्व० श्री अनिल कुमार तनेजा के पक्ष में आवास के नियमितिकरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

NAME CHANGE
I Hawa Kanwar W/o Late Kheem Singh Rank Ex Sep. No. 6892230, Records Office (AOC) presently R/o village Sangram Singh ki Dhani Post Bhainswara Teh. Pokran Distt. Jaisalmer (Raj.) Declare that in my husband's service record my Name & DOB wrongly written as Hawa Kaur & 03.05.1957 but the correct Name & DOB is Hawa Kanwar & 09.07.1955 Vide affidavit 08.07.2022 Jaipur.

मैंने मेरा नाम रीटा रानी से बदलकर रीटा गुप्ता रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। C 6/102 कमल अपार्टमेंट 2nd, बनीपार्क, जयपुर

खोया पाया

मैं कमलेश कुमार पुत्र श्री रामसहाय लाल बैरवा आरपीसी द्वारा जारी किया गया फार्मासिस्ट पंजीयन प्रमाण पत्र संख्या 50065 जो कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें। मो. 7222814549

मेरा मकान नं. 10, पुलिया नं. 2 संगम विहार, ईदगाह, दिल्लीरोड के मूल दस्तावेज जो अम्बेश्वर सोसायटी के है कहीं गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें। नाम-मोहम्मद सइद मो.नं. 9314707040

मेरे मकान एफ-58, लालकोठी स्कीम जयपुर के रजिस्टर्ड मूल साइड प्लान एवं पट्टे के साथ संलग्न 58 रुपए की मूल रसीद गुम हो गई है, मिलने पर संपर्क करें। जितेन्द्र सिंह गहलोत- 9887716222

मेरे कुछ शैक्षणिक दस्तावेजों में सत्येन्द्र सिंह तोमर पुत्र श्री हमीर सिंह तोमर व कुछ दस्तावेजों में सत्येन्द्र सिंह पुत्र श्री हमीर सिंह दर्ज है, दोनों ही नाम मेरे हैं अब मैं सत्येन्द्र सिंह पुत्र हमीर सिंह नाम प्रयोग कर रहा हूँ मुझे इसी नाम से जाना जाए, एस-5, 70-71, मिथिला विहार-प्रथम जयपुर, राजस्थान

मेरा प्लाट संख्या 16, 17, 18, 19 महावीर कॉलोनी ई-गोविन्दपुरा टोंक रोड जयपुर के मूल दस्तावेज जो मित्र गृह निर्माण सहकारी समिति के है, कहीं खो गए हैं। मिलने पर सूचित करें। केसु लाल - 9602419545

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मकान S-15 NRI Colony Pratap, नगर, जयपुर का Allotment cum Passession Latter (1871 Date: 10/09/2022) खो गया है। जिसकी रिपोर्ट LR No.1602080/ 2022 दर्ज करा दी गई है। BATTI Lal Meena ने SBI में लोन हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथी से 7 दिवस मे सम्पर्क करे BATTI Lal Meena पुत्र श्री Ram Narayan Meena, निवास R 68, NRI Colony, Pratap Nagar, Jaipur, District Jaipur, Rajasthan

सूचना
इन्फ्लेक्टर इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, (स्टार्टअप कम्पनी) 15, शिव पथ, राजेन्द्र नगर, वैशाली नगर, जयपुर 302021 की सूचना व निर्देशों से निम्नलिखित नोटिस आमजन की सूचना हेतु प्रेषित है। कंपनी के पास भारत श्रीलंका, भूटान, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरेबीया, ओमान, बहरीन व कतर इत्यादि में इन्फ्लेक्टर नामक उत्पाद के व्यापारीक विपणन व विक्रय सम्बंधित सार्वाधिकार इन्फ्लेक्टर की पेरेंट्स कंपनी "स्वनिका एक्जिम ट्रेडिंग सोलूशन प्राईवेट लिमिटेड (SETS) में अनन्य सुरक्षित है। कंपनी की जानकारी के अनुसार कुछ लोग व संस्थायें इस कंपनी के उत्पाद के साथ झूठा सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास कर रहे है। तथा उत्पाद के विक्रय सम्बंधित अधिकार स्वयं में निहित होने का दावा सार्वजनिक तौर पर सोशल मीडिया व क्रिप्टोकार्ड कंरसी पर कर रहे हैं। जो भ्रामक, झूठ, धोखा, गैर कानूनी व असंवैधानिक है अतः कंपनी का इन तथाकथित लोगों व संस्थाओं से कोई सम्बन्ध नहीं है। जन सामान्य गुमराह न हों अगर कोई व्यक्ति व संस्था इन तथाकथित संस्थाओं के दावे पर विश्वास करता है ताल्लुक रखता है या कोई सौदा करता है। तो इन्फ्लेक्टर इंडिया प्राईवेट लिमिटेड की कोई जिम्मेदारी नही होगी इस सूचना के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति व ऐतराज है तो सात दिवस के अंदर अंदर सम्पर्क करें +91 9887544544, Connect@inflectorindia.com
भवदीय
एम.फारूक बेग, एडवोकेट
दिनांक: 16.10.2022 9829494007

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/641 दिनांक-12.10.2022
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 10/277 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 74.400 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री नन्द किशोर शर्मा पुत्र श्री द्वारका प्रसाद शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3161 दिनांक 29.01.1987 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 02.03.1987 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 3818 दिनांक 22.03.2004 के द्वारा श्री गौरी शंकर शर्मा पुत्र स्व. श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 25.05.2005 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री गौरी शंकर शर्मा की मृत्यु दिनांक 19.12.2020 को हो जाने के कारण इनके पुत्रान श्री रामवतार शर्मा एवं श्री दामोदर शर्मा पुत्रान स्व. श्री गौरी शंकर शर्मा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्री रामवतार शर्मा एवं श्री दामोदर शर्मा पुत्रान स्व. श्री गौरी शंकर शर्मा के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री रामवतार शर्मा एवं श्री दामोदर शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1893 दिनांक-17.10.2022
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 79/52 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 90.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी पुत्र श्री मिश्री लाल चतुर्वेदी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3362 दिनांक 30.06.1994 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 28.10.1997 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 742 दिनांक 17.06.1998 के द्वारा श्री विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी पुत्र श्री मिश्री लाल चतुर्वेदी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 23.08.2003 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी की मृत्यु दिनांक 19.04.2006 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी ने मृत्यु पश्चात नाम एवं लीजडीड हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात नाम एवं लीजडीड हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

Maharishi Arvind INSTITUTE OF SCIENCE & MANAGEMENT
(Approved by AICTE- New Delhi, Affiliated to RTU- Kota)
Ambabari Circle, Ambabari, Jaipur-302 039
ADMISSION 2022-23
MBA & MCA COURSE
DIRECT/ SPECIAL ROUND/ MANAGEMENT QUOTA
RMAP : 331, RMCAAP CODE: 2220
Eligible candidates may contact the office for admission on Direct/ Special Round Management Quota seats on or before 21.10.2022 along with original mark sheets and fee.
For enquiry contact: 9929112374, 8696906801, 9828199937 DIRECTOR

1800 किलोग्राम मिलावटी मावा, कलाकन्द जब्त

बानसूर थाना पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिलने पर की कार्रवाई

अलवर, (निसं)। जिले में त्यौहार के मौके पर मिलावटी खाद्य सामग्री पकड़ने में जिला प्रशासन एवं पुलिस ने कमर कस रखी है आज बानसूर थाना पुलिस ने राजकुमार राजोरा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में करीब 180 किलोग्राम मिलावटी मावा कलाकन्द को लेकर जा रही पिकअप गाडी को जब्त किया।

- मावा, कलाकांद की जांच के बाद मिलावटी होने की पुष्टि हुई

बानसूर थाना पुलिस को मुखबिर खास सूचना मिली की किशनगढ बास की तरफ से एक पिकअप गाडी आ रही है जिसके अन्दर मिलावटी मावा कलाकन्द भरा हुआ है। उक्त सूचना पर टीम गिरुडी बस स्टैण्ड पर पहुंचे जहां लेकडी गांव की तरफ से आने वाले गुप्त रास्ते से एक पिकअप गाडी आती हुई दिखाई दी। जिसे टीम द्वारा रोककर चैक किया गया तो पिकअप गाडी के अन्दर मावा कलाकन्द भरा हुआ था तथा गाड़ी में मुनवर मेव निवासी इस्माईलपुर बागोर थाना किशनगढ बास, आजाद मेव निवासी देवता थाना किशनगढ़ बास, कमरुदीन मेव निवासी बेरा का बास डुगडा थाना किशनगढ़ बास जिला अलवर, साहिल मेव निवासी खोवाबास थाना किशनगढ़ बास जिला अलवर बैठे हुये थे। गाडी में भरे मावा कलाकन्द से बदबू आ रही थी तथा सूघंने व चखने पर उक्त मावा दूषित होना प्रतीत हो रहा था।

मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी को बुलवाया गया तथा उक्त सदिंग्ध मिलावटी मावा कलाकन्द से भरी हुई पिकअप गाडी को व उसमें बैठे व्यक्ति मुनवर, आजाद, कमरुदीन, साहिल को थाने ले जाया गया। मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा करीब 1800 किलोग्राम मावा कलाकन्द जांच करने पर मिलावटी होना पाये जाने पर सैम्पल प्राप्त कर नष्ट किया गया।

पांच हजार किलो बूरा सीज किया

करौली, (नि.स.)। आमजन को मिलावट रहित खाद्य वस्तुऐं उपलब्ध कराने के लिए चलाए जा रह 'शुद्ध के लिये युद्ध' विशेष अभियान 17 से 21 अक्टूबर के तहत खाद्य वस्तुओं के सैंपल लिये गये और जगदंबा ट्रेडिंग कंपनी हिंडौन सिटी में 5 हजार किलो बूरा सीज किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेशचंद मीना ने बताया कि फूड सेफ्टी एवं स्टेंडर्ड एक्ट 2006 के प्रावधानों के अनुसार मिलावटी खाद्य पदार्थ आपूर्तिकर्ताओं के विरूद्ध शुद्ध के लिए युद्ध विशेष अभियान संचालित है जिसके तहत गठित टीम ने एफएसओ जगदीश गुप्ता के नेतृत्व में जोधपुर स्वीट होम बयाना मोड हिण्डौन सिटी से रसगुल्ला, ज्वाला मां मिष्ठान भंडार बयाना रोड हिण्डौन सिटी से खीरमोहन मिठाई एवं जोधपुर मिष्ठान भंडार बयाना मोड़ से मावा व दूध के नमूने लिए तथा 60 किलो खट्टा व बदबूदार मावा नष्ट कराया।

स्वास्थ्य विभाग ने 457 क्विं. मशाले पाउडर जप्त किए

जोधपुर, (कास)। शहर में "शुद्ध के लिए युद्ध अभियान" के तहत मिलावट खोरों के खिलाफ कार्रवाई मंगलवार को भी जा रही। सीएमएचओ ने बताया कि मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सूचना के आधार पर सबसे बडी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 45,680 किलो एक्सपायर हुए मसाला पाउडर जप्त किया गया। उन्होंने बताया कि देसुरिया बिश्नोइया की फर्म किचन हार्वेस्ट फूड फर्म पर एक्सपायरी मसाले पाउडर होने की सूचना मिली थी, जिसकी पुष्टि होने पर खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा नौ मिल के तेज पारस कोल्ड स्टोर में रखे एक्सपायरी मिर्ची, हल्दी व धनिया पाउडर जप्त किया।

डॉ सांखला ने बताया कि फर्म द्वारा उक्त एक्सपायरी मसाले को विक्रय करने की मंशा से स्टॉक किया गया था। जप्त किए गए मसालों का खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत निस्तारण किया जायेगा। इस बडी कार्रवाई को अंजाम देने में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रजनीश शर्मा, किशन कडवासडा, सुरेश माली एवं विजय कंवर की टीम ने अहम भूमिका निभाई।

- 9 मील के तेज पारस कोल्ड स्टोर से एक्सपायरी मिर्ची, हल्दी व धनिया पाउडर जप्त किया
- देसुरिया बिश्नोइया की किचन हार्वेस्ट फूड फर्म पर कार्रवाई

डीएपी से भरे ट्रक को पकड़ा

जिप्सम के नाम पर ले जाए जा रहे डीएपी के 232 कट्टे जब्त किए

सूरतगढ़, (निसं)। उपखण्ड के राजियासर थाना क्षेत्र के गांव हिंदौर में डीएपी खाद से भरी गाड़ी को लेकर किसानों ने रोष व्यक्त किया। किसानों ने इसकी सूचना कृषि विभाग, सहकारी समिति, इफको व पुलिस को दी। इस पर इफको के क्षेत्रीय अधिकारी रविंद्र सिंह, सहायक अधिकारी शेलेंदर कुमार, सुमित गोदारा व राजियासर पुलिस मौके पर पहुंचे।

- डीएपी से भरे ट्रेलर के हिंदौर गांव में पहुंचने पर किसानों में खाद लेने की होड़ मच गई

इस पर डीएपी भरे ट्रक को राजियासर पुलिस थाने ले जाया गया। इसी बीच कृषि अधिकारी सरजीत बिश्नोई, सहायक कृषि अधिकारी मुकुंद भट्टी व कृषि पर्यवेक्षक बिरमा स्वामी भी थाने पहुंच गए। इससे पूर्व इफको अधिकारियों को गांव में मौके पर गाड़ी में भरी डीएपी के बिल व कागजात देखने पर 1.995 लाख रुपए का 38 टन जिप्सम का बिल उपलब्ध करवाया गया। जो कि उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद से भरकर श्रीगंगानगर की किसी फर्टिलाइजर केमिकल्स फर्म के नाम से बनाया गया है।

मामले की सूचना मिलने पर पहुंचे इफको अधिकारी और कृषि विभाग के अधिकारी मुकदमे की कार्यवाही को लेकर आपस में एक दूसरे का बताते रहे वहीं किसान कार्यवाही के इंतजार में देर शाम तक ताकते रहे। इससे पूर्व डीएपी खाद से भरे ट्रेलर के हिंदौर गांव में पहुंचने पर किसानों में डीएपी के लिए हौड़ मच गई। राजियासर व पीपासर के कुछ किसान डीएपी खाद के कट्टे खरीदकर ले भी गए। इसी बीच किसानों को खाद के नकली होने का अंदेशा हुआ तो इधर-उधर जानकारी के लिए पूछताछ शुरू कर दी। किसी जागरूक किसान ने इसकी सूचना कृषि विभाग, इफको और किसान सहकारी को भी दे दी। इस पर गांव में किसान एकत्रित हो गए और गाड़ी को मौके पर ही रोके रखा। पुलिस व अधिकारी गाड़ी को राजियासर थाने लेकर आ गए। किसानों ने खाद ले जाने के दौरान कट्टे को खोलकर खाद की गुणवत्ता को लेकर संदेह जताया तो उन्होंने अपने स्तर पर जांच कर इसके नकली होना बता दिया।

इफको के क्षेत्रीय अधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि गाड़ी में जिप्सम के नाम पर डीएपी के 232 कट्टे जब्त किए गए हैं। उच्चाधिकारियों ने कार्यवाही के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को अवगत करवा दिया है। श्रीगंगानगर के कृषि अधिकारी सरजीत बिश्नोई ने बताया कि हमने गाड़ी में मिले डीएपी के सैंपल ले लिए हैं। इफको के ब्रांड में अनाधिकृत रूप से माल बेचने पर इफको को ही मुकद्दमा दर्ज करवा कर कार्यवाही करनी चाहिए। राजियासर किसान सहकारी समिति के अध्यक्ष कालूराम गोदारा ने बताया कि रबी फसल की बिजाई के मौके पर डीएपी की कालाबाजारी और नकली मिलना या बेचना किसानों के साथ सरासर धोखाधड़ी है। इस प्रकार के कृत्य करने वालों पर सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

21 सौ किलो मावा व मिठाइयों के सैंपल जांच के लिए भेजे

पाली, (नि.सं.)। राज्य सरकार के निर्देश पर पाली जिले में सरकार की महत्वकांक्षी योजना शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत चिकित्सा विभाग की टीम ने मंगलवार को बडी कार्यवाही को अंजाम दिया। कलेक्टर नमित मेहता के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ.इन्दरसिंह राठौड की अगुवाई में की गई कार्यवाही के दौरान मिलावट के संदेह के आधार पर 21 सौ किलोग्राम मावा व अन्य मिठाइयां भी जब्त की गई। साथ ही जब्त किए गए मावे व अन्य मिठाइयों के 6 सेंपल लेकर जांच के लिए जोधपुर प्रयोगशाला में भेजे तथा मौके पर ही 250 किलो मावा घटिया स्तर का होने के कारण टीम ने नष्ट करवाया। कार्यवाही से मिठाई विक्रेताओं में हडकंप मच गया।

पाली के सीएमएचओ के निर्देशन में सैम्पल जांच के लिए भेजे।

- पाली जिले में बिकने आया घटिया स्तर का 250 किलो मावा नष्ट करवाया

मंगलवार को सुबह बीकानेर से निजी यात्री बस में भारी मात्रा में नकली मावा व अन्य मिठाईयों के पाली आने की सूचना मिलने पर चिकित्सा विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब 107 पीपों व कार्टन में भरा 2100 किलोग्राम संदिग्ध मिलावटी मावा व मावे से बनी मिठाइयां पकडी एवं पाली जिले के पाली शहर, सोजत व सुमेरपुर में विभिन्न दुकानदारों को सप्लाई किए जाने वाले मावे के 6 सैंपल लिए जिन्हें जांच के लिए जोधपुर प्रयोगशाला भेजा। उन सभी मावा विक्रेताओं जिसमें मैसर्स बीकानेर मावा भंडार सुपर मार्केट पाली, चौधरी मिष्ठान भंडार नया बस स्टैंड पाली, बीकानेर मावा भंडार पाली रोड सोजत सिटी, देवीलाल शर्मा-इन्दरचंद शर्मा पाबूसर जिला चूरू, रामूराम देवासी भूण्डाराम राइको का बास रूपावास,को मौके पर बुलाकर मावा विक्रेताओं को मावे का नमूना एवं रसगुल्ला के नमूने जांच वास्ते लिए गए।

मांडलगढ़ के 292 आंगनबाड़ी केन्द्र में लोहा बॉक्स खरीद में घोटाला

मांडलगढ़, (निस)। भीलवाड़ा के मांडलगढ़ ब्लॉक में महिला एवं बाल विकास विभाग की उड़ान योजना में आंगनबाड़ी केंद्रों पर लोहे के बॉक्स खरीद में विभाग के अफसरों और कार्मिकों की भूमिका सन्दिग्ध नजर आ रही हैं। मांडलगढ़ ब्लॉक के सभी 292 आंगनबाड़ी केंद्रों पर लोहे के बॉक्स आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सीधे बाजार से खरीदने के आदेश निदेशालय से मिले थे। निदेशालय द्वारा सभी आंगनबाड़ी केंद्र पर एक बॉक्स खरीद की राशि 5 हजार 960 रुपए निर्धारित कर आवंटित की गई। लेकिन जिला मुख्यालय के अफसरों व कार्मिकों ने निजी स्तर पर सस्ती दर से लोहे के बॉक्स बाजार से खरीद कर मांडलगढ़ ब्लॉक के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर 5960 रुपए के बिल के साथ भिजवा दिए,और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के बैंक खाते में आई राशि को जबरन वसूल कर लिया। कुछ कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया तो उनकी आवाज दबा दी गई। हरिलाल जाट जिला परिषद सदस्य ने बताया कि बॉक्स को 6 हजार में खरीद कर भारी भष्ट्राचार किया गया है। इस मामले में मांडलगढ सीडीपीओ ने बताया कि विभाग की उड़ान योजना के तहत प्रत्येक केंद्र पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने स्वयं ने निर्धारित मापदण्ड में लोहे के बॉक्स खरीदे हैं।

Livestock Research Station Dag, Jhalawar-326514
(Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences)
No. F.6 ( ):01/Dag/LRS/RAJUVAS/AHDP/2022-23/137 Dated: 13/10/2022

Open Tender Notice OGT-02 (2022-23)

Sealed Tenders are invited from eligible original manufacturers / distributors for open general tender for the supply of "FEED INGREDIENTS". Tender application will be open for submission from 14-10-2022 10 29.10.2022 (5.00 PM) and after this bids will be opened by tender opening committee at LRS Dag on 31.10.2022 at 2.00 P.M. onwards.

Detailed Terms & Conditions for the tender are available on State Procurement Portal website http://www.pep.raj.nic.in and University website www.raiuvas.ore. The Incharge, LAS Dag holds right to reject one or more tender. The Bids / Tenders not fulfilling prescribed terms & conditions or submitted after due date shall be rejected
For this Open Tender UBN No. VAU2223GS0B00087

Raj.Samwad/C/9315/22-23 **INCHARGE**

महिला व पुरुषों को वार्ड में एक साथ देख नाराज हुए मंत्री मीणा

मंडावरी, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा मंडावरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण करने के दौरान वार्ड में पुरुष एवं महिला का एक जगह भर्ती होने को लेकर गहरी नाराजगी जताई। उनके द्वारा मौके पर मौजूद सीएमएचओ को भविष्य में महिला व पुरुषों को अलग-अलग वार्ड में भर्ती कर उनका इलाज करने के निर्देश दिए।

- एनबीएसयू वार्ड स्टोर में दिखा तब्दील

चिकित्सा मंत्री मीणा नवजात शिशु के लिए बनाए गए न्यू बेबी बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट के वार्ड के स्टोर जैसा दिखने पर शिशुओं की देखरेख उपचार के लिए मशीन को सही जगह रखकर उसके समुचित उपयोग व रखरखाव निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री मीणा द्वारा आन कॉल के नाम पर रात्रि समय में अस्पताल से दूर रहने व सूचना मिलने पर वहां आने को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि चिकित्सकों का यह रवैया ठीक नहीं है चिकित्सकों की जिस समय ड्यूटी जहां लगाई जाए उसे वही स्थाई रहना चाहिए।

वहां मौजूद लोगों द्वारा चिकित्सकों की कमी से अवगत कराये जाने पर मंत्री मीणा द्वारा सीएचसी मंडावरी में आने वाले मरीजों को पर्याप्त सुविधा मिले इसके लिए सर्जन चिकित्सा पीसी गुप्ता को फैमिली प्रोग्राम कार्यक्रम से हटाकर पूरे समय मंडावरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रखने के निर्देश दिए।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि ऐसा करने से सोनोग्राफी मशीन की सुविधाओं का गर्भवती महिलाओं समेत इस उपचार से जरूरतमंद मरीजों को निर्बाध लाभान्वित किया जा सकेगा।

शहर में दुकानों से लिए मावे व लड्डू के सैंपल

चिड़ावा खाद्य विभाग के फूड इंस्पेक्टर ने मावे के सैम्पल लिए।

चिड़ावा, (निसं)। शहर में आज खाद्य विभाग की टीम ने दो प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की। टीम सबसे पहले मंड्रेला बाईपास पर मनोज मिष्ठान भंडार पहुंची। यहां पर फूड इंस्पेक्टर महेंद्र चतुर्वेदी के नेतृत्व में यहां से मावे का सैंपल लिए इसके बाद टीम अरडावतिया कॉलोनी में संजय मिष्ठान भंडार पहुंची। दुकानदार ने टीम का सहयोग करते हुए सैंपल के लिए नमूने उपलब्ध करवाए। यहां पर टीम ने देसी घी के लड्डू और मावा के नमूने लिए। फूड इंस्पेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि किसी भी प्रकार की मिलावटी सामान मिलने पर 181 नंबर पर शिकायत दे सकते हैं। वहीं शिकायत सही पाई गई तो शिकायतकर्ता को इनाम देने का भी प्रावधान है।

- संजय और मनोज मिष्ठान भंडार पर कार्रवाई की

रिफाइंड सोयाबीन तेल, कलाकंद, मावा, भुजिया व पनीर के 6 सैंपल लिए

रतनगढ़, (निसं)। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान में जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा टीम ने 6 नमूने लिये। सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि 18 अक्टूबर 2022 को 6 नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया व विनोद थारवान ने बताया कि शुद्ध के लिए युद्ध विशेष अभियान के तहत फर्म चिमनलाल श्याम सुंदर रतनगढ से रिफाइंड सोयाबीन तेल का एक नमूना लिया गया है।

फर्म गजानंद सुशील कुमार रतनगढ से कलाकंद व मावा का एक एक नमूना लिया गया है। फर्म तुलसी स्टोर रतनगढ से भुजिया का एक नमूना लिया गया है।फर्म बेनीवाल ब्रदर्स रतनगढ से मावा हुए पनीर का एक एक नमूना लिया गया है। सभी व्यापारियों को साफ-सफाई रखने व शुद्ध खाद्य सामग्री बेचने के लिए पाबंद किया गया। सभी नमूनों को प्रयोगशाला जयपुर में जांच के लिए भिजवाया गया है जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

Office of Project Director
RUIDP Rajasthan Urban Infrastructure Development Project
(A unit of RUDSICO)
AVS Building, Jawahar Circle, JLN Marg, Jaipur - 302017
Tel No.: 0141-2721966, Fax No.: 0141-2721919
Email: mail.ruidp@rajasthan.gov.in, website: www.ruidp.rajasthan.gov.in

Invitation for Bids No: RSTPSP/OCB/NTL/29
दिनांक: 11 अक्टूबर, 2022

राजस्थान द्वितीयक नगर विकास क्षेत्र परियोजना (RSTDSP)-Additional Financing

1. राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना (RUIDP) निम्नलिखित कार्यों के लिए पात्र निविदादाताओं से e-proc वेबसाइट पर ओपन बिडिंग कॉम्पिटिशन (OCB) के तहत ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित करता हैं:

क्र. सं.	क्लस्ट/पैकेज संख्या	पैकेज का नाम एवं कार्य का विवरण	निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि
1.	RSTDSP/JSL /CTYBF/01	जैसलमेर में शहरी सौन्दर्यीकरण के कार्य-पुर्ननिविदा	14 नवम्बर 2022 की दोपहर 3 बजे तक

2. निविदा दस्तावेज e-proc वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 12, अक्टूबर 2022 से उपलब्ध होंगे। निविदा दिनांक 14 अक्टूबर, 2022 को दोपहर 3.00 बजे तक e-proc पर प्रस्तुत की जा सकेगी।
3. प्री-बिड मीटिंग दिनांक 20 अक्टूबर, 2022 को दोपहर 3.00 बजे आयोजित की जावेंगी। सभी भावी निविदादाताओं को प्री-बिड मीटिंग में सम्मिलित होने की सलाह दी जाती है। यह भी सलाह दी जाती है कि निविदादाता कार्यस्थल का दौरा एवं निविदा दस्तावेजों का पूर्ण रूप से अध्ययन कर लेवें।
4. निविदादाताओं के प्रश्नों के स्पष्टीकरण/Addendum एवं शुद्धिपत्र केवल e-fproc वेबसाईट पर प्रकाशित किये जायेंगे ना कि किसी समाचार पत्र में।
5. अतिरिक्त परियोजना निदेशक, आरयूआईडीपी, जयपुर (0141-2548404) से निविदादाता, निविदा प्रक्रिया संबंधित पूर्ण जानकारी ले सकते हैं।

NIB Code : UID2223A0018, UBN : UID2223WSOB00018
राज.संवाद/सी/9199/2022-23 **अतिरिक्त परियोजना निदेशक**

कार्यालय नगर पालिका निवाई
क्रमांक:- न.पा.नि. /निर्माण/2022-23/9685 दिनांक:13.10.2022

ई निविदा सूचना संख्या 18/2022-2023 के लिए नोट प्रकाशन करने बाबत

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट' प्रक्रिया हेतु ऑन-लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा फार्म एवं ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्तें वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा का कार्य	:	NIB Code DLB2223A5659 (कुल 4 कार्य)
Unique Bid Number	:	DLB222318346, DLB222318347, DLB222318348, DLB222318349
निविदा की कुल लागत	:	Rs 64.75 लाख (सभी कार्यों की अनुमानित लागत)
निविदा जारी करने की दिनांक	:	दिनांक 14.10.2022
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने को शुरुआती दिनांक व समय	:	दिनांक 14.10.2022 को 11:00 बजे से
ऑन लाइन निविदा जमा कराने की अंतिम दिनांक	:	दिनांक 19.10.2022 सायं 18:00 बजे
भौतिक रूप से कार्यालय में निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की दिनांक	:	दिनांक 20.10.2022 को अपराह्न 13:00 बजे तक नगर पालिका निवाई कार्यालय में
तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	दिनांक 20.10.2022 को अपराह्न 14:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be intimated latter to the Technically Qualified bidders
बिड की वैधता समयावधि	:	90 Days

अध्यक्ष राज.संवाद/सी/9195/2022-2023 अधिशाषी अधिकारी

विद्युत विभाग का कनिष्ठ अभियंता रिश्वत लेते गिरफ्तार

घरेलू कनेक्शन का डी.पी. लगवाने के नाम पर लिए 14 हजार रुपये

बूंदी एसीबी की गिरफ्त में आरोपी कनिष्ठ अभियंता नचिकेत पारेता।

बूंदी, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर बूंदी एसीबी द्वारा पुलिस उप अधीक्षक एसीबी ज्ञान चंद मीणा के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुये लाखेरी विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता नचिकेत पारेता को परिवादी से 14 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के पुलिस उप अधीक्षक ज्ञान चंद मीणा ने बताया कि परिवादी द्वारा एसीबी कार्यालय बूंदी में उपस्थित होकर शिकायत दी गई कि घरेलू कनेक्शन हेतु डी.पी.लगवाने की एवज में नचिकेत पारेता कनिष्ठ अभियंता जयपुर डिस्कॉम, लाखेरी, जिला बूंदी द्वारा 15 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी, कोटा के पुलिस अधीक्षक आलोक श्रीवास्तव के सुपरविजन में एसीबी की बूंदी इकाई ने शिकायत का सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने पर मंगलवार को पुलिस निरीक्षक ताराचंद एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्रवाई करते हुये नचिकेत पारेता पुत्र जगदीश निवासी बॉटम लेवल, कस्बा लाखेरी, जिला बूंदी हाल कनिष्ठ अभियंता जयपुर डिस्कॉम, लाखेरी, जिला बूंदी को परिवादी से 14 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन. के निर्देशन में आरोपी के निवास, अन्य ठिकानों की तलाशी एवं पूछताछ जारी है।

- आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी

हैड कान्स्टेबल 5 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। एसीबी श्रीगंगानगर की टीम ने हनुमानगढ़ में पीलीबंगा पुलिस थाने के हैड कॉन्स्टेबल सुरेश कुमार शर्मा को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस थाने में दर्ज मामले में मदद करने के लिए परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। इसमें से 5 हजार रुपए की रिश्वत हैड कॉन्स्टेबल ने पहले ही ले ली थी। यह कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर श्रीगंगानगर प्रथम इकाई की ओर से की गई।

पकड़ा गया हैड कॉन्स्टेबल पिछले कुछ समय से शिकायतों के चलते एसीबी के निशाने पर था। एसीबी की श्रीगंगानगर प्रथम इकाई को परिवादी की ओर से शिकायत दी गई कि उसकी ओर से धोखाधड़ी से गाड़ी हड़पने के आरोप में दर्ज करवाए गए मुकदमे में मदद करने के एवज में आरोपी सुरेश कुमार शर्मा ने 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। इस पर एसीबी बीकानेर के एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई के सुपरविजन में एसीबी की श्रीगंगानगर प्रथम इकाई के पुलिस उप अधीक्षक भूपेन्द्र सोनी के निर्देश में शिकायत का सत्यापन किया गया। सत्यापन में रिश्वत राशि की मांग करने की पुष्टि हुई। आरोपी हैड कॉन्स्टेबल की ओर से शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 5 हजार रुपए की रिश्वत राशि के रूप में वसूल कर लिए गए।

मंगलवार को एसीबी टीम ने पीलीबंगा पुलिस थाना में ट्रेप कार्रवाई करते हुए हैड कांन्स्टेबल सुरेश कुमार पुत्र रामचंद्र शर्मा निवासी देवजी का थाना, तहसील हिंडोली, जिला बूंदी को परिवादी से 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जिसके बाद टीम ने एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देश पर आरोपी के निवास और अन्य ठिकानों की तलाशी ली। आरोपी हैड कांन्स्टेबल को बुधवार को एसीबी कोर्ट श्रीगंगानगर में पेश किया जाएगा।

- एसीबी श्रीगंगानगर की टीम ने दबोचा, मुकदमे में मदद करने के लिए मांगी थी रिश्वत

ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर चूरू रेलखण्ड पर कस्बे के साँखू फाटक के आसपास एक व्यक्ति की ट्रेन के निचे आकर कटने से मृत्यू हो गई। थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि राकेश कुमार पुत्र इन्द्रराम निवासी वार्ड 1 राजगढ (चूरू) ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि उसका भाई प्रीतम पुत्र इन्द्रराम 17 अक्टूबर 2022 को सुबह 11 बजे घर से चूरू जाने के लिए कहकर निकला था। मगर आज सुबह 6 बजे उन्हे सूचना मिली कि आपके भाई की ट्रेन से कटकर मृत्यू हो गई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, परियोजना वृत्त (शहर), जयपुर
क्रमांक-SEPC/NIB/2022-23/1568-1574 दिनांक- 14.10.2022
Email: sepcjpr@gmail.com Phone No. 0141-2711894

"निविदा आमंत्रण सूचना"

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नांकित कार्य हेतु विक्रेताओं से मुहरबन्द निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (रु)	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन जमा की अंतिम तिथि	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	कार्य पूर्णता अवधि
1	02/22-23	Water Supply Project for providing Bisalpur Water from Mahal Yojana Pumping Station to Bombay Hospital, Jagatpura, Jaipur	129.67 लाख	8.11.2022 शाम 6.00 बजे तक	09.11.2022 शाम 03.00 बजे	6 माह

विस्तृत निविदा प्रपत्र http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।
(शुभाँशु दीक्षित)
अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग,
परियोजना वृत शहर, जयपुर
DIPR/C/13400/2022

कृषि विपणन बोर्ड के दो इंजीनियर 30 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

परिवादी के 24.50 लाख रु. का बिल पास करने की एवज में मांगा था 5.50 प्रतिशत कमीशन

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को राजस्थान कृषि विपणन बोर्ड के अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एसीबी को दोनों भ्रष्ट अफसरों के घर और फ्लैट में 5-5 लाख रुपए मिले है, जिसकी जांच की जा रही हैं।

एसीबी महानिदेशक बी.एल. सोनी ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी फर्म द्वारा कृषि विपणन बोर्ड में करवाए गए निर्माण कार्यों के पूर्व में पास एवं बकाया राशि 24.50 लाख रुपए के बिल पास करने की एवज में अधिशाषी अभियंता सुरेन्द्र सिंह और सहायक अभियंता गुलाब सिंह 5.50 प्रतिशत कमीशन मांग रहे है। दोनों अफसरों ने साफ कहा है कि 1.34 लाख रुपये रिश्वत दोगे, तभी बिल पास होंगे।

आरोपी सुरेन्द्र चौधरी

आरोपी गुलाब सिंह

- एसीबी को दोनों आरोपियों के घर और फ्लैट से 5-5 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई, चल-अचल संपत्तियों की छानबीन करने में जुटे अफसर

इस पर एसीबी के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ विष्णुकांत के सुपरविजन में एसीबी की जयपुर नगर द्वितीय इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजपाल गोदारा के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। उप अधीक्षक अभिषेक पारीक और उनकी टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए अलवर हाल अधिशासी अभियंता खंड ट्रिब्यूनल मार्केट राजस्थान कृषि विपणन बोर्ड के सुरेन्द्र चौधरी और कावेरी पथ मानसरोवर हाल सहायक अभियंता कृषि विपणन बोर्ड के गुलाब सिंह को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी ने आरोपी सुरेन्द्र चौधरी अधिशाषी अभियंता के जयपुर स्थित फ्लैट की तलाशी ली तो वहां से 5 लाख रुपए की संदिग्ध राशि बरामद हुई। इसी प्रकार आरोपी गुलाब सिंह सहायक अभियंता के घर से एसीबी की टीम को 5 लाख 30 हजार रुपए की संदिग्ध नगदी और लाखों रुपए की चल अचल संपत्ति बरामद हुई है। एसीबी फिलहाल दोनों आरोपियों के बैंक खातों और अन्य संपत्तियों की जानकारी खंगाल रही है।

एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि परिवादी को आरोपी गुलाब सिंह ने रिश्वत के 30 हजार रुपए लेकर सोमवार को मानसरोवर स्थित कावेरी पथ घर पर बुलाया। आरोपी ने कहा कि ऑफिस जाने से पहले घर पर आ जाना। परिवादी ने आरोपी के घर पहुंचकर रिश्वत की राशि दी, तभी एसीबी ने उसको पकड़ लिया।

डीओपीटी बैठक में डीजीपी तय होने की संभावना

जयपुर (कासं)। अगले माह रिटायर हो रहे पुलिस महानिदेशक एम.एल.लाठर के स्थान पर प्रदेश का नया डीजीपी कौन होगा, इसे लेकर अब काउंटडाउन शुरू हो चुका है। नए डीजीपी के संभावित नामों पर चर्चा के करने के लिए बुधवार को दिल्ली में भी डीओपीटी की बैठक होने जा रही है, जिसमें नए डीजीपी के नामों पर फैसला होने की संभावना है। सूत्रों की मानें तो बैठक में भाग लेने के लिए राज्य की मुख्य सचिव उषा शर्मा भी बुधवार को दिल्ली पहुंचेंगी, जहां डीओपीटी के अधिकारियों के साथ चर्चा होगी। नए पुलिस महानिदेशक की दौड़ में तीन प्रमुख वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के नाम चर्चाओं में है। सूत्रों के मुताबिक राजस्थान में डीजीपी के लिए आईपीएस भूपेंद्र दक, उमेश मिश्रा और यू.आर.साहू के नाम चर्चा में हैं। यू.आर.साहू जहां 88 बैच के आईपीएस अफसर है तो भूपेंद्र दक और उमेश मिश्रा 89 बैच के आईपीएस अफसर है। यू.आर.साहू वर्तमान में पुलिस महानिदेशक होमगार्ड हैं, भूपेंद्र दक पुलिस महानिदेशक जेल और उमेश मिश्रा पुलिस महानिदेशक इंटेलिजेंस के पद पर कार्यरत है।

फसल खरीद के बिना न्यूनतम समर्थन मूल्य की सार्थकता नहीं

जयपुर । दाने दाने की खरीद के बिना न्यूनतम समर्थन मूल्य की सार्थकता नहीं है भारत सरकार की आयात-निर्यात नीति किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से वंचित करने के लिए उत्तरदाई है, यथा गत वर्ष गेहूं के निर्यात 9 गुणा तक बढ़ने से मूल्यों में बढ़ोतरी हुई तो किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हुआ किंतु उस निर्यात नीति में किसानों के विरोध में परिवर्तन के कारण गेहूं के भाव नीचे आए और खरीद हुई नहीं दलहन और तिलहन के संबंध में वर्ष 2020-21 में खाद्य तेलों का 135.4 लाख टन का आयात किया गया जिसका मूल्य 82.1 हजार करोड़ रुपए था।

किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने बताया कि इसी वर्ष में दलहन का 25 लाख टन का आयात किया गया जिसका मूल्य 12.2 हजार करोड़ था खरीद नीति में भेदभाव के कारण भी किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से वंचित किया जाता हैं किसानों के कल्याण के नाम पर प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान 2018 में चालू किया गया जिसमें किसानों की आय के संरक्षण का उल्लेख किया गया किंतु जिन उपजो के आयात पर भारी खर्च किया जाता हैं, उन्ही दलहन एवं तिलहन की 25 प्रतिशत तक की खरीद का प्रतिबंध का अर्थ 75 प्रतिशत उत्पादो को न्यूनतम समर्थन मूल्य की परिधि से बाहर धकेलना है 31 अगस्त को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में अरहर, मसूर एवं उडद में 25 प्रतिशत के प्रतिबंध में ढील देकर 40 फीसदी तक खरीद का संशोधन किया गया, किंतु मूंग और चना को छोड़ दिया। जबकि चना उत्पादन में भी राजस्थान देश में मध्य प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है दोनों उपजो का किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी प्राप्त नहीं हुआ और गत वर्ष भी ये उपजे घाटे में बेचनी पडी यह भेदभाव पूर्ण खरीद नीति भी अन्यायकारी है न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणाओं को पूर्ण करने के लिए सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए और इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी का कानून सर्वोतम मार्ग है जब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गठित समिति की रिपोर्ट नहीं आवे एवं सरकार द्वारा सकारात्मक कार्यवाही नहीं की जाये तब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दामों में क्रय-विक्रय को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही आवश्यक है।

सरगना समेत तीन शातिर वाहन चोर जयपुर पुलिस के हत्थे चढ़े

आरोपियों ने नशे का शौक पूरा करने के लिए शहर में एक दर्जन से ज्यादा वारदातों को अंजाम दिया

झोटवाड़ा पुलिस ने चोरी की सात बाइक बरामद कर तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर, (कासं)। राजधानी जयपुर की झोटवाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए सरगना सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 7 बाइक बरामद की है। पूछताछ में एक दर्जन वारदातों का खुलासा हुआ है।

डीसीपी वेस्ट वंदिता राणा ने बताया कि 10 अक्टूबर को फिरोज खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बाइक 7 अक्टूबर को सुबह करीब 11 बजे इलाके में मोनिका हॉस्पीटल के बाहर से चोरी हो गई। इस कार्रवाई करते हुए वाहन चोरों को पकड़ने के लिए एडिशन डीसीपी रामसिंह शेखावत के निर्देशन में व एसीपी प्रमोद स्वामी और थानाधिकारी घनश्याम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर कई बदमाशों से पूछताछ की। इस बीच पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी सोहेल उर्फ शूटर निवासी सिका मौहल्ला मुकन्दगढ़ झुंझुनूं हाल किराएदार शिवाजी नगर झोटवाड़ा, नदीम खान निवासी श्रीरामपुरी निवारू रोड जयपुर तथा अनुज कुमार खांडल निवासी मानसरोवर कॉलोनी कालवाड़ रोड जयपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस दौरान चोरी की वारदात कबूल करने पर तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सोहेल पूर्व में जयपुर शहर में आधा दर्जन मामलों में चालानशुदा है। तीनों आरोपी नशा करने के आधी है। यह लोग नशे का शौक पूरा करने के लिए मोटरसाइकिल चोरी कर उनके पार्ट बेच देते थे। पूछताछ में सामने आया कि आरापियों ने जयपुर शहर के झोटवाड़ा, करधनी, करणी विहार व अन्य स्थानों पर बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

चाबी बनाने के बहाने बदमाशों ने लॉकर से जेवर और नकदी चुराई

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा इलाके में ताला-चाबी ठीक करने वाले दो बदमाशों ने नजर बचाकर लॉकर से रखे गहने-कैश चोरी कर लिए। पीड़ित सोमवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

अब पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद बदमाश की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि मुरलीपुरा स्कीम निवासी बृज किशोर पाठक (62) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शाम करीब पौने छह बजे कॉलोनी में दो सिकलीगर घूम रहे थे। ताला-चाबी ठीक करवा लो...की आवाज सुनकर उन्हें रोक लिया। अलमारी के लॉक की डुप्लीकेट चाबी बनाने के 80 रुपए मांगे। दोनों को बेटी के साथ ऊपर रुम में रखी अलमारी की चाबी बनवाने भेज दिया। डुप्लीकेट चाबी बनाते समय बेटी को पानी पिलाने और एक बार चाबी को गैस पर गर्म करके लाने भेजा। इस दौरान मौका पाकर दोनों सिकलीगर से अलमारी खोलकर लॉकर में रखे सोने-चांदी के गहने और 10 हजार रुपए पार कर लिए।

बदमाशों ने अलमारी के लॉक में एक चाबी तेल में डूबो के लटका दी। जाते हुए बोले कि 20-25 मिनट के बाद अलमारी खोलना। तब तक अच्छी तरह से लॉक के अंदर तक तेल चला जाएगा। नीचे रुम में रखी अलमारी का हैंडल लगाने को कहा तो बदमाशों ने कहा कि 120 रुपए में डलेगा, लेकिन कल सुबह आकर डालूंगा। अगले दिन वापस नहीं आने पर अलमारी वाले को बुलाकर नया लॉक लगवाया। लॉकर की चेक करने पर सिकलीगर की चोरी की करतूत का पता चला।

सहकारी संस्थाओं के संचालक मंडल के सदस्यों की सीटिंग फीस में वृद्धि

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के संचालक मण्डल के सदस्यों को संस्थाओं की संचालक मण्डल की बैठकों में भाग लेने के लिए सीटिंग फीस में दोगुनी वृद्धि की है। इन दरों को 11 वर्षों बाद संशोधित किया गया है। इस संबंध में रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा परिपत्र जारी किया गया है।

परिपत्र के अनुसार शीर्ष बैंक, राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक (एसएलडीबी), राजफैड़, कानफैड़, आरसीडीएफ एवं सहकारी प्रसंस्करण मिलों के संचालक मण्डल की बैठकों में भाग लेने के लिए संचालक मण्डल के सदस्यों की सीटिंग फीस को 750 रूपये से बढ़ाकर 1500 रूपये किया गया है। जबकि अन्य शीर्ष सहकारी संस्थायें एवं केन्द्रीय सहकारी बैंकों की संचालक मण्डल बैठकों की सीटिंग फीस को 550 रूपये से बढाकर 1100 रूपये किया गया है।

प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक, हॉलसेल भण्डार नागरिक सहकारी बैंक की संचालक मण्डल की बैठक में भाग लेने पर संचालक मण्डल के सदस्यों की सीटिंग फीस को 450 रूपये से बढ़ाकर 900 रूपये किया गया है। क्रय-विक्रय सहकारी समितियों की सीटिंग फीस को 250 रूपये से बढ़ाकर 500 रूपये तथा ग्राम सेवा सहकारी समितियों की सीटिंग फीस को 150 रूपये से बढ़ाकर 300 रूपये किया गया है। यह सीटिंग फीस सहकारी संस्था के संचालक मण्डल की बैठक में संचालक मण्डल के सदस्यों के शामिल होने पर देय होगी।

नशे की ओवरडोज से युवक मरा

जयपुर (कासं)। भट्टा बस्ती इलाके में खाली भूखण्ड में उगी झाड़ियों में मंगलवार दोपहर एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने सिटी एफएसएल की टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को कावंटिया हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है। पुलिस प्रथमदृष्टया शराब व ड्रग्स के अत्यधिक डोज लेने से मौत होना मान रही है।

पुलिस ने बताया कि मृतक मोहम्मद सरफाज उर्फ मुन्ना (40) पुत्र मोहम्मद खलील मूलत: गया बिहार का रहने वाला है। वह भौमिया बस्ती भट्टाबस्ती में किराए से रहकर मजदूरी करता था। मुन्ना शराब के साथ ही नशा करने का आदी था। दोपहर करीब 2 बजे स्वर्ण गार्डन के पास किशन बाग में पड़े खाली भूखण्ड पर उगी झाड़ियों में उसका शव पड़ा मिला। रोड से करीब 100 मीटर अंदर झाड़ियों में लाश पड़ी होने का पता चलने पर सनसनी फैल गई। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया हॉस्पिटल भिजवाया गया। पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि शराब पीने के कारण मृतक मुन्ना की पत्नी और 7 बच्चे अलग रहते थे। 2-3 दिन पहले मुन्ना ने पत्नी को कॉल कर साथ रहने की कहा था। शराब पीने के कारण पत्नी ने साथ रहने से मना कर दिया। पुलिस को लाश के पास से खाली इंजेक्शन मिला है।

सार-समाचार

असिन खान लंगा होंगे सम्मानित

जयपुर । विश्व विख्यात आगा खान संगीत अवार्ड से राजस्थान के लोक कलाकार असिन खान को दिया जाएगा। इसके अलावा इस पुरस्कार के लिए माली, यूके, तंजानिया, इरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान आदि देशों के कलाकार शामिल हैं। असिन खान के अलावा भारत से जाकिर हुसैन को भी नामित किया गया है। आगा खान सम्मान दुनिया भर में संगीत के क्षेत्र में असाधारण काम करने कलाकारों को दिया जाता है। साल 2022 के सम्मान के असिन खान का चयन किया गया है। असिन खान लंगा राजस्थान के बाड़मेर जिले के बरनवा जागीर गाँव के रहने वाले हैं और वंशानुगत लंगा संगीत समुदाय से हैं। जो सिंधी सारंगी वादन कलाकार के रूप में देश-विदेश में ख्याति अर्जित कर चुके हैं। असिन खान लंगा अपनी पारंपरिक संस्कृति को बढ़ ावा देने के उद्देश्य से युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करते हैं और स्थानीय संस्कृति को जिंदा किए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि पर्यटन विभाग द्वारा यूनेस्को के साथ मिलकर बड़नावा जागीर के साथ लंगा मागनियार समुदाय के अन्य गांवों में प्रचलित संगीत की परंपरा के समर्थन हेतु परियोजना चलाई जा रही है। असिन खान लंगा परंपरागत लंगा संगीत के संरक्षक एवं आगामी पीढ़ी को परीक्षित करने के कार्य में पर्यटन विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

मैरिज गार्डन से नकदी भरा बैग चोरी

जयपुर (कासं)। सांगानेर इलाके में शातिर चोर एक गार्डन से एक लाख रुपयों से भरा बैग चुरा ले गया। पुलिस अब सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में जुट गई हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में सांगानेर निवासी ओमप्रकाश चन्द्रोदय ने थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि सांगानेर स्थित शहनाई गार्डन में 15 अक्टूबर को उनके बेटे का आर्शीवाद समारोह चल रहा था। शाम सात बजे ओमप्रकाश ने अपने हाथ में रुपयों से भरा काला बैग पकड रखा था। काले बैग में एक लाख रुपए रखे हुए थे। शहनाई गार्डन के बैंकवेंट हॉल मे कार्यक्रम चल रहा था। हाथ में रखा बैग अन्य सामान स्टेज पर रख दिया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिवार के रिश्तेदार भी बैठे थे। कुछ समय पश्चात एक व्यक्ति बैंकवेंट हाल में आया और एक लाख रुपयों से भरे बैग को एक तौलिए से ढक कर चुराकर ले गया।

कमल शर्मा बने समिति सदस्य

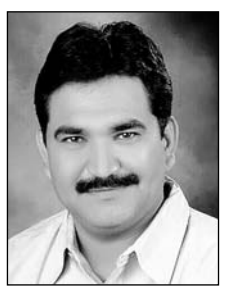

जयपुर, (का.सं.)। उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं को पुरस्कृत करने हेतु राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ता संरक्षण युवा पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र योजना चलाई जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत पुरस्कृत किये जाने वाले व्यक्तियों का चयन एक समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाला एक प्रख्यात व्यक्ति सम्मिलित है। इसके लिए उपभोक्ता संरक्षण युवा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र योजना के लिए गठित समिति में जयपुर के कमल शर्मा को दो वर्ष अथवा अग्रिम आदेश तक जो भी पहले हो तक की अवधि के लिए सदस्य मनोनीत किया जाता है।

यमन से लौटे दो यात्री गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर एयरपोर्ट पर सोमवार को इमीग्रेशन अधिकारी की रिपोर्ट पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने यमन से भारत लौटे दो भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही दोनों के पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज भी जब्त कर लिए गए हैं। गिरफ्तार किए गए भारतीयों में से एक राजस्थान का और दूसरा मध्यप्रदेश का रहने वाला है। इसके अलावा पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ इमिग्रेशन अधिकारी ने एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज कराया है। एयरपोर्ट थानाधिकारी हेमेन्द्र शर्मा ने बताया कि यमन जाने वाले और वहां से आने वाले भारतीयों के खिलाफ सरकार ने साल 2017 में गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया था। जिसमें यमन जाना और वहां से आना आगामी आदेशों तक बैन कर दिया गया था। दो यात्री जो पकड़े गए हैं, वह कुछ समय से यमन में थे। यहां से वह पहले यूएई पहुंचे और वहां से हवाई जहाज के जरिए जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे। उनमें से एक चूरू जिले का रहने वाला छगनलाल है और दूसरा एमपी के सतना जिले में रहने वाला रामभूषण गिरी है। दोनों यमन कब गए थे और वहां क्या करते थे। वहीं दोनों के दस्तावेज जांच के लिए सीज किए गए हैं और इसके साथ ही दोनों के यमन से जयपुर आने के कारणों को भी खंगाला जा रहा है।

उमंग ने मनाई "खुशियों की दिवाली"

जयपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य पर एक उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव का थीम उमंग- खुशियों की दिवाली" रखा गया, जिसमें अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए व स्टाल लगाए गए। इस उत्सव की मुख्य अतिथि डॉ. दिपाली भारद्वाज (एम. बी. बी एस, स्किन स्पेशलिस्ट, एमस) रहीं। कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रो. साधना शर्मा, एन. एस. एस विभाग के कार्यक्रम अधिकारी- अनीता कुमारी, संयोजक-डॉ. राजकुमार फलवरिया और सभी छात्रों द्वारा उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। छात्रों द्वारा भिन्न-भिन्न की प्रकार की प्रतियोगिताएं करवाई गई। दिया सजावट व मटका सजावट, रंगोली प्रतियोगिता, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता आदि शामिल रहे।

बिना टिकट यात्रा पर दोगुना जुर्माना

जयपुर (कासं)। जयपुर की लो फ्लोर बसों में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर जुर्माना दोगुना लगाया जाएगा। पहले बिना टिकट यात्रा करने या कम राशि का टिकट लेकर अधिक दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों से 100 की पेनल्टी वसूली जाती थी। जिसे अब बढ़ाकर 200 कर दिया गया है। यह निर्णय जेसीटीएसएल कंपनी संचालक मंडल की 64वीं बैठक में हुआ है। विशेषाधिकारी आरएएस राजकुमार कस्वां ने बताया कि यह आदेश 1 नवंबर से प्रभावी होंगे।

हथियारों के साथ तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने प्रताप नगर में तीन बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। इन बदमाशों के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस सहित वारदात के दौरान उपयोग किए जाने वाली कार को भी पुलिस ने जब्त किया है।

गिरफ्तार किए गए सभी बदमाश अलग-अलग जिलों में जाकर लूट, डकैती की वारदात को अंजाम दिया करते हैं, जिनके खिलाफ राजस्थान में कई आपराधिक मामले दर्ज है। इसके अलावा साथ ही लूट के मामलों में दौसा एवं सीकर में वांछित चल रहे है। आरोपित कभी गाड़ी को किराये पर लेकर चालक से लूट कर ले जाते थे। गाड़ी को औने पौने दामों में बेचकर निकल जाते हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) परिस देशमुख ने बताया कि सीएसटी और प्रताप नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गाडी को हायर कर के चालक से लूटपाट करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के शातिर बदमाश मनोज उर्फ आर.डी (21) निवासी गांव गुढा पोल हिण्डौन सिटी जिला करौली हाल प्रताप नगर जयपुर, अभिलाष मीणा (22) निवासी बयाना जिला भरतपुर हाल प्रताप नगर और गौतम सिंह (23) निवासी निवासी गांव मोहनपुर पोस्ट रघुवंशी कुडगांव जिला करौली को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपित मनोज चौधरी उर्फ आरडी के पास से एक देशी कट्टा, एक जिन्दा कारतूस सहित वारदात में प्रयुक्त बिना नम्बरी दुपहिया वाहन बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपित मनोज चौधरी उर्फ आरडी 11 वीं कक्षा तक पढा-लिखा है और जयपुर में प्राइवेट नौकरी करता है।

- आरोपियों के कब्जे से देशी कट्टा, कारतूस और कार बरामद
- प्रदेश के कई जिलों में जाकर लूट और डकैती की वारदात करते हैं बदमाश

जिसके खिलाफ पांच आपराधिक प्रकरण दर्ज है। आरोपित ने अपने दोस्त अभिलाष मीणा व गौतम सिंह के मिलकर महुआ जिला दौसा में हथियार के बल पर रुपये व मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम दिया था । इसके अलावा सीकर जिले के पुलिस थाना खाटूश्यामजी में स्विफ्ट डिजायर गाडी चुराकर जयपुर शहर में रहकर फरारी काट रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों से अवैध हथियार व अन्य वारदातें के खुलासे की संभावना है।

अफसरों ने कलेक्टर को परकोटे में सिर्फ वही जगह दिखाई, जहां पर कचरे के ढेर नहीं थे

दीपावली से पहले शहर की सफाई-रोशनी व्यवस्था जांचने पहुंचे थे प्रकाश राजपुरोहित

जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने मंगलवार को परकोटा क्षेत्र में सफाई-रोशनी की व्यवस्था देखी। इस दौरान अफसरों ने छोटी चौपड़ की गलियों में लगा गंदगी का ढेर कलेक्टर को नहीं दिखाया। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के परकोटे समेत तमाम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बेहद खस्ताहाल है, लेकिन हालात सुधारने के बजाय अफसर इन्हें ढकते नजर आते है। मंगलवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित परकोटा क्षेत्र में सफाई और रोशनी व्यवस्था जांचने पहुंचे। अफसरों ने कलेक्टर को सिर्फ वहीं गलियां दिखाई, जहां साफ-सफाई थी। जिन गलियों में गंदगी के लंबे-चौड़े ढेर लगे थे, वहां कोई पहुंचा तक नहीं।

दरअसल कलेक्टर दीपावली पर्व से पहले शहर में सफाई और रोशनी व्यवस्था का जायजा लेने के लिए परकोटे में पहुंचे थे। उन्होंने चांदपोल, नाहरगढ़, किशनपोल, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, गोविन्द देवजी मंदिर, हवामहल, बडी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड़ और घोड़ा निकास क्षेत्रों में जाकर व्यवस्थाएं देखी। लेकिन छोटी चौपड़ से नीचे उतरते हुए दूसरी गली में कचरे का ढेर लगा था, वहां न तो कलेक्टर पहुंचे और न ही अफसरों ने कुछ बताया। कलक्टर जब गणगौरी बाजार पहुंचे तो व्यापारियों ने कचरे का ढेर नहीं उठने को लेकर नगर निगम प्रशासन की शिकायत भी की, इस पर अफसर बगलें झांकते नजर आए।

- व्यापारियों ने नगर निगम के अफसरों के सामने बदहाल सफाई की शिकायत की, अफसर मुंह ताकते नजर आए

इससे पहले कलेक्टर ने स्थानीय व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं भी सुनी। जयपुर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने शिकायत दी कि बाजारों के बरामदों में अतिक्रमण की समस्या है, जिसकी वजह से बाजारों में आने वाले ग्राहकों के लिये पार्किंग की समस्या होती है। इस पर कलक्टर ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी।

सुभाष गोयल ने बताया कि बारिश के समय बरामदों में करंट आने की समस्या भी आती है, इस पर कलक्टर ने संबंधित अधिशाषी अभियंता को हालात सुधारने को कहा।

कलक्टर ने हवामहल बाजार में मुख्य सड़क के गड्ढों को ठीक करवाने को कहा। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) मोहम्मद अबूब्रक, उपायुक्त नगर निगम हेरिटेज आशीष कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

ARBiT it happens here...

Global Dignity Day

Global Dignity Day is an initiative to educate and inspire young people and help them to understand their self-worth and goals. On Global Dignity Day, speakers go into schools and tell pupils about their own lives and experiences with dignity and all that that entails: self-respect, ambition, hard work, a feeling of accomplishment. Speakers can be of any nationality and any profession, from plumbers to CEO's to soldiers to factory workers. It is less about the profession and more about the attitude of the speaker towards his or her own life.

#MICROORGANISMS

Microbes Taking Over Your Teeth

The assemblages are stickier, more resistant to antimicrobials, and more difficult to remove from teeth.

A cross-kingdom partnership between bacteria and fungi can result in the two joining to form a "super-organism" with unusual strength and resilience that can effectively colonize teeth, according to new research.

It may sound like the stuff of science fiction, but these microbial groupings, found in the saliva of toddlers with severe childhood tooth decay, are very much part of the here and now.

The assemblages are stickier, more resistant to antimicrobials, and more difficult to remove from teeth than either the bacteria or the fungi alone, the researchers report.

What's more, the assemblages unexpectedly sprout "limbs" that propel them to "walk" and "leap" to quickly spread on the tooth surface, despite each microbe on its own being non-motile, the team reports in the Proceedings of the National Academy of Sciences.

"This started with a very simple, almost accidental discovery, while looking at saliva samples from toddlers who develop aggressive tooth decay," says corresponding author Hyun (Michel) Koo, a professor in the orthodontics department at the University of Pennsylvania.

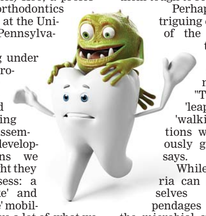

"Looking under the microscope, we noticed the bacteria and fungi forming these assemblages and developing motions we never thought they would possess: a 'walking-like' and 'leaping-like' mobility. They have a lot of what we call 'emergent functions' that bring new benefits to this assemblage that they could not achieve on their own. It's almost like a new organism-a superorganism-with new functions."

Assemblages

In the past, Koo's lab has focused on the dental biofilm, or plaque, present in children with severe tooth decay, discovering that both bacteria-Streptococcus mutans-and fungi-Candida albicans-contribute to the disease. Caries, commonly known as cavities, arise when sugars in the diet linger to feed bacteria and fungi in the mouth, leading to acid-producing dental plaque that destroys enamel.

The new set of discoveries came about when first author Zhi Ren, a postdoctoral fellow in Koo's group, was using microscopy that allows scientists to visualize the behaviour of living microbes in real time.

After seeing the bacterial-fungal clusters present in the saliva samples, Ren, Koo, and colleagues were curious how the groupings might behave once attached to the surface of a tooth. They began a series of experiments using real-time live microscopy to observe the process of attachment and eventual growth.

They created a laboratory system to recreate the formation of these assemblages, using the bacteria, fungi, and a tooth-like material, all incubated in human saliva. The platform enabled the researchers to watch the groupings come together and to analyse the structure of the resulting assemblages. They found a highly organized structure with bacterial clusters attached in a complex network of fungal yeast and filament-like projections called hyphae, all enmeshed in an extracellular polymer, a glue-like material.

Next the team tested the properties of these cross-kingdom assemblages once they had colonized the tooth surface and found "surprising behaviours and emergent properties," says Ren, "including enhanced surface adhesion, making them very sticky, and increased mechanical and antimicrobial tolerance, making them tough to remove or kill."

Perhaps the most intriguing characteristic of the assemblages, the researchers say, was their mobility. "They displayed 'leaping-like' and 'walking-like' motions while continuously growing," Ren says.

While some bacteria can propel themselves using appendages like flagella, the microbial species in the current study are both non-motile. And differing from any known microbial motility, the assemblages used the fungal hyphae to anchor on the surface and then propel the whole superorganism forward, transporting the attached bacteria across the surface, Koo says, "like bacteria hitchhiking on the fungi."

The microbial groupings moved fast and far, the researchers found. On the tooth-like surface, the team measured velocities of more than 40 microns per hour, similar to the speed of fibroblasts, a type of cell in the human body involved in wound healing.

Within the first hours of growth, the scientists observed the assemblages "leaping" more than 100 microns across the surface. "That is more than 200 times their own body length," says Ren, "making them even better than most vertebrates, relative to body size.

Although the exact mechanisms are unknown, the assemblages' ability to "move as they grow," the researchers say, has one clear consequence: It enables them to quickly colonize and spread to new surfaces. When the research team allowed the assemblages to attach to and grow on real human teeth in a laboratory model, they found more extensive tooth decay as a result of a rapidly spreading biofilm.

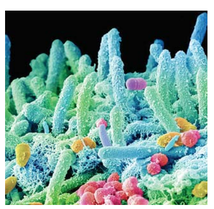

#CONGRESS PRESIDENT ELECTION

Hum Sub Ek Hain

...Mostly by chioce, but if required by 'force' too!

Rajender Oza
writetoarbit@rashtradoot.com

Mallikarjun Kharge and Shashi Tharoor are up against each other for Congress presidential contest, the battle is special as it marks the prospect, although only technically, of a non-Gandhi party chief since 1988.

With the support of Gandhi – Vadra led Congress establishment over Kharge's candidature, although the family's projected 'neutrality', the curiosity that remains is only whether Tharoor will lose as badly as some of the previous contestants or he will notch up decent votes.

The choreography of the selection / nomination of Kharge left none in doubt that the Gandhi – Vadra trio - that led Congress to its worst two Lok Sabha poll defeats, with the party regimes now limited to Rajasthan and Chhattisgarh- and their nominated colleagues / delegates are determined to maintain their hold on the party.

During the freedom struggle and soon after Independence, Congress has witnessed some high profile contest involving stalwarts. Compared to those epic battles, the later ones were propelled by ego and push for control.

Subhash Chandra Bose.

Indira Gandhi.

Sitaram Kesri

THE BIG CONTESTS

Subhash Chandra Bose and Pattabhi Sitaramayya

When Bose sought his second presidential term at the 1939 Tripura AICC session, the widening gap between Bose and Mahatma Gandhi, ideological and organizational outlook was evident. A group of senior leaders urged Bose not to contest but when Bose stuck in his heels, Maulana Azad withdrew and Sitaramayya was brought in. After Bose won, Gandhi declared Sitaramayya's defeat as his personal defeat, at this, leading CWC members including Sardar Patel resigned, which forced Bose to quit presidency and later Congress itself.

Nehru against Kripalani

Interestingly, Kripalani, whom Nehru had backed against Tandon, had a bitter fallout. He was the Congress chief with the then PM Nehru. The issue was the question of party-government relations. When Kripalani insisted on Congress 'organisational supremacy on the party led government, PM Nehru compliantly refused and would not even talk on the matter, citing independence of the executive and its accountability to Parliament. When Kripalani quit in protest, Patabhi Sitaramayya became Congress president in 1948. He had to defeat an attempt by Tandon to head the party.

> When Bose sought his second presidential term at the 1939 Tripura AICC session, the widening gap between Bose and Mahatma Gandhi, ideological and organizational outlook was evident. A group of senior leaders urged Bose not to contest but when Bose stuck in his heels, Maulana Azad withdrew and Sitaramayya was brought in.

Purushottam Das Tandon Again Against JP Kripalani

This 1950 contest was viewed as a Sardar Patel Vs Jawahar Lal Nehru battle as the latter vehemently opposed Tandon's candidature saying he represented the 'Right' and Hindu conservatism. With Patel standing firm with Tandon and Nehru with Kripalani, the contest led to Tandon's victory. But Nehru refused to back off and even threatened to quit CWC. Patel's untimely death within months changed equations, and this forced Tandon to quit, and PM Nehru become Congress president too.

Indira Gandhi Against Everybody Else

After Congress defeat in 1977, restlessness within the party was staring in the face, many leaders were raging against Gandhi. Pranab Mukherjee recorded how, at the AICC presidential polls in New Delhi in 1977, Indira Gandhi proposed Brahmananda Reddy as party chief and many of her rivals agreed. Although as a laboured unity. Reddy won, but after a token contest against Siddharth Shankar Ray, Karan Singh and Neki Ram. Subsequent developments resulted in Gandhi and her supporters launching 'Congress (I)', which after 1980 victory was recognized as the original Indian National Congress.

Sitaram Kesri VS Sharad Pawar VS Rajesh Pilot

When CWC- appointed Congress president Sitaram Kesri sought election to the post in 1997, not many favoured and didn't believed in their 'chacha'. Yet, circumstances forced many leaders to root for Kesri when Maratha strongman Pawar and voluble Pilot put out their own candidature. If the 'spectre' of skilful marathoner Pawar making a dash for leadership in 1991 prompted many and '10 Janpath' to back PV Narasimha Rao against him, the same group-ing manufactured similar unity for Kesri. With nominated delegates following the command, Kesri netted over 6000 votes against Pawar's 889 and Pilot's 354. Pawar salvaged his standing when he contested against the 'official panel' and won a CWC berth in the ensuing Kolkata AICC session. Kesri was unceremoniously sacked within months of his 'crowning glory'.

Sonia Gandhi Against Jitendra Prasada

The 2000 presidential flight was a caricature of a contest. Prasada, experiencing a meltdown in Gandhi-led leadership, was forced into the fray due to lack of honourable options. Gandhi bagged over 7400 votes against Prasada's 67, further cementing the Gandhi family's final grip on the party.

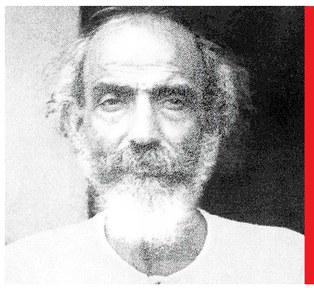

Purushottamdas Tandon.

Pattabhi Sitaramayya.

Acharya Kriplani.

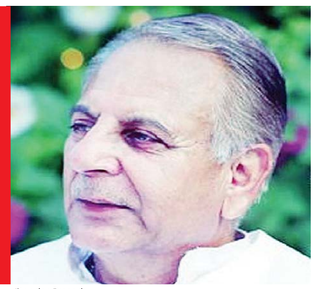

Jitender Prasad.

#LIFESTYLE

Try these easy and creative Diwali light decoration ideas for home and so that every corner shines brilliantly.

The Traditional Lanterns

You can pick up beautiful lanterns in all shapes, sizes and colours during the festive season. Pick out a nice lamp in metal or paper that will emit a kaleidoscopic effect on your walls. Your home will then be Diwali-ready!

A Sparkly Festive Home

Diwali is here, and the air is filled with the festive spirit! A massive show of lights, colours, and decorations accompanies Diwali. Given that this festival stands for the triumph of good over evil, Diwali decorations emphasise optimism with lots of lights and vibrant decorations.

People clean their homes, decorate them with lights, flowers, and Rangolis, and pray for prosperity and peace.

Decorate your home for Diwali with cheerful accents and traditional decor mixed with modern touch.

The markets are flooded with different kinds of Diwali decorations, and you will certainly be spoiled for choice when it comes to doing up your own space. But simply buying Diwali decoration lights will not be enough for home decor this festival. What you need are impressive Diwali lighting ideas to make you stand out and keep you safe. That's why we've put together the best ideas.

Colourful Candles

This Diwali, there are three different methods to use candles to create enchantment. For a stunning visual treat, use engraved candles, utilise colourful candles or use chic candle burners that have been stylishly carved.

Rope Lights

Battery-operated lights typically flood the market before the festive season. These lights come in all kinds of shapes, sizes and colours. One of the trending battery-operated lights is rope lights. They can provide a rustic or ethnic feel to your home, even going as far to give it a desi vibe.

The Floating Diyas and Candles

To nail that contemporary look, you could try floating your Diwali decoration lights like diyas and candles in a large bowl of water. Surround them with some rose petals and marigold flowers and fill the air with mild fragrance. You will love how fresh your home smells and feels with Diwali lighting ideas like this one!

Fairy Lights

Fairy lights are frequently used to embellish a house's facade. Bring them inside for an amazingly original Diwali decoration now. Your saviour is fairy lights, which can be placed in glass vases for a stunning illuminating effect or in puja rooms.

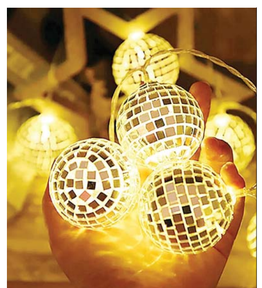

The Disco Lights

These lights are available as table lamps, ceiling bulbs and hanging lights as well. So, fixing these lights this Diwali is made rather convenient by the market. They are not as expensive and are readily available as well.

Glass Jar Lanterns

This is one of the creative home decorating ideas. An empty glass jar can be used as a lantern. You can draw your own designs on them to make them more inventive. Either a diya or modest artificial lights can be placed inside. You can use these lovely glass jar lanterns to spruce up your home's shelves or balcony.

The Strip LED Lights

LED strip lights are safe, and their appeal mostly relies on you and your creativity. But it helps to use them on the borders and to try and hide them away behind the edges of your furniture. Since these are also available in many colours and are bright, they are better than string lights that you may have planned on using.

THE WALL

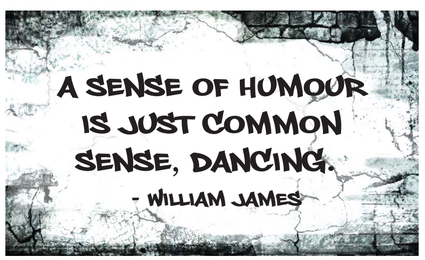

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

जमीन के लेन-देन मामले में एसीबीईओ सज्जन सिंह गिरफ्तार

गिरफ्तारी के समय सज्जन सिंह बार-बार पुलिसकर्मियों को झटका देकर खुद को छुड़वाता हुआ दिखाई दिया

सूरजगढ़, (निसं)। जमीन के सौदे में धोखाधड़ी के मामले में सूरजगढ में कार्यरत एसीबीईओ, यानि कि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सज्जन सिंह कुल्हार को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

इस मामले में सेही कलां निवासी विनोद सांगवान ने मामला दर्ज कराया था कि सज्जन सिंह कुल्हार ने अप्रेल माह में एसीबीईओ सूरजगढ सज्जन सिंह कुल्हार को 60 लाख रूपए में जमीन बेची थी। इसमें से आधे पैसे सज्जन सिंह ने कैश दे दिए थे। वहीं शेष 30 लाख रूपए के लिए 10-10 लाख रूपए के तीन चैक दिए थे। जिनको 31 जुलाई 2022 तक देना था। 30 लाख कैश होते ही विनोद सांगवान ने अपनी जमीन की रजिस्ट्री सज्जन सिंह कुल्हार के नाम करवा दी। सज्जन सिंह ने शेष 30 लाख रूपए में से नौ जुलाई को 10 लाख रूपए कैश लाकर विनोद सांगवान को दिए और एक 10 लाख रूपए का चैक विनोद सांगवान से ले गया।

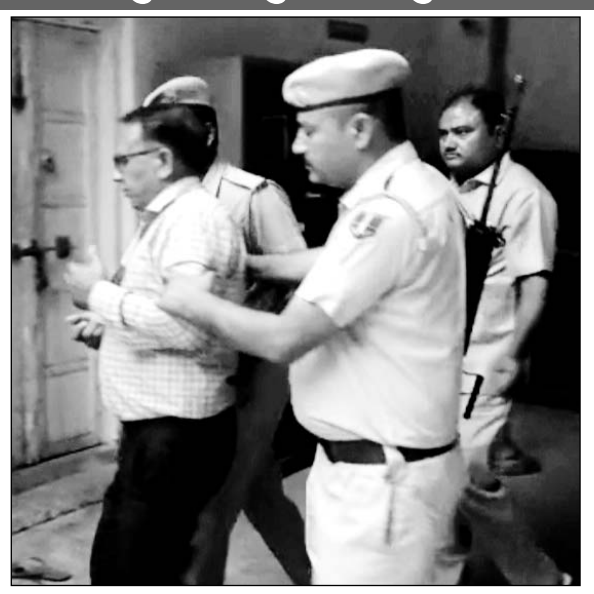

सूरजगढ़ एसीबीईओ को गिरफ्तार करती पुलिस।

शेष 20 लाख रूपए के लिए 15 जुलाई की तारीख दी लेकिन आरोपी सज्जन सिंह कुल्हार ने 31 जुलाई तक बाकि के पैसे नहीं दिए। जिस पर विनोद सांगवान ने 1 अगस्त 2022 को 10-10 लाख रूपए के दो चैक बैंक में क्लियरेंस के लिए लगा दिए। जिस पर बैंक ने बताया कि आरोपी सज्जन सिंह द्वारा इन दोनों चैकों का भुगतान रूकवा दिया गया है। जिसके बाद विनोद सांगवान ने लगातार सज्जन सिंह से शेष पैसों की उगाही की। तो सज्जन सिंह ने शेष पैसे देने से मना कर दिया।

पुलिस ने मामले की जांच के बाद मंगलवार को एसीबीईओ सज्जन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार कर सज्जन सिंह को जब हवालात में बंद कर रही थी तो पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सज्जन सिंह बार-बार पुलिसकर्मियों को झटका देकर खुद को छुड़वाता हुआ दिखाई दिया और हवालात में जाने से मना करने लगा। लेकिन पुलिसकर्मियों ने समझाइश कर एसीबीईओ को हवालात में बंद किया। जिसे बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

कार पलटने से एक की मौत, दो घायल

सुजानगढ़, (निसं)। गोपालपुरा रोड पर स्विफ्ट गाडी पलटने से एक युवक की मौत हो गई तथा दो जने घायल हो गए। हनुमानाराम पुत्र बिशनाराम तरड निवासी कांधलसर, बीदासर ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि मेरा भतीजा प्रेमचंद पुत्र भंवरलाल तरड उम्र 20 वर्ष निवासी कांधलसर विगत तीन माह से कृष्णा डिफेंस एकेडमी, सुजानगढ में रह कर सेना भर्ती की तैयारी कर रहा था।

मंगलवार सुबह सूचना मिली की गोपालपुरा रोड पर सडक दुर्घटना में मेरे भतीजे प्रेमचंद की मृत्यु हो गई। जिस पर मौके पर जाकर जानकारी करने पर पता चला कि रात करीब 1.30 बजे मेरा भतीजा प्रेमचंद व उसके दो दोस्त अंकित पुत्र अरविन्द कुमार नाई निवासी लाडनूं तथा नन्दू पुत्र श्रवणराम जाट निवासी सुजानगढ स्विफ्ट कार में सवार हो कर गोपालपुरा की ओर जा रहे थे।

कार को नन्दू चला रहा था, जिसने कार को गफलत एवं लापरवाही से चलाई, जिससे कार तीन-चार पलटी खा कर कार रूक गई। हादसे में प्रेमचंद की मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे के समय डूंगर बालाजी जा रहे जिनरासर के पैदल यात्री संघ बबलू सिंह राजपूत व सोनू राजपूत ने घायलों को गाडी से बाहर निकाला। सूचना पर टीम हारे का सहारा संयोजक श्यामसुंदर स्वर्णकार व एम्बुलेंस चालक नोरतन बिजारणियां मौके पर पहुंचे तथा शव को गाडी से निकालकर राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। लाडनूं निवासी गाडी चालक की सहायता से सुनील स्वामी, पंकज स्वामी ने घायलों को अस्पताल सुजानगढ पहुंचाया।

चाकू की नोक पर बैंक मैनेजर से लूट का प्रयास

उसी वक्त महिला सफाई कर्मचारी बैंक शाखा परिसर में पहुंचने से भागे बदमाश

पिलानी, (निसं)। गणेश कॉलोनी स्थित राजस्थान बडौदा ग्रामीण बैंक पिलानी शाखा के प्रबंधक भंवरलाल शर्मा को मंगलवार को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा बैंक परिसर में घुसकर चाकू की नोंक पर लूटने का प्रयास किया।

- सूचना पर पहुंची पिलानी पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को देखा

बैंक शाखा प्रबंधक भंवरलाल शर्मा ने आपबीती बताई कि मंगलवार सुबह 9:10 बजे के लगभग वे जब बैंक परिसर के मैन हॉल में घुसे। वैसे ही उनके पीछे पीछे एक अज्ञात व्यक्ति बैंक परिसर के हॉल में घुसकर उनके ऊपर चाकू तान लिया तथा उससे दो लाख रुपयों की मांग की। अचानक उसी वक्त बैंक की महिला सफाई कर्मचारी बैंक शाखा परिसर में पहुंच गई। उसने मैनेजर पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा चाकू ताने देखा तो चिल्लाने की कोशिश की। तभी मैनेजर ने महिला सफाई कर्मचारी को चिल्लाते हुए कहा कि इसके हाथ में चाकू है। अज्ञात व्यक्ति हमारे चिल्लाने पर भाग छूटा। उसके पीछे वे भी दौड़ा तो तेजी से दौड़ कर वह गलियों में घुस गया। मैंने उसी वक्त पिलानी पुलिस को सूचित किया। पिलानी पुलिस ने बैंक शाखा पहुंचकर मौका मुआयना किया तथा पास पड़ौस के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को देखा।

सीसीटीवी कैमरे में भागते हुए आरोपी की तस्वीर कैद हो गई।

पुलिस द्वारा मौका मुआयना कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। बैंक प्रबंधक भंवरलाल शर्मा ने बताया कि बैंक द्वारा हम लिखित शिकायत पुलिस को भिजवा रहे हैं।

183 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा जब्त, आरोपी फरार

- अवैध तस्करी के खिलाफ चारभुजा पुलिस की बड़ी कार्यवाही
- झीलवाडा के पास जंगलों में फरार हुआ आरोपी चालक

राजसमंद, (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले के चारभुजा थाना पुलिस ने बडी कार्यवाही करते हुए 183 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा सहित तस्करी में उपयोग की जाने वाली इको वेन को जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया।

चारभुजा थानाधिकारी भावनी शंकर ने बताया कि एसपी सुधीर चौधरी के निर्देशों एवं एएसपी शिवलाल बैरवा, कुंभलगढ डीएसपी नरेश कुमार के सुपरवीजन में झीलवाडा से देसूरी की नाल की ओर जाने वाले रास्ते पर नाकाबंदी की गई। इसी दौरान एक सफेद रंग की ईको वेन को वेन चालक तेज गति से नाकाबंदी की ओर लाता हुआ दिखाई दिया। सामने नाकाबंदी पर पुलिस जाप्ता देखक चालक वेन को वापस घुमाकर चारभुजा हिमाचल सुरी की ओर लेकर भागने लगा। इस पर मय जाप्ता पीछा किया गया तो वेन चालक वेन को सडक के किनारे खडी कर झीलवाडा की ओर जंगल में भाग गया।

इस पर पुलिस ने झीलवाडा मानावतों का गुडा के आस-पास जंगल व बिहड में आरोपी चालक को काफी तलाश किया। लेकिन जंगल की आड में आरोपी फरार होने में सफल हो गया। पुलिस ने इको वेन के अंदर कोई असंवैधानिक वस्तु होने की संभावना पर वेन की तलाशी मामूर कर मौतबिरान के समक्ष वेन की तलाशी की गई तो वेन के अंदर 11 प्लास्टिक के कट्टों के अंदर कुल 183 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा भरा हुआ पाया गया। वहीं इको वेन के अंदर 6 अतिरिक्त फर्जी नंबर की प्लेटे मिली। जिस पर अवैध डोडा चूरा नंबर प्लेट तथा इको वेन को जप्त किया गया। पूरी कार्रवाई के बाद चारभुजा थाने में मामला दर्ज किया गया। प्रकरण का अनुसंधान आमेट थाना उप निरीक्षक देवीसिंह को सुपुर्द में किया गया। कार्यवाही के दौरान थानाधिकारी भवानीशंकर सहित हेडकोंस्टेबल किशोरसिंह, हरिसिंह, कोंस्टेबल डाउराम, भगवानराम, महेन्द्रसिंह, छताराम, गिरीधारीराम, चालक कोंस्टेबल सुरेश कुमार शामिल थे।

किसान आंदोलन के सभी मुकदमे वापस लेने की मांग

चूरू, (कासं)। अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी के पदाधिकारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि राजस्थान में किसानों पर किसान आंदोलनों के समय लगे सभी मुकदमें वापस लिये जाएं। एमएसपी पर बाजरा, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन आदि की खरीद तुरंत शुरू की जाये। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सही क्रॉप कटिंग करवाई जाये। क्रॉप कटिंग के बाद बरसात से फसलों को हुए नुकसान के लिए दुबारा रिपोर्ट करवाकर मुआवजा और कृषि बीमा क्लेम दिया जाये। राज्य के किसानों को डीएपी बीज और यूरिया की आपूर्ति बिना बाधा के तुरंत की जाये। बिजली की डिमांड जमा कृषि पर तुरंत बिजली कनेक्शन दिए जाये। सहकारी समितियों में किसानों से जीवन बीमा के नाम से जो रुपए लिए जा रहे हैं, उन्हें बंद किया जाये।

दोपहिया वाहन चोर गिरोह के 3 गुर्गे पकड़े

- सीसीटीवी फुटेज में जांच करने पर नृसिंघ मेघवाल संदेह के दायरे में आया
- पूछताछ के दौरान चोरी करना स्वीकारा व कई राज उगले

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। मदनगंज थाना पुलिस ने दोपहिया वाहन चोर गेंग की करतूत का खुलासा कर तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की गिरफ्त में गुनाहगारो में ममता जनरल स्टोर के सामने राजारेड्डी निवासी नृसिंह (19) पुत्र कालू मेघवाल, रजिया कॉलोनी राजारेड्डी निवासी शहाबुद्दीन (34) पुत्र जवरी मोहम्मद व इसी मोहल्ले का रतन पुत्र घनश्याम बाल्मीकि शामिल है। थाना प्रभारी नेमीचंद चौधरी ने बताया की विगत 14 अक्टूबर को न्यू हाऊसिंग बोर्ड में रहने वाले अनिल जैन पुत्र महावीर जैन ने मामला दर्ज कराया की बदमाश घर के बाहर खड़ी वाइक चुराकर चंपत हो गये।

पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर बदमाशों को पकड़ने के लिये जिम्मेदारी सौपी गई। इस बीच सीसीटीवी फुटेज में जांच करने पर नृशिंग मेघवाल संदेह के दायरे में आ गया, कड़ी मशकत के बाद इसे पकड़कर हवालात में डाल दिया। पूछताछ के दौरान गुनाह में संलिप्तता स्वीकार करते हुए कहा चुराई गई वाइक को ओने-पौने दाम में शहाबुद्दीन को बेच दी, इससे जानकारी चाही तो कहा वाइक को काटने के लिये कबाड़ी रतन बाल्मीकि को दे दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हाऊसिंग बोर्ड से चुराई गई बाइक बरामद की है। पुलिस बदमाशो से पूछताछ के जरिये गुनाह का काला चिट्टा खंगालने में जुटी हुई है।

मदनगंज-किशनगढ़ पुलिस ने वाहन चोरों को गिरफ्तार किया।

आईआईटी में फाइनल प्रवेश के लिए रिपोर्टिंग प्रारम्भ

- एनआईटी-ट्रिपल आईटी में आंशिक प्रवेश फीस जमा करवाने पर ही मिलेगा प्रवेश

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी-एनआईटी एवं ट्रिपलआईटी की जोसा काउंसलिंग संपन्न होने के पश्चात अब विद्यार्थियों में अपने आवंटित कॉलेजों में प्रवेश के लिए उत्सुकता दिखाई दे रही है। विद्यार्थी आवंटित कॉलेजों की वेबसाइट पर फाइनल प्रवेश के लिए जानकारियां जुटा रहे हैं। ऐसे में जोसा काउंसलिंग के उपरान्त जिन विद्यार्थियों को आईआईटी का आवंटन हुआ है, उन्हें अब आवंटित आईआईटी की वेबसाइट पर शेष कॉलेज फीस एवं प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करनी होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि आईआईटी में प्रवेश के लिए रिपोर्टिंग तिथियां प्रत्येक आईआईटी की वेबसाइट पर जारी की जा रही है। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे आवंटित आईआईटी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी को भलीभांति पढ़ें, क्योंकि हर आईआईटी द्वारा रिपोर्टिंग, ओरियन्टेशन एवं क्लासेज शुरू करने की तिथियां अलग-अलग दी हुई हैं। विद्यार्थी आईआईटी की वेबसाइट पर दी गई जानकारियों में एडमिशन लिंक पर जाकर अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त एनआईटी-ट्रिपलआईटी आवंटित विद्यार्थियों को सर्वप्रथम 19 से 21 अक्टूबर के मध्य आंशिक प्रवेश शुल्क जमा करवाना होगा, जो कि सामान्य व ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस के लिए 40 हजार एवं एससी-एसटी के लिए 20 हजार रुपए रखा गया है।

यह आंशिक प्रवेश शुल्क का भुगतान कर ही विद्यार्थी जोसा काउंसलिंग में आवंटित एनआईटी सिस्टम के कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। विद्यार्थी जो एनआईटी सिस्टम से आवंटित अपने कॉलेजेज से संतुष्ट हैं, उन्हें एनआईटी ट्रिपलआईटी में फाइनल प्रवेश के लिए प्रवेश की औपचारिकताएं पूर्ण करनी होगी। विद्यार्थियों द्वारा काउंसलिंग के दौरान जमा करवाई गई सीट असेप्टेंस फीस उनके प्रवेश के दौरान शेष कॉलेज की फीस में समायोजित कर ली जाएगी।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि वे विद्यार्थी जो अपने एनआईटी सिस्टम से आवंटित सीट से संतुष्ट नहीं हैं और खाली सीटों के लिए करवाई जा रही सीएसएबी काउंसलिंग में भाग लेना चाहते हैं, वे अपनी आंशिक प्रवेश फीस जमा कर अपनी आवंटित सीट सुरक्षित कर सीएसएबी काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे विद्यार्थी जो जोसा काउंसलिंग में अपनी आवंटित सीट से संतुष्ट नहीं है, वे भी अपनी आवंटित सीट को विड्रॉल एवं कैंसिल कर भी सीएसएबी काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। इन विद्यार्थियों को भी पार्टिसिपेशन फीस 3 हजार रुपए ही जमा करानी होगी।

इसके विपरीत वे विद्यार्थी जिन्हें जोसा काउंसलिंग में किसी भी सीट का आवंटन नहीं हुआ है, उन्हें सीएसएबी काउंसलिंग में भाग लेने के लिए पूरी पार्टिसिपेशन फीस जमा करानी होगी। जोकि सामान्य, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस के लिए 38 हजार रुपए एवं एससी-एसटी के लिए 18 हजार रुपए रखी गई है। इन सभी विद्यार्थियों को सीएसएबी काउंसलिंग में पुन: सारे कॉलेज ब्रांचेस की च्वाइसेज को भरना होगा। सम्पूर्ण काउंसलिंग प्रक्रिया 25 अक्टूबर से 6 नवंबर के मध्य कराई जाएगी। विद्यार्थियों को 26 से 28 अक्टूबर के मध्य कॉलेज च्वाइसेज भरने का विकल्प मिलेगा।

सांसद जौनपुरिया को तलवार भेंट की

गंगापुर सिटी, (निस)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गुलदस्ता, तलवार भेंट कर अभिनंदन किया। मंगलवार सुबह प्रसिद्ध तीर्थ स्थान एवं मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना कर सांसद जौनपुरिया के दीर्घायु एवं स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उसके पश्चात भाजपा नेता संजय गोयल, युवा भाजपा नेता दर्शन सिंह गुर्जर के नेतृत्व में सैकड़ों गाड़ियों के काफिले से टोंक पहुंचे और सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया के जन्मदिवस पर चतुर्भुज ताला पर आयोजित कार्यक्रम में गुलदस्ता माला एवं साफा पहनाकर के भव्य अभिनंदन किया।

रुपए के लेन-देन में भाई के सिर पर लाठी मारी

नागौर, (निसं)। दो भाइयों के बीच झगड़े ने एक की जान ले ली। सदर थाना इलाके के अमरपुरा गांव में रहने वाले दो सगे भाइयों के बीच बीती रात कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया था, जिसमें बड़े भाई ने छोटे भाई पर लाठी के कई वार कर दिए। इलाज के दौरान घायल छोटे भाई की मौत हो गई।

सिर में अंदरुनी चोट लगने से 23 साल के सीताराम जाट ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सीओ विनोद कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि सीताराम के साथ लड़ाई झगड़ा हो कर मारपीट हुई है। जिस पर थाना सदर पुलिस की टीम जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची। जहां पर सीताराम घायल अवस्था में मिला तथा मौके पर परिजन उपस्थित मिले। जिनकी सहायता से अमरपुरा रहने वाले घायल सीताराम को राजकीय अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। मौके पर सीता राम के भाई करणाराम पुत्र गिरधारी राम जाट ने एक रिपोर्ट दी। इस पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। वहीं दूसरी ओर मृतक सीताराम के शव का जेएलएन अस्पताल में पोस्टमार्टम कर मंगलवार दोपहर को शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं मामले में पुलिस ने भाई के हत्यारे भाई पोकरराम को गिरफ्तार कर लिया है।

मिट्टी एवं गोबर से निर्मित उत्पादों की हाट का शुभारंभ

निःशक्तजन बच्चों की दीपावली पर अनुकरणीय पहल

स्वदेशी की अवधारणा से ओतप्रोत दिव्यांग बच्चों ने पहल की।

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ क्षेत्र के डाबला में स्थित मानव विकास संस्थान की आधारशिला में गोबर एवं मिट्टी के बने उत्पादों की हाट का शुभारंभ हुआ। निशक्तजन बच्चों की ओर से स्वदेशी अपनाओ की धारणा से ओतप्रोत अनुकरणीय पहल की अतिथियों ने सराहना की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यूयॉर्क यूएसए से भारत आई एलिन लिंच ने बच्चों की ओर से उकेरी गई राष्ट्रीय पक्षी मोर की कलाकृति को एक हजार में खरीदा। इस अवसर पर मिट्टी एवं गोबर से निर्मित दीपक, सामाजिक एवं धार्मिक महत्व से जुडी कलाकृतियां एवं पेंटिंग की बच्चों ने स्टॉल लगाकर आमजन के समक्ष मिसाल पेश की।

मानव विकास संस्थान के निदेशक ने बच्चों की ओर से निर्मित उत्पादों एवं पेंटिंग्स के साथ प्रदर्शनी की मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर लायंस क्लब के प्रांतीय सलाहकार खेम सिंह आर्य, अध्यक्ष अजय यादव, सचिव वीरेंद्र दाधीच, नीरज शर्मा, शारदा शर्मा, मीरा तारो लिया, सरपंच प्रतिनिधि कालूराम, ट्रेनर डॉ स्वाति चौधरी, सुनील मीना एवं राहुल कुमार के अलावा मनीषा, कोमल, दिव्या, निशा, जिया एवं सीताराम सहित अनेक बच्चे मौजूद रहे।

आर्ट केम्प आसियान देशों से आए कलाकारों ने दिखाए करतब

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के कोडियात स्थित ताज अरावली रिजॉर्ट में विदेश मंत्रालय एवं सेहर इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आसियान देशों के कलाकारों के साथ आर्ट केम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप में आसियान देशों के कई कलाकार अपनी कला का रंग बिखेर रहे हैं। सेहर इंडिया के संस्थापक संजीव भार्गव ने बताया कि ओशियन ऑफ कनेक्टिविटी की थीम पर आसियान देशों से आए कलाकारों द्वारा अपनी-अपनी समझ, बेकग्राउंड एवं स्कूल ऑफ थोट से पेंटिंग्स की गई है। उन्होंने बताया कि बुधवार को केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ताज अरावली रिजोर्ट पहुंच कर कलाकारों से रूबरू होंगे एवं उनके द्वारा इन पेंटिंग्स की प्रदर्शनी का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने देश-विदेश से आए कलाकारों का उदयपुर आने के लिए एवं विदेश मंत्रालय का इस आयोजन हेतु आभार जताया। उल्लेखनीय है कि आसियान और भारत के संबंधों के 30 साल पूरे होने के मौके पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। भारत शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है और यह भारत व आसियान को उच्चतम स्तर पर जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2022 को भारत-आसियान मैत्री वर्ष के रूप में घोषित किया गया है।

फसल बीमा क्लेम की मांग को लेकर राजगढ़ उपखण्ड कार्यालय पर प्रदर्शन

एमएसपी पर बाजरा, मूंगफली, सोयाबीन आदि फसलों के खरीद की मांग रखी

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपता प्रतिनिधि मण्डल।

सादुलपुर, (निसं)। फसल बीमा क्लेम को लेकर जांगिड धर्मशाला में सुबह 10 बजे बैठक कर फसल बीमा क्लेम सहित किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर चूरू जिले के सभी तहसील मुख्यालयों, उपखण्ड कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करत एसडीएम के नाम ज्ञापन सौपा।

किसान सभा के सुनील पूनियां ने बताया कि खरीफ-2021 का क्लेम क्रॉप कटिंग के अनुसार दिया जाए व चक्का जाम समझौता लागू किया जाए। न्यूनतम मूल्य (एमएसपी) पर बाजरा, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन आदि फसलों की खरीद तुरंत शुरू करने, प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना में सही क्रॉप कटिंग करवाई जाने, क्रॉप कटिंग के बाद बरसात से फसलों को हुए नुकसान के लिए दुबारा रिपोर्ट करवाकर मुआवजा और कर्षि बीमा क्लेम दें। किसान का बकाया कृषि बीमा क्लेम तुरंत दिया जाने, राज्य के किसानों को डीएपी, बीज और यूरिया की आपूर्ति बिना बाधा के तुरंत की जाने, बिजली के डिमांड जमा कृषि कुओं को तुरंत बिजली कनेक्शन दिए जाने की मांग की।

किसानों को 6 घंटे बिजली दी जाने, फसल तुलाई केंद्र भैंसली, चाँदगोठी, हरपालु व गुलपुरा में वापिस शुरू किये जाने, रतनपुरा ओर साँखू में नए तुलाई केंद्र शुरू किए जाने, ग्राम विकास सेवा सहकारी समिति में जीवन बीमा के नाम पर हो रही लूट को बंद की जाने, नहरों और बाँधों से पर्याप्त पानी दिया जाए, राजगढ में प्रस्तावित तीनों नहरों को धरातल पर लाया जाने व राजस्थान में किसानों पर किसान आंदोलनों में बने सभी मुकदमो को वापिस लिए जाने के लिए एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर राजकुमार, राजेन्द्र ढाका, मनीराम, रामनिवास, मीरसिंह रेड़ू, मातूराम, बलकेश, रामचंद्र, मांगेराम, हनुमान, प्रभुराम, दीपक, जयकरण, आदराम, राकेश, रोहताश, नरेश, शशी मांजू, महेंद्र, चानणमल, शुभराम, सीताराम, लीलूराम, जगदीश व बलकेश महला आदि सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

अज्ञात कारणों से पैंथर की मौत

राजगढ, (निसं)। राजगढ रेंज के मकरोडा के पहाडी क्षेत्र में अज्ञात कारणों से बुजुर्ग वन्य जीव पैंथर की मौत हो गई। सूचना पर रेंजर दीपक मीणा एवं अन्य वन कर्मियों ने मृत वन्य जीव पैंथर के शव को राजगढ रेंज लेकर आए। इधर मृत वन्यजीव पैंथर के शव का पशु चिकित्सा अधिकारी मोहन लाल मीणा एवं उनकी टीम ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद पैंथर के शव का रेंज के पिछवाडे अंतिम संस्कार कर दिया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार, गिर्राज प्रसाद, सब इंस्पेक्टर श्याम सुंदर, एवं वन कर्मी मौजूद रहे।

दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम

देवली, (निसं)। विजन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में मंगलवार को दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। छात्र छात्राओं ने स्कूल स्टाफ के साथ आतिशबाजी की। इस मौके पर स्कूल के निदेशक विकास अग्रवाल एवं कपिल अग्रवाल ने भी बच्चों के साथ रोशनी दार पटाखे चलाकर बच्चों को शुभकामनाएं भेंट की। स्नेह मिलन कार्यक्रम में स्कूल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। आतिशबाजी कर बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं भेंट की।

अभिभाषक संघ ने सौंपा ज्ञापन

मालपुरा, (निसं)। एडीजे भर्ती 2022-23 की मुख्य परीक्षा के परिणाम में हुई अनियमित्ता से राजस्थान के सभी अधिवक्ता समुदाय में भारी आक्रोश को लेकर मंगलवार को मालपुरा अभिभाषक संघ ने सम्पूर्ण न्यायिक कार्य स्थगित कर एडीसी को ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने अवगत करवाया कि एडीजे भर्ती परीक्षा के विरोध में हाईकोर्ट द्वारा पिछले दिनों से लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। जिसे आज मालपुरा में भी समर्थन दिया गया। इसी दौरान संघ अध्यक्ष प्रेमप्रकाश सैनी, फारूक कुरैशी, राजकुमार जैन, नईम नकवी, हमीद, रमेश सैनी, परशुराम चौधरी, राजेन्द्र तिवाडी, विवेक व्यास, मोहन लाल चौधरी, अभिषेक पाराशर, रईश नागोरी, राजेन्द्र राजपुरोहित सहित अधिवक्तगण मौजूद रहे।

युवाओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

कोटपूतली, (निसं)। यहाँ के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में मंगलवार को ग्राम फतेहपुरा कलां निवासी तुषार पुत्र हंसराज यादव, ढ ाणी रामनगर ग्राम चतुर्भुज निवासी जयराम गुर्जर, कोटपूतली निवासी मनोज कुमार पुत्र रामानन्द जोशी ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस दौरान अभियान संयोजक मुकेश गोयल, जितेन्द्र यादव, सतवीर यादव, अपूर्व गोयल, मिलन शर्मा, रवि कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

विशेष योग्यजन को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना पहली प्राथमिकता:मंत्री जूली

जयपुर/अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि विशेष योग्यजन को समाज की मुख्यधारा में लाना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से विशेष योग्यजन के उत्थान एवं कल्याण के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। जूली ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि विशेष योग्यजन को राज्य सरकार द्वारा उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं की समुचित जानकारी मिले, ताकि उन्हें योजनाओं का पूरा लाभ मिले। उन्होंने आम जन से इस बार दिवाली का त्योहार विशेष योग्यजन के साथ मनाने का आव्हान भी किया।

मंत्री जूली मंगलवार को होटल क्लार्क्स आमेर जयपुर में निदेशालय विशेष योग्यजन तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016के प्रावधानों के तहत विशेष योग्यजन बच्चों के अधिकारों के संबंध में आयोजित 2 दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग में ऐसा तंत्र विकसित हो, जिसमें

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विशेषयोग्यजन के पास योजनाओं का लाभ स्वत: ही पहुंचे, उन्हें इसके लिए चक्कर नहीं लगाने पडें। उन्होंने कहा कि उनके अधिकारों की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि उनके लिए बनाए गए कानूनों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विशेष योग्यजन के उत्थान में राज्य सरकार के साथ-साथ एनजीओ भी बडी भूमिका है।

राज्य आयुक्त, विशेष योग्यजन उमाशंकर शर्मा ने कहा कि विशेष योग्यजन के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाने के साथ साथ नवाचार भी किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रेरणा से राज्य आयुक्त आपके द्वार मिशन तहसील 392 अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से प्रदेश की सभी तहसीलों में शिविर आयोजित कर उनके द्वारा व्यक्तिश: उपस्थित होकर विशेष योग्यजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत बीकानेर संभाग की 36 तहसीलों में शिविर आयोजित किये जाकर विशेष योग्यजन को लाभ पहुंचाया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सभी विशेष योग्यजन बच्चों को योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए सबसे पहले उनका चिह्निकरण किया जाना जरूरी है। इन बच्चों को आवश्यक उपकरण सभी समय पर मिलेंगे, तभी उन्हें मुख्यधारा में जोडा जा सकेगा और वे आम व्यक्ति की तरह जीवन में आगे बढ़ ने के लिए सक्षम बनेंगे। उन्होंने कहा कि जब विशेष योग्यजन को समाज में समान स्थान और सम्मान मिलेगा तभी वे आगे बढ ेंगे और प्रदेश के विकास में सहभागी बनेंगे। कार्यशाला में आयोजित विभिन्न सत्रों में विशेष योग्यजन बच्चों के कल्याण के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके जीवन को सुगम्य बनाने तथा उनके सशक्तिकरण

■ **दीपावली का त्योहार विशेष योग्यजन के साथ मनाने का आव्हान**

के लिए किये गए प्रावधानों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों तथा उनके समाधान पर संबंधित विभागों द्वारा प्रेजेंटेशन दिये गए तथा चर्चा की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक निदेशालय, विशेष योग्यजन डॉ. नरेन्द्र चौधरी ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के प्रावधानों के तहत विशेष योग्यजन बच्चों के अधिकारों के संबंध में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में यूनिसेफ की राज्य प्रमुख इजाबेल बर्डेम, विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि के अतिरिक्त, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल अधिकारिता विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

लूट का खुलासा, दो गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। ग्राम लाडाकाबास पावर ग्रेड रोड पर किराना कारोबारी से हुई लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए प्रागपुरा पुलिस ने दो लुटेरे दबोचे। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि लाडाकाबास पावर ग्रेड रोड पर किराना की दुकान चलाने वाले मदन लाल सैनी निवासी प्रागपुरा की दुकान तब लूट ली गई थी जब वे दुकान बंद करने के लिए बाहर रखा सामान अंदर रख रहे थे। उसी समय तीन व्यक्ति बाइक पर सवार होकर दुकान पर आए व कोल्ड ड्रिंक्स मांगी तथा देसी कट्टा दिखाकर दुकान के गल्ले में रखें छह हजार सात सौ रुपए लूट कर ले गए। इस पर परिवादी द्वारा मामला दर्ज करवाया था। मामले की गंभीरता देखते हुए एसपी जयपुर ग्रामीण मनीष अग्रवाल के निर्देशन में एएसपी कोटपुतली विद्याप्रकाश व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर सुरेंद्र कृष्णिया के सुपरविजन में प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर अलग अलग कार्य प्रणाली के स्थानीय अपराधियों व पूर्व लूट में अभ्यस्त अपराधियों व तकनीकी आधार पर अपराधियों की खोजबीन शुरू करते हुए दो अपराधियों नवीन निवासी ढाणी बामन वाली तन खडब थाना सरुंड, पवन उर्फ अटैक निवासी खडब थाना सरुंड को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत पीपली पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक-spl **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-13/10/2022

राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 के तहत एवं राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	इंटरलॉकिंग टाईल्स निर्माण कार्य गोहर से राधेश्याम के घरी की ओर पीपली।	21.10.22 11AM तक	21.10.22 1PM तक	21.10.22 3PM तक	10.00 लाख	20000/-	200/-
2	शमशान भूमि में इंटरलॉकिंग टाईल्स निर्माण कार्य कालूका।	21.10.22 11AM तक	21.10.22 1PM तक	21.10.22 3PM तक	10.00 लाख	20000/-	200/-
3	सामुदायिक शौचालय कंजर बस्ती पीपली।	21.10.22 11AM तक	21.10.22 1PM तक	21.10.22 3PM तक	03.0 लाख	6000/-	200/-
4	सामुदायिक शौचालय रा.वि. रामबास।	21.10.22 11AM तक	21.10.22 1PM तक	21.10.22 3PM तक	03.0 लाख	6000/-	200/-

उक्त कार्यों के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच ग्राम पंचायत पीपली पं. समिति मुण्डावर (अलवर) NIB N. ZAL2223A0819 UBN N. ZAL2223GSOB01143 ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत पीपली पं. समिति मुण्डावर (अलवर)

पालिका से परिवाद निस्तारण की रिपोर्ट मांगी

किशनगढ बास, (निसं)। शहर में अवरुद्ध हो रहे गंदे पानी निकासी के नालों, अस्थाई स्थाई अतिक्रमण को लेकर दिए गए परिवाद पर बिना कोई कार्रवाई किए नगर पालिका की ओर से निस्तारण किए जाने को लेकर जिला कलेक्टर को पूर्व सरपंच अजय चौधरी की और से की गई शिकायत पर तहसीलदार मदन सिंह ने जिला कलेक्टर व एसडीएम गंगाधर मीणा के निर्देश पर परवादी एवं नगरपालिका टीम के साथ दौरा कर अतिक्रमण व अवरुद्ध हो रहे पानी निकासी के नालों को देखा और नगर पालिका से परिवाद पर की गई कार्रवाई के संबंध में रिकॉर्ड तलब किया है।

कलेक्टर व एसडीएम के निर्देश पर शिकायतकर्ता पूर्व सरपंच अजय चौधरी एवं नगरपालिका टीम के साथ शहर के बाजार एवं मुख्य मार्ग खैरथल अलवर तिजारा रोड का पैदल घूम कर स्थिति का अवलोकन करने निकले तहसीलदार मदन सिंह ने दुकानों के आगे सडक पर रखें सामान को हटाए जाने व सडक पर नहीं लगाने के लिए व्यापारी को हिदायत देते हुए पाबंद किया है। तहसीलदार मदन सिंह ने बताया कि पूर्व सरपंच अजय चौधरी की शिकायत थी नगर पालिका ने शहर में अवरुद्ध हो रही गंदे पानी निकासी की समस्या वे अतिक्रमण के विरुद्ध बिना कोई कार्यवाही किए आमजन की ओर से दिए गए परिवाद का निस्तारण कर दिया गया है।

पूर्व सरपंच की इस शिकायत पर जिला कलेक्टर व एसडीएम के निर्देश की पालना करते हुए नगरपालिका टीम एवं शिकायतकर्ता के साथ मौका स्थिति का अवलोकन कर परिवाद के संदर्भ में नगर पालिका से रिकॉर्ड मांगा है। पूर्व सरपंच अजय चौधरी ने बताया कि शहर के गंदे पानी निकासी के अवरुद्ध हो रहे नालों व उन पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर अधिकारियों को शिकायत की गई। नगर पालिका ने बिना कोई कार्यवाही किए शिकायत का निस्तारण कर दिया। जिसको लेकर निकाय उप शासन सचिव वह जिला कलेक्टर को भेजी गई थी। जिला कलेक्टर एवं एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार ने मौका स्थिति का अवलोकन किया है।

क्षतिग्रस्त सड़क को हटा नवीन सड़क के निर्माण की मांग

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम पंचायत नारेहडा के ग्रामीणों ने मंगलवार को क्रमश: तीन ज्ञापन ग्राम पंचायत की ओर से सरपंच प्रतिनिधि अशोक सिंह तंवर, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सिंह नारेहडा व ग्रामीणों की ओर से एसडीएम को सौंपकर सडक के नवीनीकरण में पुरानी क्षतिग्रस्त सडक हटा नवीन सडक के निर्माण की मांग की है। ज्ञापन में बबलू सिंह, ओम सिंह नम्बरदार, लालचंद जांगिड, सुनील बासनीवाल, विरेन्द्र सिंह, संजय जोशी, दीपक अग्रवाल आदि ने बताया कि स्टेट हाईवे निर्माण के तहत ग्राम पंचायत नारेहडा में भी सीसी सडक का निर्माण किया जा रहा है। उक्त सडक को बिना पुरानी सडक हटाये ही पूरानी सडक पर बनाया जा रहा है। जिससे सडक की ऊंचाई बढ ने से राजकीय माध्यमिक विधालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पशु चिकित्सालय, गौशाला, ग्रामीण बैंक आदि के करीब एक फुट नीचे हो जाने से बारिश के मौसम में जल भराव का खतरा उत्पन्न हो गया है। साथ ही पानी निकासी की समस्या भी बनी हुई है।

अनियंत्रित बस पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए खेत में पलटी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे से होकर गुजर रहे दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार तडके निकटवर्ती ग्राम चौकी गोरधनपुरा में राजमार्ग पर बने पुलिया पर जयपुर से दिल्ली की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज की एक डिलक्स बस अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग व डिवाईडर तोडते हुए नीचे कूदकर पास ही के एक खेत में जाकर पलट गई।

दुर्घटना में ड्राईवर समेत तीन सवारी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें जयपुर रैफर किया गया। वहीं अन्य 13 सवारियों को उपचार के लिए राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बस के खेत में पलटते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने घायलों को बस से बाहर निकाला व पुलिस को सूचना दी। वहीं सूचना मिलते ही भाजपा नेता मुकेश गोयल ने भी घायलों को राजकीय अस्पताल पहुँचाया। भाजपा नेता रामसिंह सैनी ने स्वयं के वाहन में घायलों को अस्पताल पहुँचाने में मदद की। इस दौरान स्थानीय राहगीर व ग्रामीण भी मदद करते देखे गये। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सम्भवत: ड्राईवर को नींद आ जाने से हादसा हुआ। बस में कुल 40 सवारियां थी। जिनमें से 16 को चोटें आई है। घायल क्रमश: हर्ष सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह तंवर निवासी ग्राम पलसाना, नीमकाथाना व सत्यप्रकाश पुत्र रामजीलाल गुप्ता व उनकी पत्नी बीना गुप्ता दोनों निवासी शास्त्री नगर जयपुर, कोयली देवी पत्नी हनुमान कुम्हार निवासी ग्राम बनेठी (कोटपूतली), शशि पत्नी शिम्भुदयाल गुप्ता निवासी आदर्श नगर जयपुर, सुरेश पुत्र मदन लाल मीणा निवासी गोविन्दगढ , विक्रम निवासी सुभाष चौक जयपुर, अचरोल (जयपुर) निवासी आनन्द पुत्र गजानंद गुप्ता व उनकी पत्नी कृष्णा, राहुल पुत्र महेन्द्र सैनी निवासी नारनौल (हरियाणा), अखिल पुत्र मुन्ना व उनकी पत्नी मेहताब दोनों निवासी झोटवाडा जयपुर एवं सरती देवी पत्नी प्रभुदयाल निवासी अमरपुरा नई कोठी कोटपूतली को उपचार के लिए राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मुण्डावर पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक-ग्रा.प./नि./2022-23/69 **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-12/10/2022

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	सीसी मय नाली निर्माण कार्य एसडीएम कार्यालय से राजेश शर्मा की दुकान की ओर।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	07.0 लाख	14000/-	500/-
2	ग्राम पंचायत मुण्डावर में तेजराम मौखरी के घर से छंगा गुर्जर के घर की ओर सीसी सडक मय नाली निर्माण।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	10.0 लाख	20000/-	500/-
3	सीसी सडक निर्माण कार्य मुख्य सडक से सुंदरलाल सैनी के घर की ओर।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	02.5 लाख	5000/-	500/-
4	सीमेंट टाईल्स सडक निर्माण कार्य रामानन्द पंडित के घर के सामने मुण्डावर।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	0.35 लाख	700/-	500/-
5	शेष सीसी सडक निर्माण कार्य एसडीएम कार्यालय से राजेश शर्मा की दुकान की ओर।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	07.0 लाख	14000/-	500/-

उक्त कार्यों के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच ग्राम पंचायत मुण्डावर पं. समिति मुण्डावर (अलवर) NIB N. ZAL2223A0808 UBN N. ZAL2223GLOB01132 ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मुण्डावर पं. समिति मुण्डावर (अलवर)

श्याम जन्मोत्सव पर शाही यात्रा

खाटूश्यामजी, (निसं)। बाबा श्याम के जन्मोत्सव कार्तिक शुक्ल एकादशी चार नवम्बर को रींगस श्याम दरबार से खाटूश्यामजी तक बाबा श्याम की शाही यात्रा का आयोजन किया जाएगा। शाही यात्रा में रंगीन आतिशबाजी व शाही लवाजमा रहेगा तथा रात्री में भजन संध्या का आयोजन होगा।

'मिशन लक्ष्य साधना' में नीट, आईआईटी तथा जेईई की तैयारी कर रहे है विद्यार्थी

टोंक, (निसं)। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के नवाचार "मिशन लक्ष्य साधना" में टोंक जिले के चयनित विद्यालयों में अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को नीट, आईआईटी तथा जेईई की नि:शुल्क कोचिंग करवाई जा रही है।

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडारायसिंह के प्रधानाचार्य एवं मिशन लक्ष्य साधना के नोडल ऑफिसर निपुण सक्सेना ने बताया कि इसके लिए सम्पूर्ण जिले के लिए समान रूप से हर माह के लिए पाठ्यक्रम को विभाजित किया गया हैं। सम्पूर्ण सत्र में विद्यार्थियों के चार मॉइनर टेस्ट एवं 2 मेजर टेस्ट लेने का निर्णय लिया गया। जिनमें दो मॉइनर टेस्ट अगस्त तथा सितम्बर माह में आयोजित हो चुके है तथा प्रथम मेजर टेस्ट का आयोजन 17 अक्टूबर को किया गया। टेस्ट के लिए एक समान

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के नवाचार ''मिशन लक्ष्य साधना'' में टोंक जिले के चयनित विद्यालय में विद्यार्थियों ने टेस्ट दिया।

प्रश्न-पत्र सभी विद्यालयों को प्रेषित किये गए। मेजर टेस्ट में कुल 90 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गये जिसमें भौतिक, रसायन, गणित तथा जीव विज्ञान प्रत्येक विषय के 30-30 प्रश्न सम्मिलित किये गये।

"मिशन लक्ष्य साधना" को लेकर जिले के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी बहुत उत्साहित है, निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में टोंक जिले से नीट, आईआईटी तथा जेईई में अधिकतम विद्यार्थियों का चयन होगा। सीबीएसई के नवीन निर्णय अनुसार कक्षा 12वीं बोर्ड में 25 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में भी इस तरह के प्रश्न आयेंगे। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर ने चयनित विद्यालयों में नीट, आईआईटी तथा जेईई की तैयारी के लिए 50 हजार मूल्य की पुस्तकें प्रत्येक विद्यालय को दी है। विद्यार्थी उन पुस्तकों का सदुपयोग करते हुए तत्परता से मिशन लक्ष्य साधना की तैयारी कर रहे है। जिला कलेक्टर का यह नवाचार कक्षा 12 के परीक्षा परिणाम में सहायक सिद्ध होकर विद्यार्थियों के लिए निश्चित रूप से लाभदायक हैं। नोडल ऑफिसर निपुण सक्सेना ने बताया कि मेजर टेस्ट में कुल पंजीकृत 1521 विद्यार्थियों में से 1226 विद्यार्थी शामिल हुए। उपस्थिति प्रतिशत 80.60 फीसदी रहा इसमें कक्षा 11 के 593 एवं कक्षा 12 के 633 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत जिंदोली पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक- **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-17/10/2022

राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 के तहत एवं राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	शमशान घाट वाली बोरिंग को गहरा करवाना व मरम्मत कार्य ग्राम जिंदोली	20.10.22 12PM तक	20.10.22 2PM तक	20.10.22 3PM तक	0.96 लाख	1920/-	200/-
2	कौशल्या पंच के घर के पास पीने के पानी की टंकी व पाइप लाइन ग्राम जिंदोली	20.10.22 12PM तक	20.10.22 2PM तक	20.10.22 3PM तक	1.14 लाख	2280/-	200/-
3	कादर नगर गांव की बोरिंग से पाइप लाइन दबाकर कादर नगर बस स्टैंड की पानी की टंकी को जोडना।	20.10.22 12PM तक	20.10.22 2PM तक	20.10.22 3PM तक	1.44 लाख	2880/-	200/-
4	सिंगल फेज बोरिंग निर्माण कार्य ठाकुरों की ढाणी।	20.10.22 12PM तक	20.10.22 2PM तक	20.10.22 3PM तक	5.24 लाख	10480/-	200/-
5	जर खोल के पास सिंगल फेस बोरिंग व पानी की टंकी का निर्माण व पाइप लाइन दबानी शहीद श्याम सिंह की मूर्ति के पास ग्राम जिंदोली	20.10.22 12PM तक	20.10.22 2PM तक	20.10.22 3PM तक	7.24 लाख	14480/-	200/-
6	पूरन के खेत से नेतराम के घर की ओर इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य ग्राम जिंदोली	20.10.22 12PM तक	20.10.22 2PM तक	20.10.22 3PM तक	05.0 लाख	10000/-	200/-
7	मुख्य सडक से राजीव गांधी सेवा केन्द्र की ओर इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य एवं ट्री गार्ड लगाना।	20.10.22 12PM तक	20.10.22 2PM तक	20.10.22 3PM तक	5.00 लाख	10000/-	200/-

उक्त कार्यों के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच ग्राम पंचायत जिंदोली पं. समिति मुण्डावर (अलवर) NIB N. ZAL2223A0811 UBN N. ZAL2223GSOB01135 ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत जिंदोली पं. समिति मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा

क्रमांक-न.पा.पा.प्रा., 2021-22/263 दिनांक- 18.10.2022

आपत्ति आमंत्रण सूचना

प्रशासन शहरों के संग अभियान 2022 के तहत नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा कार्यालय में 29 व्यक्तियों ने 69 क के तहत पट्टा प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये है। जिनकी सूचि नगर पालिका नोटिस बोर्ड पर दिनांक 18.10.2022 को चस्पा कर दी गई है और नगर पालिका वेबसाईट https://urban.rajasthan.gov.in/nppawta तथा भूमि शाखा में भी उपलब्ध है। सर्व साधारण उक्त सूची का अवलोकन कर अपनी आपत्ति 7 दिवस की अवधि में मय साक्ष्य दिनांक 25.10.2022 तक भूमि शाखा नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा में दर्ज करा सकेंगे अवधि समाप्त होने पर आपत्तियों पर विचार विमर्श नहीं किया जायेगा और सम्बन्धित आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी कर दिया जायेगा। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा (जयपुर)

कार्यालय ग्राम पंचायत पेहल पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक-ग्रा.प./2022/27 **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-11/10/2022

राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 के तहत एवं राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	इंटरलॉकिंग टाईल्स निर्माण कार्य मुख्य सडक से जगदीश के घर की ओर पेहल।	21.10.22 11AM तक	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	10.00 लाख	20000/-	200/-

उक्त कार्यों के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच ग्राम पंचायत पेहल पं. समिति मुण्डावर (अलवर) NIB N. ZAL2223A0802 UBN N. ZAL2223GSLB01126 ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत ततारपुर पं. समिति मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय ग्राम पंचायत मुण्डावर पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक-ग्रा.प./मुण्डा./2022-23/68 **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-12/10/2022

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	शेष सीसी सडक निर्माण कार्य पतराम गुर्जर के घर से लक्ष्मण शर्मा के के घर की ओर।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	08.0 लाख	16000/-	500/-
2	कस्ब मुण्डावर में सफाई व्यवस्था (विशेष सफाई अभियान)।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	01.0 लाख	2000/-	500/-
3	ग्राम पंचायत मुण्डावर के ग्राम मुण्डावर में सैनिक विश्रामं गृह में दो कमरे निर्माण कार्य।	21.10.22 12PM तक	21.10.22 2PM तक	21.10.22 3PM तक	07.0 लाख	14000/-	500/-

उक्त कार्यों के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच ग्राम पंचायत मुण्डावर पं. समिति मुण्डावर (अलवर) NIB N. ZAL2223A0807 UBN N. ZAL2223GSOB01131 ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मुण्डावर पं. समिति मुण्डावर (अलवर)

'अपराधिक तत्वों पर पुलिस की नजर, जनता रहे जागरूक'

■ **दीपावली सहित आगामी त्योहारों को लेकर फ्लैग मार्च**

पावटा, (निसं)। आरएएफ डिप्टी कमांडेंट पूरणमल गुर्जर, एडिशनल डिप्टी कमांडेंट श्रीराम शर्मा, प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में प्रागपुरा थाना एएसआई जयराम, रामकुमार, एचसी संतलाल शर्मा, एचसी सुरेंद्र के सहयोग से पावटा, प्रागपुरा कस्बे में दीपावली सहित आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ मंगलवार को प्रागपुरा थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला।

फ्लैग मार्च अलग-अलग बाजारों व चौराहों से होते हुए गुजरा और आम जनता को इस दौरान जागरूक किया गया। जिससे कि वह इस दीपावली के त्योहार को हर्षोल्लास के रूप में मना सके और सुरक्षा को ध्यान में रखा जाए। आरएएफ डिप्टी कमांडेंट पूरणमल गुर्जर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि दीपावली के अवसर पर बडी संख्या में शहरवासी खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंचे हैं। ऐसे में अपराधिक तत्वों की भी उन पर नजर रहती हैं। इन सभी घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य और आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर पैदा हो इस उद्देश्य से यह फ्लैग मार्च निकाला गया है। जहां पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों के आरोपियों पर भी नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही अन्य आपराधिक घटनाओं को लेकर जनता को जागरूक करने के साथ ही व सुरक्षित रूप से अपना व्यापार करते हुए खरीदारी करें इसकी भी अपील की गई है। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने कहा कि बाजारों में ट्रैफिक व्यवस्था की भी जांच की गई है। जिससे कि फायर ब्रिगेड सहित अन्य वाहनों को निकलने में किसी तरह की समस्या त्योहारों में उत्पन्न ना हो। साथ ही बाजारों में गश्त भी बढ ा दी गई है। इस मौके पर आरएएफ डिप्टी कमांडेंट पूरणमल गुर्जर, एडिशनल डिप्टी कमांडेंट श्रीराम शर्मा, प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह, प्रागपुरा थाना एएसआई जयराम, रामकुमार, एचसी संतलाल शर्मा, एचसी सुरेंद्र, कांस्टेबल जगत, प्रकाश सहित प्रागपुरा थाना जाप्ता व आरएएफ के जवान मौजूद रहे।

अनुकंपात्मक नियुक्ति पत्र सौंपे

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ.जितेन्द्र कुमार सोनी ने आज शहीद सैनिकों के चार आश्रितों को नियुक्ति पत्र सौंपे। जिला कलेक्टर ने बताया कि राज्य सरकार के नए दिशा-निर्देशों के तहत सन् 1972 से पूर्व के शहीदों के चार आश्रितों को अनुकम्पात्मक नियुक्ति पत्रा सौंपे हैं। उन्होंने बताया कि अलवर जिले में इस तरह के प्रकरणों में अब कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं है। जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष कर्नल अशोक यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में अलवर पहला जिला है जहां राज्य सरकार के नए निर्देशों के तहत अनुकम्पात्मक नियुक्ति का कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं है। तिजारा के ग्राम सहमतपुर निवासी शहीद सैनिक ताराचन्द के पौत्रा श्री राकेश कुमार को टपूकडा तहसील में कनिष्ठ सहायक के पद पर, मुण्डावर के ग्राम सानोली निवासी शहीद सैनिक उमराव सिहं के पौत्रा धर्मेन्द्र कुमार को उपखण्ड कार्यालय मुण्डावर में कनिष्ठ सहायक के पद पर एवं बहरोड के ग्राम गंडाला निवासी शहीद सैनिक छंगाराम के पौत्रा इन्द्रमोहन यादव को बहरोड तहसील में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति दी गई है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank

पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. के नाम से जाना जाता हैं।

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुननिर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. के नाम से जाना जाता हैं) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. के नाम से जाना जाता हैं) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	10027755980 10028075969 10056633648 एवं 10079031239	भारत बैंकिंग ड्रापलाइन ओवर ड्राफ्ट तथा वर्किंग कैपीटल टर्मलोन बी बी एवं ईडीजीएस डब्लूसीटीएल	1. अर्पित एन्टरप्राइजेज 2. श्री शिव नारायण अग्रवाल 3. श्री गौरी शंकर अग्रवाल 4. श्रीमती ललिता अग्रवाल	08.10.2022	36,00,414.00/-	अचल सम्पत्ति मकान नं. 44/224, क्षेत्रफल 49.702 वर्ग मीटर, ब्लॉक 44, मानसरोवर, जयपुर (राज.) का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-प्लाट नं. 44/225, पश्चिम-प्लाट नं. 44/221, उत्तर-प्लाट नं. 44/223, दक्षिण- प्लाट नं. 44/239

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. के नाम से जाना जाता हैं) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. के नाम से जाना जाता हैं) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./- प्राधिकृत अधिकारी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

दिनांक- 19.10.2022

स्थान- राजस्थान (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. के नाम से जाना जाता हैं)

संक्षिप्त

शुभम गौतम बने संयोजक

मालपुरा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी विधायक कन्हैयालाल चौधरी के निर्देशों पर भाजपा मंडल अध्यक्ष

त्रिलोक चन्द जैन ने युवा मोर्चा को मजबूती प्रदान करने को लेकर युवा मोर्चा शहर मंडल मालपुरा संयोजक पद पर शुभम गौतम पुत्र पंडित राजाराम शर्मा को मनोनीत किया। शुभम गौतम को युवा मोर्चा से मिली जिम्मेदारी पर युवा मोर्चा के साथ-साथ भाजपाईयों ने गौतम को बधाई दे संगठन हित में कार्य करने की बात कहते हुए विधायक व मंडल अध्यक्ष का आभार जताया।

अवैध बजरी से भरा डंपर जब्त

देवली, (निसं)। नासिरदा पुलिस ने मंगलवार को अवैध बजरी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बजरी से भरा डंपर पकडा व बजरी जप्त की। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को गश्त के दौरान अवैध बजरी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करके एक डंपर चालक एवं खलासी को गिरफ्तार किया है। नासिरदा पुलिस थाना अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि पुलिस ने यह कार्रवाई राम थला क्षेत्र में की है। जहां गश्त दौरान पुलिस को डंपर बजरी से भरा डंपर आता दिखाई दिय तभी पुलिस ने डंपर को रुकवा कर जांच की जिसमें बजरी भरी होने के कारण पुलिस ने डंपर को अपने कब्जे में ले लिया साथ ही मौके पर चालक और खलासी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने एमएमआरडी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया।

रोडवेज कर्मियों का 1 घंटे कार्य बहिष्कार

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के विभिन्न संगठनों के संयुक्त मोर्चे के कार्मिकों द्वारा " रोडवेज बचाओ रोजगार बचाओ" के संकल्प के साथ अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में 18 अक्टूबर मंगलवार को श्रीमाधोपुर आगार में दोपहर 1 से 2 बजे तक कार्य बहिष्कार किया गया। बताया गया है कि कार्मिकों ने बकाया अगस्त व सितंबर के वेतन, पेंशन, और वित्तीय वर्ष 21- 22 का बोनस, एक्स ठोशिया सेवानिवृत्त परीलाभ में से 2 माह का दीपावली से पूर्व भुगतान करने, नई बसें खरीदने, रिक्त पदों पर नई भर्ती करने जैसी 21 मांगों के लिए चल रहे प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत चौथे चरण में मंगलवार को यह बहिष्कार किया गया। इस अवसर पर एटक के श्योपाल राम, सीटू के सुल्तान सिंह, इंटक के विजेंद्र सिंह, सेवानिवृत्त एसोसिएशन के हरी नारायण स्वामी, सेवानिवृत्त कल्याण समिति के सेडूराम सैनी व अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

मतदान हेतु चुनाव चिन्ह आवंटित

कोटपूतली,(निसं)। ब्राह्मण समाज नगर अध्यक्ष पद के मतदान हेतु दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। मंगलवार को किसी भी प्रत्याशी द्वारा नाम वापस नहीं लिये जाने पर चुनाव चिन्हों का आंवटन किया गया। कस्बे के गंगा कॉलोनी निवासी बजरंग लाल पुत्र अमरनाथ शर्मा को सिलाई मशीन व शक्ति विहार निवासी भास्कर पुत्र सीताराम शर्मा को अलमारी चुनाव चिन्ह आंवटित किया गया है। इस दौरान प्रत्याशियों समेत चुनाव अधिकारी हरिशंकर शर्मा, नरेश कुमार शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, श्याम सुन्दर पालीवाल आदि मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर का आयोजन

कोटपूतली, (निसं)। यहाँ के राजकीय एलबीएस पीजी महाविधालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए अरण्य उद्यान में साफ-सफाई की। प्राचार्य डॉ. उर्मिल महलावत ने विधार्थियों को सेवा भाव से कार्य करते हुए एक अच्छा एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मधु नागर, प्रो. सुरेश यादव, डॉ. बबीता यादव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान प्रो. सज्जन सिंह यादव, डॉ. पदमा मीणा, प्रो. नरेन्द्र मीणा, प्रो. जितेन्द्र कुमार, नीरज गोठवाल, प्रो. संदीप आर्य आदि मौजूद रहे।

आयुर्वेदिक लड्डू और दवाई बांटी

चाकसू, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के युवाओं ने सराहनीय पहल करते हुए गोवंश में लंपी रोग के रोकथाम के लिए पीजी फाउंडेशन के चेयरमैन युवा भामाशाह सीताराम पोसवाल के नेतृत्व में 2100 आयुर्वेदिक लड्डू व 720 दवाइयों के पैकेट वितरित किए। युवाओं ने बताया कि गोवंश के लिये स्पेशल आयुर्वेदिक लड्डू तैयार कर मेडिकल उपचार कराया है।

सुकन्या योजना बेटियों के भविष्य को संवार उनके सपनों को पंख लगायेगी : सतीश पूनिया

टोंक, (निसं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया का मंगलवार को टोंक जिला मुख्यालय पर आगमन पर कई जगह स्वागत के साथ ही भाजपा टोंक की ओर से घंटाघर पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया। इसके बाद पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कालाबाबा मौहल्ले के बाहर मैन रोड पर ऐतिहासिक स्वागत किया।

पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को बुके भेंट कर एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इसके बाद पूनिया ने सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया के जन्मदिन कार्यक्रम व सुकन्या समृद्धि योजना कार्यक्रम में भाग लिया। प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के टोंक आगमन पर सर्वप्रथम घंटाघर चौक पर अम्बेडकर सर्किल पर स्थित बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात जैन नसिया पहुंच सांसद जौनापुरिया के जन्मदिन समारोह में भाग लिया, जहां केक काटकर जौनापुरिया को जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर सुकन्या समृद्धि योजना के

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने बालिकाओं के चरण वन्दन कर भोजन कराकर आशीर्वाद लिया।

अन्तर्गत जिले में चल रहे अभियान के तहत बालिकाओं के खुलवाये गये खातों को डॉ. पूनिया ने बालिकाओं के चरण वन्दन कर उन्हें भोजन कराकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा की योजनाओं से अंतिम छोर पर खडा व्यक्ति भी लाभान्वित हुआ है।

इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के मंत्र सबका साथ सबका विकास एवं सबका प्रयास से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना ही बेटियों के भविष्य को संवारते हुए उनके सपनों को पंख लगा सकती है। डॉ. पूनिया ने कहा कि मंत्रियों एवं विधायकों द्वारा दिये गये इस्तीफे नाटक मात्र है, यदि इन्होने इस्तीफे दे दिये तो फिर सरकार कौन चला रहा है।

- 'भाजपा की योजनाओं से अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति भी लाभान्वित हुआ है'
- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का भव्य स्वागत

सांसद जौनापुरिया के जन्मदिन समारोह में प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांता मेघवाल, जिला प्रभारी अशोक सैनी, टोडा-मालपुरा विधायक कन्हैया लाल चौधरी, विधायक अविनाश गहलोत, पूर्व विधायक खंडार जितेन्द्र गोठवाल, पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर, जिला प्रमुख सरोज बंसल, उप जिला प्रमुख आदेश कंवर, महेंद्र यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, गणेश माहुर, श्यामलाल जैन, पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री चंद्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, जिला उपाध्यक्ष बेनी प्रसाद जैन, शैलेंद्र जैन, आसिफ नकवी सहित अन्य मौजूद रहे।

उद्योग मंत्री ने एक दिवसीय हाट बाजार का शुभारंभ किया

अलवर, (निसं)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत ने मंगलवार को कंपनी बाग रोड स्थित आर्य कन्या विद्यालय समिति द्वारा आयोजित हाट बाजार का फीता काटकर शुभारंभ किया।

मंत्री रावत ने हाट बाजार में आर्य बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा लगाऐं गए हस्तनिर्मित सामग्री की प्रत्येक स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने हस्तशिल्प कारीगरों को बढ ावा देने के लिए राजीविका व रूडा के माध्यम से उनको प्लेटफार्म उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बेटियों द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित सामग्री की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि बेटियां हर क्षेत्रा में कामयाबी की नई इबारत लिख रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बाजार से विद्यार्थियों को अपनी कला दिखाने का प्लेटफार्म

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत ने हाट बाजार में आर्य बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा लगाऐं गए हस्तनिर्मित सामग्री की प्रत्येक स्टॉल का अवलोकन किया।

मिलता है जिससे हस्तनिर्मित कला प्रोत्साहन मिलता है। छात्राओं द्वारा हाट बाजार में हस्तनिर्मित गमलें, वॉल हैगिंग, फोटो फ्रेम, पैन स्टैण्ड, पूजा थाली, झूमर, मोमबत्ती, लैम्प, दिया स्टैण्ड तथा बांदरवाल को देखकर मंत्री श्रीमती रावत ने छात्राओं की कला की सराहना कर कहा कि बचपन की कला कभी समाप्त नहीं हो सकती है।

उन्होंने हाट बाजार से खरीददारी कर 225० रूपयें की सामग्री खरीदी। उन्होंने हाट बाजार में छात्राओं द्वारा लगाए गए फास्ट फूड काउंटर का भी अवलोकन किया।

मंत्री रावत ने हाट बाजार में छात्राओं द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित सामग्री को देखते हुए कहा कि राज्य सरकार लघु उद्योगों का बढ ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छात्राओं की मांग पर इनकों लघु उद्योग स्थापित करने के लिए उद्योग विभाग से ट्रेनिंग दिलाई जाएगी और सरकार द्वारा लघु उद्योग के क्षेत्रा में चलाई जा रही योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस अवसर पर बीसूका उपाध्यक्ष योगेश मिश्रा, पूर्व यूआईटी चेयरमैन प्रदीप आर्य, पार्षद प्रीतम मेंहदीरता, रिपुदमन गुप्ता, रामस्नेही शर्मा, के.के खण्डेलवाल, साजिद खान, बीडी गुप्ता, आर्य विद्यालय समिति से कमला शर्मा सहित समस्त स्कूली स्टॉफ व बडी संख्या में स्कूली छात्राऐं उपस्थित रही।

दौड़ प्रतियोगिता व रक्तदान शिविर

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहीद महेश कुमार निठारवाल ग्राम पंचायत हांसपुर की चतुर्थ पुण्यतिथि पर दौड प्रतियोगिता व स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। राजेश निठारवाल ने बताया कि दौड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मैशी कटारिया पिलानी, द्वितीय स्थान अजय वर्मा नालोट, तृतीय स्थान अशोक गौरा पूर्व घोषित पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया वहीं चतुर्थ व पंचम स्थान पाने वाले को 150 रूपए ईनाम तथा छटवे से ग्यारहवे तक स्थान प्राप्तकर्ता प्रत्येक को 100 रू ईनाम के साथ मोवमेंटो व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शहीद की स्मृति में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में पुष्पा देवी मेमोरियल ब्लड बैंक जयपुर की टीम द्वारा रक्त संग्रहण किया गया जिसमें 123 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। कार्यक्रम में डा. वीरेंद्र कुमार सैनी एमजी कॉलेज, डा. माधव सिंह एम एस हॉस्पिटल श्रीमाधोपुर, डा. मंगल यादव गीताजंली हॉस्पिटल अजीतगढ, कैलाश, प्रभात राम सामोता पूर्व कैप्टिन, पूर्व सरपंच मोहन लाल आदि उपस्थित थे।

प्रतिभावानों का सम्मान

कोटपूतली, (निसं)। डाबला रोड स्थित राजपूताना पी.जी. महाविधालय के स्नातकोत्तर कक्षाओं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विधार्थियों का मंगलवार को निदेशक महेन्द्र चौधरी द्वारा सम्मान किया गया।

इस वर्ष महाविधालय के सोना टेलर, सुरभि अग्रवाल, कविता चौधरी, मुनेशी, संजय यादव, रितिशा, रोहिताश मीणा, पूजा कुमारी, शिवानी कसाना, प्रिया जांगिड, अंकिता यादव, मनीष जाट, ज्योति कुमारी यादव, हेमलता, सीमा, मोनिका, अंकित यादव, सुमन कुमारी, प्रिति, यशस्वी शर्मा, वन्दना, दिनेश कुमार, मधू सैनी ने सफलता अर्जित की है। सभी का मार्ल्यापण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन से हुई। संचालन उप प्राचार्य उमराव लाल ने किया। इस दौरान सहायक प्रोफेसर आर.पी. धोलीवाल, विजय सिंह, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, संतोष सैनी, कविता साहनी, सुरक्षा शर्मा, रामप्रताप, रामपाल यादव, भारत सैनी, राधेश्याम मोरवाल, दिनेश निमोरिया, अरविन्द कुमार, अशोक यादव, भावना जोशी, पार्वती, के.एन. वर्मा, हेमन्त सैनी, बीना चौपडा, ज्योति बायला आदि स्टॉफ सदस्य व विधार्थी मौजूद रहे।

सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

टोंक, (निसं)। नगर परिषद आयुक्त अनिता खींचड ने मंगलवार को शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण में शहर में जगह-जगह गन्दगी के ढेर पाये जाने पर सम्बन्धित जमादारों एवं सफाई निरीक्षक को सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से चलाये जाने हेतु निर्देशित किया साथ ही अधिशाषी अभियन्ता को क्षतिग्रस्त सडकों पर पेचवर्क करवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, जिसकी पालना में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि देवली रोड घन्टाघर से नोशे मियाँ के पुल तक का पेचवर्क कार्य पूर्ण हो चुका है, शेष पेच वर्क कार्य भी 21 अक्टूबर से पूर्व करने हेतु अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया।

रसद विभाग ने की कार्रवाई

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु अलवर शहर के दो स्थानों पर कार्रवाई की गई। जिला रसद अधिकारी जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि सब्जी मण्डी पुल के नीचे स्थित मिथलेश उर्फ बिहारी की दुकान मैसर्स सुहानी गैस चूल्हा सर्विस द्वारा घरेलू गैस की अवैध रिफिल की जा रही थी जिसकी मौके पर जांच की गई। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान मौके 9 घरेलू गैस सिलेण्डर, 4 मोटर, 7 रेग्यूलेटर तथा एक वजन तोलने की मशीन मिलने पर कब्जे में लिए गए। उन्होंने बताया कि अलवर के कच्ची बस्ती धोबी गट्टा निवासी अनिता देवी पत्नी लक्ष्मण सैनी के घर पर स्थित मिठाई के कारखाने में घरेलू गैस सिलेण्डर्स का व्यावसायिक दुरूपयोग पाया गया। अवैध रूप से भण्डारण किये हुए 5 घरेलू सिलेण्ड कब्जे में लिए गए। उन्होंने बताया कि दोनों कार्रवाइयों में मिले सिलेण्डर आदि को मैसर्स ज्योति गैस सर्विस को सुपुर्द किया गया।

दीपोत्सव पर कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च

कोटपूतली, (निसं)। दीपोत्सव के पर्व पर मजबूत कानून व्यवस्था को लेकर मंगलवार को कस्बे में थाना पुलिस व आरएएफ जवानों की टुकडी द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। कस्बा स्थित पुलिस थाना से डीएसपी डॉ. संध्या यादव व एसएचओ सवाई सिंह के नेतृत्व में पुलिस जवानों के साथ-साथ आरएएफ के 75 जवानों की टुकडी निरीक्षक श्रीराम शर्मा के निर्देशन में विभिन्न मार्गो से होती हुई मुख्य चौराहे पर पहुँची।

प्रैस से बातचीत में डीएसपी डॉ.संध्या यादव ने कहा कि 5 दिवसीय त्यौहारों के समय को ध्यान में रखते हुए कानून व्यवस्था व शांति बनाये रखने के लिए मार्च निकाला है। उल्लेखनीय है कि दीपावली के समय में मुख्य बाजारों में खरीददारी के लिए लोगों की भीड उमडती है। ऐसे में छीना झपटी, चोरी, चौन स्नेचिंग, छेडछाड आदि की वारदात सामने आती है। ऐसे में असामाजिक, गुण्डों व बदमाश तत्वों को संदेश देने के लिए पुलिस ने मुख्य मार्ग से मार्च निकाला। अधिकारियों ने कहा कि त्यौहारों के समय में कानून व्यवस्था बिगाडने वालों से सख्ती के साथ निपटा जायेगा। वहीं दुसरी ओर आरएएफ के फ्लैग मार्च से व्यापारियों में खलबली भी देखने को मिली। उल्लेखनीय है कि कस्बे में नगर परिषद् द्वारा मास्टर प्लान के तहत सडकों की चौडाई बढ ाने व विस्तारीकरण के लिए निरन्तर कार्यवाही की जा रही है। प्रथम चरण की कार्यवाही में मुख्य चौराहे से अग्रसेन तिराहा व राजकीय सरदार विधालय से शनि मंदिर तक तोडफोड की कार्यवाही की गई है। वहीं द्वितीय चरण के तहत हाल ही में पूरानी नगर पालिका तिराहे से आजाद चौक तक व्यापारियों को नोटिस दिये गये है। जिसके तहत बाजार में यह अफवाह देखने को मिली कि जल्द ही आजाद चौक रोड पर तोडफोड की कार्यवाही की जाने वाली है। जिसको लेकर फ्लैग मार्च किया गया है। हालांकि डीएसपी ने इसका खण्डन करते हुए कहा कि मार्च का नगर परिषद् की कार्यवाही से कोई सम्बंध नहीं है।

जनप्रतिनिधि को जनता की अपेक्षा पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए : मंत्री परसादी लाल

लालसोट/मंडावरी, (निसं)। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने मंगलवार को वार्ड 26 लालसोट में व मंडावरी नगर पालिका में कचहरी में नव स्वीकृत शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के नए बनने वाले भवनों की आधारशिला रखकर एक सडक की शिलान्यास पट्टिका का अनावरण कर कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में चिकित्सा मंत्री द्वारा पार्षदों एवं विभिन्न जगहों पर लगाए जाने वाले सूचना बोर्ड का भी लोकार्पण किया।

शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मीणा ने कहा कि राजस्थान प्रदेश पूरे देश में एकमात्र ऐसा राज्य है जो मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में पंजीकृत मरीज को दस लाख रुपए तक की चिकित्सा सुविधा को निशुल्क प्रदान करता है। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा

चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने मंडावरी व लालसोट में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवनों का शिलान्यास किया।

कि प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राजस्थान जैसे चिकित्सा मॉडल को पूरे देश में लागू करने के लिए कई बार कहा लेकिन आज तक इसे लेकर प्रधानमंत्री तक कोई फैसला नहीं ले पाए हैं। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्रदेश को पहली बार ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जिन का नारा है तुम मांगते मांगते थक जाओगे लेकिन मैं देता देता नहीं थकूंगा। मंत्री मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत का लालसोट विधानसभा क्षेत्र पर असीम प्रेम है इसी का नतीजा है कि लालसोट विधानसभा क्षेत्र को

- लालसोट व मंडावरी में शहरी पीएचसी का शिलान्यास

जिला अस्पताल मदर केयर चाइल्ड सेंटर सहित नई थाने तहसील कॉलेज एवं चिकित्सा के क्षेत्र में जो मांगा वह दिया है।

इस दौरान पिछले नगर पालिका की साधारण सभा की बैठक में कुछ पार्षदों द्वारा बैठक छोडकर बाहर आने पर तंज कसते हुए चिकित्सा मंत्री मीणा ने पार्षदों से कहा कि जनता बडी उम्मीदों के साथ जनप्रतिनिधि को चुनकर भेजती है तो जनप्रतिनिधि को जनता की अपेक्षा पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा जनप्रतिनिधियों को भू माफियाओं के इरादों को पहचानने एवं उनसे दूरी बनाए रखने की भी नसीहत दी गई। शिलान्यास समारोह को चेयरमैन रक्षा मिश्र, नाथू लाल मीणा स्वायत शासन संस्था के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं खादी ग्रामोद्योग समिति के अध्यक्ष पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्र व पार्षद जय प्रकाश सैनी द्वारा भी संबोधित किया गया।

शिलान्यास समारोह के दौरान एसडीएम मोहर सिंह मीणा, अधिशासी अधिकारी मंडावरी नमन शर्मा पालिका लालसोट ईओ सीमा चौधरी, बीसीएमएचओ धीरज शर्मा, पूर्व पीसीसी सदस्य रामविलास खेमावास, वाइस चेयरमैन संतोष स्वामी सीएमएचओ सुभाष बिलोनिया, सीबीईओ गोविंद नारायण माली, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी बीएल मीणा, पार्षद सद्दाम हुसैन, सिराज मोहम्मद, चंद्रशेखर सोनी आदि कई पार्षद जनप्रतिनिधि शहरवासी मौजूद रहे।

सार-समाचार

300 बच्चों को स्वर्ण प्रासन्न दवा पिलाई

मालपुरा, (निसं)। आयुर्वेदिक विभाग उपनिदेशक डॉ. प्यारे लाल के निर्देशन में मंगलवार को मालपुरा शहर के पुरानी तहसील में संचालित राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में 27 साल बाद बने पुख्य नक्षत्र में नि:शुल्क स्वर्ण प्रासन्न दवा की दो बूंद 300 बच्चों को पिला आयुर्वेद को अपनाने का संदेश दिया। चिकित्सा प्रभारी डॉ. बनवारी लाल शर्मा व आंचल प्रसूता केन्द्र प्रभारी डॉ. ललीता वर्मा ने बताया कि स्वर्ण प्रासन्न दवा पिलाने हेतु विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में आंचल प्रसुता केन्द्रों को चुना गया है। टोंक जिले में एकमात्र मालपुरा में संचालित आंचल प्रसुता केन्द्र पर मंगलवार को यह शिविर आयोजित किया गया। जिसका शुभारम्भ एसडीएम रामकुमार वर्मा व एएसपी राकेश कुमार बैरवा ने 0 से 5 साल तक के बच्चों को दो बूंद स्वर्ण प्रासन्न की पिला शुभारम्भ किया। डॉ. ललीता ने बताया शंख पुष्पी गिलाई, स्वर्ण भष्म, ब्राह्मी आदि आयुर्वेदिक ओषधियों का मिश्रण कर स्वर्ण प्रासन्न तैयार किया गया है। इसके नियमित सेवन के साथ-साथ पुख्य नक्षत्र में सेवन करने से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। बच्चों की याददास्त बढ ती है। इस दौरान डॉ. शांति धाभाई, नर्सिंग स्टाफ शिवांगी राठोड, रेखा सिंह पंवार, आदर्श विद्या मंदिर प्रधानाचार्य पुरूषोतम शर्मा सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

पावटा, (निसं)। राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय पावटा में एलएसए के पद को यथावत रखने व उस पर एलएसए गोविंद भारद्वाज को यथावत रखने को लेकर श्री राम गौ सेवा समिति पावटा व आसपास के क्षेत्रों के गौभक्तों, ग्रामीणों सहित बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पावटा उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह को ज्ञापन सौंपा। समस्त गो सेवकों ने कहा कि यदि इनको यथावत नहीं रखा गया तो प्रशासन की अनुमति लेकर उग्र आंदोलन किया जायेगा। इस मौके पर पावटा प्रागपुरा चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, सामाजिक कार्यकर्ता रतन कुमार, तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष पावटा राजेश शर्मा, घीसाराम स्वामी, प्रागपुरा जीएसएस अध्यक्ष उपेंद्र सिंह, महेश धानका, लोकेश यादव प्रागपुरा, सोनू बंसल, रूपसिंह शेखावत, बद्री प्रसाद चौहान, नरेश स्वामी, मेघराज शर्मा, शंकर पंडित प्रागपुरा, शंकर पारीक, हेमंत सिंह, लोकेश यादव, आशु सेन, मुकेश बंसल, अशोक बंसल, कमलेश सेन सहित श्री राम गौ सेवा समिति प्रह्लाद सेन, नितेश शर्मा, साहिल टीलावत, अमन मिश्रा, हिमांशु शर्मा नयावासी, निखिल हरितवाल, पिंटू भंडारी सहित बडी संख्या में गौ भक्त मौजूद रहे।

सजावट द्वार का अवलोकन

किशनगढ बास, (निसं)। दीपावली सजावट को लेकर नगर पालिका की ओर से बाजार में लगाए स्वागत द्वार का अवलोकन करने पहुंचे ईओ महेश गुर्जर ने व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानन्द लखयाणी की ओर से दिए गए सुझाव पर ठेकेदार को निर्देश दिए और कहा तोरण द्वार ठीक से बनाएं जिससे सुंदर लगे। ठेकेदार की ओर से लगाए गए द्वार को लेकर संघ की ओर से की गई शिकायत पर ईओ अवलोकन करने पहुंचे थे। व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी ने बताया कि दीपावली पर नगर पालिका की ओर से शहर में कराई जाने वाली सजावट को लेकर पिछले दिनों व्यापारिक संगठनों ने नगर पालिका अधिकारी से शहर में मुख्य बाजार वे चौराहे पर रोशनी के साथ द्वार लगाए जाने के लिए आठाह किया। जिस पर नगर पालिका की ओर से बाजार में स्वागत द्वार लगवाएं गए। महज खानापूर्ति दर्शाते स्वागत द्वार को लेकर जब संघ अध्यक्ष ने अधिकारी को शिकायत की तो अधिकारी ने संघ अध्यक्ष के साथ जगह जगह लगाए गए स्वागत द्वार का अवलोकन किया और ठेकेदार को सजावट द्वार के लिए निर्देशित किया। इस दौरान नगर पालिका कर्मचारी एवं व्यापारी गण भी मौजूद रहे।

मीणा ब्रदर्स को पुरस्कार राशी व ट्रॉफी

बोराज, (निसं)। कस्बे के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में 18 दिवसीय बोराज नाइट प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह सोमवार नाइट में दूदू विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार बाबूलाल नागर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समारोह की अध्यक्षता सरपंच सुरेंद्र सिंह मीणा ने की। सोमवार नाइट को फाइनल मैच मीणा ब्रदर्स बोराज व चोमू जाटा वाली के बीच खेला गया जिसमें मीणा बादर्श बोराज टीम 101 रनों से जीत हासिल कर पुरस्कार राशि 111000 व ट्रॉफी पर कब्जा किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि भामाशाह व गो भक्त कमल मीणा शिरसी वाले, रघुवीर सिंह मीणा, जोबनेर पूर्व चेयरमैन राजेंद्र दायमा, गोपाल सांखला, रामस्वरूप कुमावत, आत्मा राम प्रजापत रहे। आयोजककर्ता सुनील मीणा विजेंद्र मीणा, अशोक मीणा, बंटी मीणा ने बताया कि प्रतियोगिता में क्षेत्र की 64 टीमों ने भाग लिया। अतिथियों ने विजेता टीम को 111000 व ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 51000 व ट्रॉफा, मैन ऑफ द सीरीज रहे विजेंद्र मीणा को रेफ्रिजरेटर, फाइनल मैच ऑफ द मैच विकास मीणा व प्रतियोगिता के बेस्ट प्लेयर का ईनाम अक्की मीणा को देकर सम्मान किया गया। वहीं आत्मा राम प्रजापत ने विजेता टीम के सभी खिलाडियों व उपविजेता टीम के कप्तान को चांदी का मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कासिम भाई, रिजवान, माता प्रसाद मीणा, रामकिशोर मीणा, राजेश सिरोया, उपसरपंच राजेश कुमावत, बंटी बैरवा, रवि गोठवाल सहित काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बैठक में विकास के मुद्दों को लेकर चर्चा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक का आयोजन मंगलवार को पंचायत समिति सभागार भवन में प्रधान रामकोरी देवी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। साधारण सभा की बैठक में विकास के मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में कार्यवाहक बीडीईओ मुकेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, जिला परिषद सदस्य मौजूद रहे। बैठक में गत साधारण सभा की कार्यवाही विवरण का अनुमोदन, मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना राजस्थान के तहत वार्षिक योजना 2022-23 तैयार करना, मनरेगा वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2023-24 का अनुमोदन, श्रम बजट का अनुमोदन सहित अन्य विषय को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी पंचायत इलाके में विकास के कार्यों को लेकर चर्चाएं की तथा पेयजल सहित अन्य समस्याओं को लेकर मौके पर उपस्थित अधिकारियों को अवगत करवाया। इस पर अधिकारियों ने कुछ समस्याओं का मौके पर ही तथा अन्य शेष प्रकरणों का जल्द ही समाधान करने का आश्वासन दिया। बैठक में पेयजल तथा सडक के दोनों और बीच रास्ते में आ रहे पेडों की कटाई सहित अन्य मुद्दों को लेकर चर्चाएं की। बैठक में सबसे अधिक पेयजल तथा सडक का मुद्दा छाया।

शिक्षकों का विदाई समारोह आयोजित

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पाछुडाला के गौरी सहाय हरनाथ का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (पावटा) में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भागीरथ सिंह मीणा व वरिष्ठ अध्यापक भागीरथ मल वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि ग्राम के प्रतिष्ठित व्यक्ति लालचंद मीणा व राजेन्द्र कुमार रहे। इस मौके पर प्रधानाचार्य भागीरथ सिंह मीणा की पदौन्नति व हिंदी विषय के वरिष्ठ अध्यापक भागीरथ मल वर्मा का अन्यत्र तबादला होने पर उनका साफा व माला पहनाकर सम्मान के साथ विदाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता लालचंद मीणा ने बताया कि राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा पाछुडाला ग्राम के प्रधानाचार्य भागीरथ मीणा की पदौन्नती होकर उन्हें कोटपूतली ब्लॉक में एसीबीईओ प्रथम के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं हिंदी विषय के व्याख्यता भागीरथ मल वर्मा का भी विद्यालय में बच्चों के प्रति शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा योगदान रहा जिनका अन्यत्र तबादल होने पर स्थानिय विधालय प्रांगण में सम्मान के साथ उन्हे विदाई दी गई। इस दौरान विद्यालय के कार्मिक महेश कुमार (ई. प्रधानाचार्य) रामकरण गुर्जर, नितेश कुमार छिपी, कैलाश चंद कुम्हार, हरीराम, लल्लूराम, योगेश, धर्मेन्द्र कुमार पीटीआई, वरिष्ठ अध्यापिका मंजू फुलवारी, जयराम, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, राजूसिंह सहित आंगनबाडी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

"बेशक कल हमारे लिए शुरुआत मुश्किल रही। कल के प्रदर्शन से हम सभी निराश हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज यह है कि हम ढिलाई नहीं बरतें और समाधान निकालने की कोशिश करें।"

- जेसन होल्डर

वेस्टइंडीज के क्रिकेटर, टी20 विश्व कप में टीम के प्रदर्शन को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मैथ्यू वेड

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने पिछले हफ्ते पर्थ में पहले टी20 के दौरान इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड को क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाने की बात स्वीकार की और कहा कि अगर विरोधी टीम अपील करती तो वह खुशी से मैदान से बाहर चले जाते। बाएं हाथ के बल्लेबाज वेड ने गेंद को हवा में खेला और फिर अपने हाथ खोल दिए जिससे कि वुड अपनी ही गेंद पर कैच नहीं लपक पाएं या रन आउट नहीं कर पाएं। वेड ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया लेकिन बाद में स्वीकार किया कि उन्होंने जब रीप्ले देखा तो उन्हें अपनी गलती समझ आई।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टेस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

एशिया कप 2023 के लिये पाकिस्तान नहीं जायेगी भारतीय टीम: शाह

मुंबई, 18 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय टीम एशिया कप 2023 के लिये पाकिस्तान नहीं जायेगी और टूर्नामेंट का आयोजन किसी तीसरी तटस्थ जगह किया जायेगा।

शाह ने यहां आयोजित बीसीसीआई की आम सभा के बाद कहा, एशिया कप 2023 का आयोजन किसी तीसरे स्थान पर होगा। मैं यह बात एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के तौर पर कह रहा हूं। हम (भारत) वहां (पाकिस्तान) नहीं जा सकते, वह भी यहां नहीं आ सकते। पहले भी एशिया कप का आयोजन तटस्थ जगह पर हुआ है।

एसीसी ने फिलहाल इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की है।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के अनुसार एशिया कप 2023 के अलावा चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 की मेज़बानी भी पाकिस्तान के पास है, जबकि भारत को विश्व कप 2023 की मेज़बानी करनी है। शाह के बयान से इन प्रतियोगिताओं के आयोजनों पर असर पड़ सकता है।

भारत ने 2006 से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। दोनों देशों की सरकारों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण 2012 से भारत-पाकिस्तान ने द्विपक्षीय क्रिकेट भी नहीं खेला है। बीसीसीआई ने पिछले हफ्ते राज्य संघों को भेजे गये वार्षिक आम सभा एजेंडा नोट में पाकिस्तान में 2023 एशिया कप का उल्लेख किया था, जिससे लगभग 15 वर्षों में पहली बार भारत की पाकिस्तान यात्रा की संभावना सामने आई थी।

भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी मैच अगस्त-सितंबर में 2022 एशिया कप में खेला गया था। दोनों टीमें 23 अक्टूबर को टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में भी आमने-सामने होंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाक ने दी अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से हटने की धमकी

कराची, 18 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह के एशिया कप को तटस्थ स्थल पर खेलने वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान ने मंगलवार को अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्वकप से हटने की धमकी दी।

एशियाई क्रिकेट परिषद (एससीसी) के कार्यकारी बोर्ड के फैसले के अनुसार पाकिस्तान को अगले साल एशिया कप की मेजबानी करनी है। संयोग से शाह एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष हैं।

शाह ने मुंबई में मंगलवार को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि भारत एशिया कप तटस्थ स्थल पर खेलेगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा के करीबी सूत्रों ने संकेत दिया कि शाह के बयान के बाद वह भारत में होने वाले वनडे विश्वकप से हटने पर विचार कर रहे हैं। पीसीबी के सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा," पीसीबी अब कड़ा फैसला लेने के लिए तैयार है क्योंकि वह यह भी जानता है कि अगर इन बड़ी प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान भारत से नहीं खेलता है तो आईसीसी और एसीसी को नुकसान होगा।"

भारत वैश्विक या महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान से खेलता रहा है लेकिन उसने 2008 में एशिया कप के बाद पाकिस्तान का दौरा नहीं किया। पाकिस्तान की टीम आखिरी बार 2012 में सीमित ओवरों की द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए भारत दौरे पर आई थी। पीसीबी से जब संपर्क किया गया तो उसने शाह के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया करने से इंकार कर दिया।

पीसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा," अभी हमें कुछ नहीं कहना है लेकिन हम परिस्थितियों पर गौर करेंगे और अगले महीने मेलबर्न में होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठक जैसे उचित मंच पर यह मसला उठाएंगे।"

हालांकि पता चला है कि पीसीबी अध्यक्ष राजा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शाह के बयान से काफी खफा है और उन्होंने कुछ कड़े फैसले लेने का निर्णय किया है। पीसीबी सूत्रों ने कहा रमीज राजा एसीसी को इस मसले पर कड़ा पत्र भेजेंगे और शाह के बयान पर चर्चा करने के लिए अगले महीने मेलबर्न में एसीसी की आपात बैठक बुलाने की मांग करेंगे।

सूत्रों ने कहा, 'एक विकल्प जिस पर विचार किया जा रहा है वह एसीसी से बाहर होना है क्योंकि जब एसीसी अध्यक्ष इस तरह का बयान देता है तो पाकिस्तान का उस संस्था में बने रहने का कोई मतलब नहीं है।"

बिन्नी बने बीसीसीआई के 36वें अध्यक्ष

मुंबई,18 अक्टूबर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी आधिकारिक रूप से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के 36वें अध्यक्ष बन गये हैं। बीसीसीआई ने मंगलवार को हुई वार्षिक आम सभा में इसका निर्णय लिया। बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में बताया कि राजीव शुक्ला बोर्ड के उपाध्यक्ष जबकि जय शाह सचिव के पद पर बने रहेंगे। देवजीत सैकिया को बोर्ड का सह-सचिव और आशीष शेलार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी पदाधिकारी वार्षिक आम सभा में निर्विरोध चुने गये।

भारत के लिये 27 टेस्ट और 72 एकदिवसीय मैच खेलने वाले बिन्नी इस पद पर सौरव गांगुली की जगह लेंगे जो 2019 में बोर्ड अध्यक्ष नियुक्त हुए थे। बिन्नी अगले साल भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप 2023 से पहले बोर्ड की कमान संभालेंगे।

इसी बीच, एम मजूमदार को बीसीसीआई के शीर्ष परिषद में आम सभा का प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। अरुण सिंह धूमल और अभिषेक डालमिया इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रतिनिधि नियुक्त किये गये। बोर्ड ने आम सभा में 2023-2027 के लिए सीनियर पुरुष भविष्य दौरा कार्यक्रम और 2022-2025 के लिए सीनियर महिला भविष्य दौरा कार्यक्रम को को मंज़ूरी दी। अगले साल होने वाले महिला आईपीएल को मंज़ूरी देने के अलावा वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट को भी अनुमोदित किया गया। बैठक की समाप्ति से पहले आम सभा के सदस्यों ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों के लिए निवर्तमान पदाधिकारियों, आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों एवं सभासदों के प्रयासों की सराहना की।

यूएई को हराकर श्रीलंका ने सुपर-12 की उम्मीदें ज़िन्दा रखीं

जीलॉन्ग, 18 अक्टूबर। श्रीलंका ने पथुम निसांका (74) के संयम भरे अर्द्धशतक के बाद दुश्मंता चमीरा (15/3) और वानिंदू हसरंगा (8/3) की धारदार गेंदबाजी से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के पहले दौर के मैच में मंगलवार को 79 रन से रौंद दिया। श्रीलंका ने ग्रुप-ए के मुकाबले में यूएई को 153 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में यूएई 73 रन पर ऑलआउट हो गयी। भारतीय मूल के गेंदबाज़ कार्तिक मयप्पन (19/3) ने हैट्रिक लेकर श्रीलंका के मध्यक्रम की धज्जियां उड़ा दीं। निसांका ने बिखरती हुई श्रीलंकाई पारी को संभालते हुए 60 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की बदौलत 74 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। श्रीलंका के गेंदबाजों ने 152 रन की रक्षा करते हुए यूएई के किसी भी बल्लेबाज़ को विकेट पर कदम नहीं जमाने दिये। यूएई के लिये अय्यान अफ़ज़ल ख़ान ने 19(21), चिराग़ सूरी ने 14(19), जबकि जुनैद सिद्दीकी ने 18(16) रन बनाये। इनके अलावा यूएई का कोई बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका और टीम 17.1 ओवर में 73 रन पर सिमट गई। चमीरा ने श्रीलंकाई गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए 15 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि हसरंगा ने आठ रन देर तीन विकेट निकाले। महीष तीक्षणा ने दो जबकि प्रमोद मदुशन और दसुन शनाका न एक-एक विकेट लिया। पहले मैच में नामीबिया के हाथों 55 रन से हारने के बाद श्रीलंका के लिये यह मुकाबला करो या मरो का था। श्रीलंका ने 79 रन की विशाल जीत के साथ रन रेट में भी इज़ाफ़ा किया है जिससे सुपर-12 में पहुंचने की उम्मीदें पुन: जीवित हो गई हैं।

यूएई जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो उसके पास श्रीलंकाई गेंदबाजों का कोई जवाब नहीं था। चमीरा ने अपने पहले दो ओवरों में मुहम्मद वसीम, आर्यन लाकडा और चंदनगपोइल रिज़वान को आउट करके यूएई के ऊपरी क्रम को धराशाई कर दिया। इसके बाद श्रीलंकाई स्पिनरों ने कमान संभाली। प्रमोद मदुशन ने सलामी बल्लेबाज सूरी को आउट किया जबकि कप्तान शनाका ने बासिल हमीद को पवेलियन भेजा। हसरंगा ने वृत्या अरविंद, अय्यान और काशिफ़ दाऊद का विकेट निकाला। तीक्षणा की गेंद पर मयप्पन के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आये जुनैद ने विकेट पर अपने समय का आनंद लिया। यूएई के 10वें नंबर के बल्लेबाज ने 16 गेंदों पर एक चौके और 109 मीटर के गगनचुंबी छक्के के साथ 18 रन बनाये। तीक्षणा की गेंद पर उनके आउट होने के साथ यूएई की पारी समाप्त हो गयी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 11 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 91 रन बना लिये थे और वह बड़े स्कोर की तरफ अठासर थी। 12वें ओवर में धनन्जय डी सिल्वा (33) के रनआउट होने के बाद मयप्पन ने 15वें ओवर में भानुका राजपक्षा, चरित असलंका और दसुन शनाका को आउट करके हैट्रिक पूरी की जिसने श्रीलंका की रनगति पर लगाम लगा दी।

रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड की विजय

गीलोंग, 18 अक्टूबर। नीदरलैंड ने बास डी लीड (30 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और विक्रमजीत सिंह के 39 रनों की बदौलत नामीबिया को आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले दौर के मुकाबले में मंगलवार को पांच विकेट से मात दी। नामीबिया ने ग्रुप-ए मैच में नीदरलैंड को 122 रनों का लक्ष्य दिया, जिसे डच टीम ने तीन गेंदें शेष रहते हुए हासिल कर लिया। नीदरलैंड 13 ओवर में 90/1 के स्कोर के साथ आसानी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी, लेकिन अगले चार ओवरों में उन्होंने केवल 12 रन बनाकर चार विकेट गंवाये। सेट बल्लेबाज मैक्स ओडॉ के रनआउट होने के बाद जेजे स्मिट ने टॉप कूपर और कॉलिन ऐकरमैन को आउट किया जबकि जैन फ्राइलिंक ने स्कॉट एडवर्ड्स का विकेट लिया जिससे मैच रोमांचक मोड़ पर आ खड़ा हुआ। इसके बाद डी लीड ने टिम प्रिंगल (09 नाबाद) के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। डी लीड ने 30 गेंदों पर दो चौकों के साथ नाबाद 30 रन बनाये और आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर दो रन भागकर नीदरलैंड को विजय दिलाई। नामीबिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी लेकिन उनकी पारी रफ्तार नहीं पकड़ सकी। फ्राइलिंक ने एक चौके और एक छक्के के साथ नामीबिया के लिये सर्वाधिक 43 रन बनाये, इसके लिये हालांकि उन्होंने 48 गेंदें खेलीं। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन ने 20(19) और स्टेफ़न बार्ड ने 19(22) रन बनाये। नीदरलैंड ने पिछले मैच की तरह ही कसी हुई गेंदबाजी की और आखिरी पांच ओवरों में 40 रन देने के अलावा कभी भी नामीबियाई बल्लेबाजों को हाथ नहीं खोलने दिये।डी लीड ने तीन ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिये जबकि रोलोफ़ वैन डर मरवे, पॉल वैन मीकरन, कॉलिन एकरमैन और टिम प्रिंगल ने एक-एक विकेट लिया।

बिना हिजाब पदक जीतने के बाद लापता हुई ईरानी एथलीट

सियोल/तेहरान, 18 अक्टूबर। आईएफएससी विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली ईरानी महिला एल्नाज रेकाबी बिना हिजाब के दक्षिण कोरिया में प्रतिस्पर्धा करने के बाद लापता हो गई हैं। एबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, 33 वर्षीय रेकाबी ईरान के इस्लामी गणराज्य के अनिवार्य हिजाब नियम की अवज्ञा करने वाली दूसरी महिला एथलीट हैं। बीबीसी के अनुसार, सोमवार की सुबह ईरानी टीम के दक्षिण कोरिया से रवाना होने के बावजूद रेकाबी के दोस्त रविवार रात से उससे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। रेकाबी ने फ्रांस स्थित यूरोपीय मीडिया आउटलेट यूरोन्यूज़ को 2016 में दिये गये साक्षात्कार में प्रतियोगिताओं के दौरान हिजाब पहनने पर कहा था, "शुरुआत में, यह अन्य एथलीटों के लिए थोड़ा विचित्र था। वे एक लड़की को लेकर उत्सुक थे जो उसके सिर पर एक स्कार्फ और एक ऐसी पोशाक पहने हुए थी जो इतने गर्म तापमान में बाहों और पैरों को ढकती थी। निश्चित रूप से गर्म मौसम में हिजाब एक समस्या बन जाता है।" उन्होंने कहा था, "प्रतियोगिता के दौरान आपके शरीर को गर्मी को बाहर निकालने की जरूरत होती है, लेकिन हमने खुद एक ऐसी पोशाक बनाने की कोशिश की है जो हिजाब का सम्मान करती है और चढ़ाई के खेल के अभ्यास के अनुकूल है।"

राजस्थान को 20 रन से हराकर मुंबई क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

राजकोट, 18 अक्टूबर। शानदार लय में चल रहे पृथ्वी साव की आक्रामक और यशस्वी जायसवाल की प्रभावशाली बल्लेबाजी से मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी मैच में मंगलवार को यहां राजस्थान को 20 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का किया। मुंबई ने छह विकेट पर 159 रन बनाने के बाद राजस्थान को सात विकेट पर 139 रन पर रोक दिया। ग्रुप ए के इस मैच में साव ने तीन चौके और दो छक्के की मदद से 17 गेंद में 32 और जायसवाल ने 27 गेंद में 46 रन बनाये। जायसवाल ने सात चौके और दो छक्के जड़े। मुंबई के लिए सरफराज खान (37) और शिवम दुबे (26) ने भी बल्ले से अच्छा योगदान दिया। राहुल चाहर राजस्थान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 18 रन देकर दो विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 47 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद लय हासिल नहीं कर सकी। मुंबई के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने चार ओवर में 12 रन देकर दो विकेट लिये। मोहित अवस्थी ने 29 रन देकर दो विकेट लिये। मुंबई के पांच मैचों में 20 अंक हो गये। ग्रुप चरण में टीम को अभी दो और मैच खेलने है। ग्रुप के अन्य मैचों में रेलवे ने असम को आठ विकेट हराया। मध्यप्रदेश ने मिजोरम को छह विकेट से शिकस्त दी।विदर्भ ने करीबी मुकाबले में उत्तराखंड को दो रन से हराया।

फ्रांस के करीम बेंजेमा ने जीता श्रेष्ठ फुटबालर का बैलेन डि ओर पुरस्कार

फ्रांस के करीम बेंजेमा को सोमवार को यहां दुनिया के श्रेष्ठ फुटबालर के रूप में बैलेन डि ओर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रियल मैड्रिड को पिछले वर्ष चैंपियंस लीग और ला लीगा में कामयाबी दिलाने वाले बेंजेमा 24 साल बाद यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाले पहले फ्रांसीसी फुटबालर हैं। इससे पहले जिनेदिन जिदान ने यह पुरस्कार जीता था। अब तक कुल पांच फ्रांसीसी फुटबालर यह ट्रॉफी जीत चुके हैं।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/जनसम्पर्क/2022/डी-वी-127 दिनांक : 18.10.2022

आम सूचना

निम्न योजनाओं के आवेदकों द्वारा अपनी सम्पत्ति के पट्टे/अन्य कार्यों हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं जिनका विस्तृत विवरण जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.urban.rajasthan.gov.in एवं जोन कार्यालय में देखा जा सकता है। इस संबंध में आपत्ति/सुझाव यदि हो तो 7 दिवस में मय दस्तावेज संबंधित उपायुक्त जोन कार्यालय में प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	जोन	भूखण्ड सं.	सोसायटी/योजना का नाम	आवेदक का नाम
1.	11	144-सी	जविप्रा की ग्राम-भम्भोरिया योजना नाम हस्तान्तरण हेतु।	श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री गोकुलचन्द
2.	11	99	जविप्रा की ग्राम-कलवाडा योजना नाम हस्तान्तरण हेतु।	श्रीमती सुमित्रा अग्रवाल पत्नी श्री निर्मल कुमार अग्रवाल
3.	11	68	जविप्रा की ग्राम-झांई योजना नाम हस्तान्तरण/लीजडीड हेतु।	श्री गुलराज जावा पुत्र श्री लक्ष्मण दास जावा जरिये मुख्त्यारआम श्री मंगलराम चौधरी पुत्र श्री भूराराम चौधरी
4.	11	1904	जविप्रा की ग्राम-पालडी परसा योजना नाम हस्तान्तरण हेतु।	श्री बनवारी लाल शर्मा पुत्र श्री केदार मल शर्मा
5.	11	926	निजी खातेदारी की ओमेक्स सिटी योजना नाम हस्तान्तरण हेतु।	डॉ. दीपक टाक पुत्र स्व. श्री कमल नायक टाक
6.	1	एफ-89	जविप्रा की सी-स्कीम योजना, नाम हस्तान्तरण हेतु।	श्री अशेष वैश्य
7.	1	बी-59	जविप्रा की झालाना फेज-।। योजना नाम हस्तान्तरण/पट्टा हेतु।	1. श्रीमती नानगी देवी 2. श्री बनवारी लाल 3. श्री बाबुलाल कायल 4. श्री नरेन्द्र धाणका 5. श्री कन्हैयालाल धाणका 6. संतोष 7. लाली
8.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	94ए साउथ पार्ट	श्री लक्ष्मी गृ.नि.स.स.लि. की मां हिंगलाज नगर-बी योजना लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	प्रतिभा जोशी/कैलाश जोशी
9.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	35 साउथ पार्ट	श्री महावीर स्वामी गृ.नि.स.स.लि. की रुप सागर योजना लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	सुनीता कंवर/शंकर सिंह
10.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	डी-502	अपोलो नगर हा.को.सो.लि. की जगदम्बा नगर-डी योजना लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	अशोक गहलोत/ गोपीराम गहलोत
11.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	58	श्री जनता को.आप.हाउ.सो.लि. की घनश्याम विहार-ए योजना, लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	अनुराधा शर्मा/ पीताम्बर दयाल शर्मा
12.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	56	मित्र गृ.नि.स.स.लि. की श्री राम विहार-बी योजना लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	विकास जाखड/ मूंगाराम जाखड
13.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	पी-60 साउथ पार्ट	श्री जनता हा.को.सो.लि. की श्याम एन्कलेव योजना लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	राजेश कुमार वर्मा/लछूराम
14.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	पी-60 मिडिल पार्ट	श्री जनता हा.को.सो.लि. की श्याम एन्कलेव योजना लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	मुकुंद बलाई/लछूराम
15.	पीआरएन उत्तर-द्वितीय	पी-60 उत्तरी भाग	श्री जनता हा.को.सो.लि. की श्याम एन्कलेव योजना लीजडीड/प्रतिस्थापन हेतु।	जगदीश नारायण/लछूराम
16.	12	ई-16	जविप्रा की हाथोज करधनी विस्तार योजना फ्री-होल्ड लीजडीड हेतु।	श्री प्रकाश शर्मा पुत्र स्व. कल्याण दत्त शर्मा
17.	पीआरएन दक्षिण-प्रथम	160सी	संयुक्त गृ.नि.स.स.लि. की डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर-ए योजना, लीजडीड हेतु।	श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री रुपनारायण पुरोहित
18.	4	738 एवं 737	न्यू पिंकसिटी गृ.नि.स.स. की सिद्धार्थ नगर-ए योजना नाम हस्तान्तरण/लीजडीड हेतु।	श्री नय्यर आलम आजमी पुत्र श्री एजाज अहमद
19.	4	61	किसान गृ.नि.स.स.लि. की स्कीम नं. 2 इनकम टैक्स कॉलोनी योजना, लीजहोल्ड से फ्री-होल्ड हेतु।	श्री अनुराग चारण पुत्र श्री खेत सिंह
20.	4	61	अमृतपुरी गृ.नि.स.स.लि. की विप्र विहार योजना लीजहोल्ड (पट्टा विलेख) हेतु।	श्री मुकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री बिहारी लाल शर्मा
21.	5	440	पथिक भवन गृ.नि.स.स. की कटेवा नगर योजना नाम हस्तान्तरण हेतु।	श्रीमती राधा देवी पत्नी स्व. श्री मोहन सिंह
22.	5	86	श्री महाराजा गोपालपुरा गृ.नि.स.स. की प्रेम नगर स्कीम नं. 4 योजना, नाम हस्तान्तरण हेतु।	श्री रतन सिंह नरुका पुत्र श्री प्रभू सिंह
23.	6	36	श्री गणपति गृ.नि.स.स. की गोविन्द नगर योजना लीजडीड हेतु।	श्री महादेव प्रसाद सैनी पुत्र श्री कालूराम
24.	6	39-40	महादेव नगर गृ.नि.स.स. की हनुमान वाटिका योजना फ्री-होल्ड पट्टा लीजडीड हेतु।	श्रीमति सीता देवी पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा
25.	6	101	मोती भवन गृ.नि.स.स. की 11बी सुदामापुरी योजना फ्री-होल्ड पट्टा लीजडीड हेतु।	श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री जगदीश सिंह
26.	6	एस-385	मोती भवन गृ.नि.स.स. की 4एस माचडा योजना लीजडीड हेतु।	श्री चौथमल कुमावत पुत्र श्री गणेश नारायण कुमावत
27.	12	413	जविप्रा की बिन्दायक योजना फ्री-होल्ड पट्टा हेतु।	प्रिया सिन्धी पत्नी श्री हरीश कुमार सिन्धी
28.	12	86	जविप्रा की बिन्दायक योजना फ्री-होल्ड पट्टा हेतु।	राजेश शर्मा पुत्र श्री प्रेम स्वरुप शर्मा
29.	12	263	जविप्रा की बिन्दायक योजना फ्री-होल्ड पट्टा हेतु।	श्री रितेश कुमार तिवाडी पुत्र श्री अमरनाथ तिवाडी
30.	12	85	जविप्रा की बिन्दायक योजना फ्री-होल्ड पट्टा हेतु।	श्रीमती अलकता शर्मा पत्नी श्री राजेश शर्मा
31.	पीआरएन दक्षिण-द्वितीय	10 & 11A 10 & 11	हसनपुरा-ए गृ.नि.स.स.लि. की ज्ञान विहार योजना लीजडीड हेतु।	सरिता सिंह
32.	पीआरएन उत्तर-प्रथम	46	हथरोईगढ़ी गृ.नि.स.स. की नारायणपुरी-सी योजना लीजडीड हेतु।	श्रीमती ग्यारसी देवी पत्नी श्री लल्लूराम
33.	पीआरएन उत्तर-प्रथम	47	हथरोईगढ़ी गृ.नि.स.स. की नारायणपुरी-सी योजना लीजडीड हेतु।	श्रीमती अनुपमा पत्नी श्री मुकेश
34.	पीआरएन उत्तर-प्रथम	29	हथरोईगढ़ी गृ.नि.स.स. की नारायणपुरी-सी योजना लीजडीड हेतु।	श्री फूलचन्द चौधरी पुत्र श्री सुजाराम चौधरी
35.	पीआरएन उत्तर-प्रथम	33	हथरोईगढ़ी गृ.नि.स.स. की नारायणपुरी-सी योजना लीजडीड हेतु।	श्री अंकित कटारिया पुत्र श्री रामेश्वर कटारिया
36.	पीआरएन उत्तर-प्रथम	200 वेस्ट पार्ट, 200 ईस्ट पार्ट	भैरव गृ.नि.स.स. की हनुवन्त नगर योजना लीजडीड हेतु।	लक्ष्मी कन्सट्रक्शन जरिये प्रोपराईटर श्रीमती मंजु कंवर पत्नी श्री भवानी सिंह
37.	4	सी-1, सी-1ए, सी-1बी, सी-1सी, सी-1डी, सी-2 से सी-4, सी-4ए, सी-5 से सी-7, सी-8बी, सी-8ए, सी-8 से सी-11, सी-12ए, सी-12 से सी-15, सी-15ए, सी-16, सी-17, सी-17ए, सी-18, सी-19ए, सी-19 से सी-21, सी-21बी, सी-21ए, सी-22, सी-22ए, सी-23, सी-23ए, सी-24 से सी-27, सी-27ए, सी-28, सी-28ए, सी-29 से सी-32, सी-33ए, सी-33 से सी-36, सी-36ए, सी-37, सी-37ए, सी-38, सी-38ए, सी-39 से सी-46	नागरिक विकास, समिति की श्रीजी नगर ब्लॉक-सी योजना की सदस्यता सूची नियमन हेतु।	–
38.	6	1 से 5, 6-ए, 7 से 23, 23-बी, 25 से 32, 32-ए, 35, 38, 39, 39-ए	भैरव गृ.नि.स.स. की उद्योग नगर विस्तार योजना की सदस्यता सूची नियमन हेतु।	–

लोक सूचना

क्र.सं.	जोन	खसरा सं.	सोसायटी/योजना का नाम	आवेदक का नाम
1.	14	282, 288, 730/286, 732/287	ग्राम-खेडा जगन्नाथपुरा, चाकसू (जयपुर) की भूमि का शैक्षणिक प्रयोजन के उपयोग हेतु।	श्रीमति Vimukti Sansthan Through Treasurer Ms. Manisha Gautam W/o Shri Sunil Gautam
2.	8	4101, 4102, 4102/4936, 4102/4935, 4103/2, 4104/2	ग्राम-सांगानेर कस्बा, सांगानेर (जयपुर) की भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु।	Kamlesh, Kalyan Sahai, Govind Ram, Babu Lal, Bhanwar Lal, Laxmi Devi, Moti Lal
3.	8	4101/1	ग्राम-सांगानेर कस्बा, सांगानेर (जयपुर) की भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु।	Babu Lal
4.	8	4101/2		Kalyan Sahai
5.	8	4101/3		Moti Lal
6.	8	4101/4, 4101/2, 5281/4102, 5280/4102, 4104/1	ग्राम-सांगानेर कस्बा, सांगानेर (जयपुर) की भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु।	Kamlesh
7.	8	4101/5, 4102/1, 5279/4102	ग्राम-सांगानेर कस्बा, सांगानेर (जयपुर) की भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु।	Bhanwar Lal, Laxmi Devi
8.	8	4103, 4104	ग्राम-सांगानेर कस्बा, सांगानेर (जयपुर) की भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु।	Govind Ram
9.	6	1026 1026/1126	ग्राम-माचडा, आमेर भैरव गृ.नि.स.स. की अनुपम विहार योजना की भूमि को पर्यावसित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुर्नग्रहित करने हेतु।	–
10.	6	652 653	ग्राम-झोटवाडा, तहसील-जयपुर ओमशिव गृ.नि.स.स. की चमनबाडी योजना की भूमि को पर्यावसित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुर्नग्रहित करने हेतु।	चौथमल पुत्र बालाबक्श
11.	6	522/1, 521/593	ग्राम-चरण नदी, तहसील-जयपुर शंकर भवन गृ.नि.स.स. की महादेव नगर योजना की भूमि को पर्यावसित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुर्नग्रहित करने हेतु।	–
12.	6	521/594, 523/1	ग्राम-चरण नदी, तहसील-जयपुर शंकर भवन गृ.नि.स.स. की महादेव नगर योजना की भूमि को पर्यावसित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुर्नग्रहित करने हेतु।	सोनू पुत्र महादेव
13.	6	520		काना पुत्र रामू
14.	6	738	ग्राम-नांगल जैसा बोहरा, तहसील-जयपुर शंकर भवन गृ.नि.स.स. की प्रताप नगर योजना की भूमि को पर्यावसित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुर्नग्रहित करने हेतु।	गोपाल लाल पुत्र प्रताप हि. 1/2, पांची पत्नी प्रताप हि. 1/2
15.	6	750, 751		कल्याण पुत्र ग्यारस्या हि. 1/2 काना पुत्र ग्यारस्या हि. 1/2
16.	9	137/104, 142/103, 143/103 149/138	ग्राम-गोविन्दपुरा उर्फ चक करोल, तहसील-सांगानेर, जिला-जयपुर की भूमि का गैर-कृषिक (वाणिज्यिक पैट्रोल पम्प) प्रयोजन के उपयोग हेतु।	श्रीमती शांति मीना पत्नि श्री मंगलिया लाल मीणा, हिस्सा पूर्ण
17.	11	695/36	ग्राम-मदाऊ, सांगानेर (जयपुर) की भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु।	श्री राधागोविन्द लश्करी पुत्र श्री बंशीधर लश्करी
18.	11	693/36	ग्राम-मदाऊ, सांगानेर (जयपुर) की भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु।	अमन बाजोरिया पुत्र विष्णु बाजोरिया
19.	10	10070/2972, 10073/2972, 2973/2, 7841/9352, 10071/2972, 10072/7841, 10074/2972, 2972/9259, 2972/9346, 2973, 2973/3, 2974, 2975, 2976, 7565/9677	ग्राम-आमेर, आमेर (जयपुर) की भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु।	M/s Royal Rajpuria Resort Private Limited

राज. संवाद/सी/2022-23/9332

सचिव

'जिन्होंने आलाकमान को ललकारा,वह बैकफुट पर हैं'

'विधानसभा से त्यागपत्र देना उनकी भारी गलती थी, इस बात को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करें'

- दिव्या मदेरणा ने फिर साधा इस्तीफा देने वाले कांग्रेस विधायकों पर निशाना।
- इस्तीफा प्रकरण पर विधानसभा अध्यक्ष की चुप्पी, लेकिन जोशी से मिलकर आए भाजपा नेताओं ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष कह रहे हैं नियम देखकर ऐसा निर्णय करूंगा, जिसकी नज़ीर संसदीय इतिहास में दी जाएगी।
- सारे प्रकरण के बीच पायलट ने अपनी आर्मी यूनिट, दिल्ली कैंट स्थित सिख रैजिमैंट की यूनिट में ड्यूटी दी।

जयपुर, 18 अक्टूबर (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के भीतर पायलट और गहलोत गुट के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। गहलोत ने जहा खुद मोर्चा संभाल रखा है, तो पायलट खुद चुप्पी साधे हुए हैं। इधर कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने भाजपा नेताओं के बयान का हवाला देकर समानांतर बैठक करने वाले नेताओं पर फिर निशाना साधा और कहा कि जिन्होंने आलाकमान को ललकारा वो बैकफुट पर है।

इस बीच सचिन पायलट सियासी विवाद से अलग दिल्ली में आर्मी कैंट में नजर आए। मंगलवार को अपनी आर्मी ड्यूटी के लिए पहुंचे पायलट ने कैप्टन की यूनिफॉर्म में फोटो ट्विटर पर शेयर किए। इन्हें काफी पसंद किया जा रहा है।

पायलट ने दिल्ली कैंट में सिख रेजिमेंट की यूनिट में पहुंचकर कुछ समय ड्यूटी दी। पायलट ने रेजिमेंट के अफसरों और जवानों से मुलाकात की और कामकाज के बारे में चर्चा की। पायलट को 124 सिख रेजिमेंट अलॉट है। पायलट दिल्ली दौरे के समय साल में कई बार अपनी यूनिट में जाते हैं और बैठकों में शामिल होते हैं। आज भी इसी सिलसिले में पायलट अपनी यूनिट गए थे। सचिन पायलट ने सितंबर 2012 में केंद्रीय मंत्री रहते हुए टेरिटोरियल आर्मी में बतौर लेफ्टिनेंट जॉइन किया था। पिछले साल दिसंबर में ही पायलट को कैप्टन के पद पर प्रमोशन मिला था।

इधर एक बार फिर समानान्तर विधायक दल की बैठक बुलाने और उसके बाद विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे देने तथा इस मुद्दे पर डॉ. सी.पी. जोशी से मिलने के बाद उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का हवाला देते हुए कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने फिर निशाना साधा है। दिव्या ने कहा कि "मेरी बात को दोहराते हुए कि जिन्होंने आलाकमान को ललकारा, वह आज बैकफुट पर हैं। त्यागपत्र देना भारी गलती थी, इस बात को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करे।" इसी का साथ दिव्या ने ट्विटर पर यह भी लिखा कि " इतिहास गवाह है आलाकमान से जो टकराएगा, चूर-चूर हो जायेगा! अपने हित के लिए पार्टी बदलना अवसरवाद की श्रेणी में आता है तो अपने हित के लिए इस्तीफ़ा नौटंकी और दबाव की राजनीति करना भी अवसरवाद की श्रेणी में ही आता है।"

हालांकि इस्तीफा प्रकरण पर स्पीकर जोशी अभी तक चुप्पी साधे हुए हैं लेकिन उनसे मिल कर आए भाजपा नेताओं ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष कह रहे हैं नियमों के अनुसार ऐसा करूंगा, जिसकी नजीर संसदीय इतिहास में दी जाएगी।

डार्क वैब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है क्योंकि बहुत बड़ी आबादी इसकी आदी है। पिछले एक साल में ही करीब 30,000 करोड़ रू. की कीमत की ड्रग्स जब्त की गईं, जबकि यह जब्ती तो ड्रग के विशाल व्यवसाय का एक कण मात्र ही है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि कोरियर तथा डाक सेवाओं से की गई रिकवरी 3 गुना बढ़ गई है।

सी.ए.जी. के अनुसार, 70 प्रतिशत ड्रग भारत में समुद्री रास्तों से प्रवेश करती हैं। गश्ती दलों की रिपोर्ट मोह भंग करने वाली है।

सचिन पायलट मंगलवार को अपनी आर्मी ड्यूटी के लिए दिल्ली कैंट की सिख रेजिमैंट की यूनिट में पहुंचे। जहां उन्होंने कुछ समय ड्यूटी दी और रेजिमैंट के अफसरों और जवानों से मुलाकात की।

'जयललिता की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके डॉक्टर के.एस. शिवाकुमार, तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री सी. विजय भास्कर तथा तत्कालीन स्वास्थ्य सचिव जे. राधाकृष्णन की भूमिका दोषपूर्ण पाई है। प्रसंगवश बता दें कि मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने से कुछ घंटे पहले ही, शशिकला जेल भेज दी गई थीं क्योंकि वे आय से अधिक सम्पत्ति के मामले में दोषी पाई गई थीं तथा उन्हें 2017 में चार वर्ष की जेल हो गई थी। उसके बाद शशिकला से सब कुछ छिन गया। उन्हें पार्टी से निष्काषित कर दिया गया था तथा पार्टी में पुन: प्रवेश के उनके सारे प्रयास असफल रहे।

अब, जाँच आयोग की रिपोर्ट आज विधानसभा के पटल पर रखे जाते ही अन्नाद्रमुक विचित्र किन्तु उत्तेजनापूर्ण स्थिति में आ गई, क्योंकि अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम ने भी ऐसे पर्याप्त संकेत दिये थे कि पार्टी में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं हैं तथा जयललिता के इलाज तथा उन्हें मृत्यु तक पहुँचाने वाली परिस्थितियों से संबंधित मुद्दे तो हैं ही। लेकिन पार्टी में उनके विरोधी तथा तत्कालीन मुख्यमंत्री इडापड्डी पलानी स्वामी के साथ तालमेल के बाद, उन्होंने अपने स्वर बदल लिये। जयललिता को 22 सितम्बर 2016 को चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था और हृदय की गति अचानक रूक जाने के एक दिन बाद 5 दिसम्बर को उनकी मौत हो गई थी। ऐम्स, यू.के. और यू.एस.ए. के विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित डॉक्टर्स की एक टीम ने उनका उपचार किया था।

अरूमुगम आयोग ने तत्कालीन मुख्य सचिव राम मोहन राव की भी "आपराधिकता" पायी थी, जिन्होंने प्रक्रियात्मक पहलुओं को लेकर विभिन्न तिथियों में 21 फार्मों पर अपने हस्ताक्षर किए थे। आयोग ने कहा कि "वास्तव में यह मानवीय त्रुटि है और वह उसका परिणाम भुगतेंगे, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें स्वर्गीय मुख्यमंत्री का जीवन जुड़ा हुआ था। अत: जाँच का आदेश दिया जाएगा।"

आयोग ने कहा कि "अपोलो अस्पताल के चेयरमैन डॉ. प्रताप सी. रेड्डी अपने कर्त्तव्यों से बंधे थे और अपनी पूरी समझ से वास्तविक तथ्य बताने को अधिकृत थे, लेकिन उन्होंने सच नहीं बोला। उन्होंने एक पत्रकार सम्मेलन में यह ग़लत बयान दिया कि जयललिता को अस्पताल से कभी भी डिस्चार्ज किया जा सकता है।" आयोग ने यह भी दावा किया कि डॉ. रेड्डी स्वर्गीय मुख्यमंत्री के हृदय रोग और उन्हें दिए जा रहे उपचार के बारे में अक्सर वास्तविक तथ्य बताए बिना बीफ्रीग्स जारी किया करते थे। अब यह सरकार पर निर्भर है कि वह इस मामले की छानबीन को लेकर क्या निर्णय लेती है।"

मजेदार बात यह है कि अरूमुगा स्वामी आयोग की मैडिकल रिपोर्ट्स में सहायता के लिए गठित ऐम्स के मैडिकल पैनल ने पहले अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी जिनमें जयललिता को दिए गए उपचार को लेकर अपोलो हॉस्पिटल को क्लीन चिट दी गई थी। ऐमस पैनल ने अस्पताल के फायनल डायग्नॉसिस से भी सहमति जतायी थी।

श्रीलंका के शेहान करुणातिलका को उनके उपन्यास "द सेवन मून्स ऑफ माली अल्मेडा" के लिए इस वर्ष का बुकर पुरस्कार प्राप्त हुआ है। लेखक की इस उपलब्धि से भीषण आर्थिक मंदी से जूझ रहे इस देश में सकारात्मक और उत्साहवर्धक मौहाल बन गया है। करुणातिलका को, अंग्रेजी भाषा के साहित्यिक पुरस्कार के साथ, क्वीन कंसोर्ट कैमिला से ट्रोफी सहित 50,000 पाउंड का पुरस्कार भी मिला है। श्रीलंका में 1990 के दौरान चल रहे गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि वाला यह उपन्यास समलैंगिक युद्ध फोटोग्राफर और जुआरी माली अल्मेडा के बारे में है। करुणातिलका ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए कहा, श्रीलंका समझ गया है कि भ्रष्टाचार, नस्ल-विरोधी और क्रोनिज़्म के विचारों ने काम नहीं किया है तथा कभी भी काम नहीं करेगा।

कांग्रेस विधायकों द्वारा दिए गए इस्तीफों पर भाजपा विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी को ज्ञापन सौंपकर उचित निर्णय लेने का अनुरोध किया

डॉ. पूनिया ने कहा, "हमारा ऐतराज यह है कि जब इस्तीफे दे दिए हैं तो राजस्थान में सरकार कौन चला रहा है?"

- उन्होंने यह भी कहा कि, "बहुमत से फैसला करते हैं तो राज्य में सरकार 20 लोग तो चला नहीं रहे ये कहते हैं कि, 102 का बहुमत हमारे पास है तो जब 90-91 विधायकों ने इस्तीफा दिया, तो सरकार अल्पमत में आ ही जाती है।"

जयपुर, 18 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान में राज्य सरकार का समर्थन कर रहे लगभग 91 विधानसभा सदस्यों द्वारा 25.09.2022 को विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए सामूहिक त्यागपत्र के उपरान्त भी संवैधानिक पद पर बने रहने के संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित भाजपा विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) डॉ. सी.पी. जोशी से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा और उनसे उचित निर्णय लेने का अनुरोध किया।

बाद में सतीश पूनिया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, 2018 में कांग्रेस के बिखराव की शुरुआत जो राजभवन से हुई थी की परिणिति राजद्रोह के मुकदमों, पीसीसी चीफ एवं डिप्टी चीफ मिनिस्टर की बर्खास्तगी और बाड़ाबंदी के रूप में हुई, उसकी परिणति चिट्ठी पत्री में, सदन में विरोध और विकार में हुई।

अंतत: एक ऐसा अवसर आया जब लगभग 90-91 सदस्यों ने स्पीकर के घर पर आकर पूरे नियोजित तरीके से इस्तीफे दिए, कहा तो यह गया कि तात्कालिक फैसला था पर यह टैंट वाला कहां से आया, क्या हलवाई घर में रखते हैं शांति धारीवाल, क्या स्पीकर महोदय ने जलेबियां पहले बनवा रखी थीं, इसका मतलब यह पूरा एक किस्म का सियासी मामला था।

तय यह करना है कांग्रेस को कि यह सियासी पाखंड था, यदि नहीं इस्तीफे सच्चे थे तो इसके लिए हम लोग स्पीकर के पास आए हैं स्पीकर महोदय को पूरा अवसर मिले, उन्होंने कहा था कि यह संवैधानिक मसला है, इसके लिए दूसरे प्रदेशों की मिसाल, देश की मिसाल का अध्ययन करना है तो 2 हफ्ते का उन्हें पर्याप्त समय मिला था और जब यह समय हो गया तब हमने उनके दरवाजे पर गुहार लगाई है की राजस्थान में यह पता लगे कि सरकार कौन चला रहा है?

क्योंकि वह बंगला सरकारी लिए हुए हैं, सरकारी खाट तोड़ रहे हैं, गाड़ी सरकारी तोड़ रहे हैं, रोटियां सरकारी तोड़ रहे हैं, कलम सरकारी चला रहे हैं, तबादले सरकारी कर रहे हैं तो हमारा ऐतराज यह है कि जब इस्तीफा दे दिए तो सरकार कौन चला रहा है?

राजस्थान की जनता यह जानना चाहती है कि क्या राजस्थान में संवैधानिक मशीनरी का फेलियर हुआ है, अब स्पीकर साहब को यह तय करना है कि उस पर वह क्या निर्णय लेते हैं, उन्होंने कहा कि मुझे थोड़ा वक्त चाहिए संवैधानिक प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिए, हमने निवेदन किया कि आप इस कुर्सी पर विराजे हो लोकतंत्र की यह सर्वोच्च कुर्सी है, जो सदन के सदस्यों के प्रति यह अधिकार देती है और इस लिहाज से राजस्थान की जनता उत्सुक भी है और जनता को भरोसा है कि आप कांग्रेस के इस पाखंड पर योग्य निर्णय लेंगे, यह बात ठीक है कि डिक्टेट नहीं कर सकते, हमने तो उनसे संवैधानिक अधिकारों की बात की, हमने उनसे निवेदन, आग्रह और गुहार लगाई है देखते हैं उनका निर्णय क्या होता है।

राज्य सरकार अल्पमत में दिख रही है और सरकार बंटी हुई है, यदि आप बहुमत से फैसला करते हैं तो सरकार 20 लोग तो चला नहीं रहे, उन्होंने कहा कि 102 का बहुमत हमारे पास है तो जैसे कहा जाता है कि 90-91 लोगों ने इस्तीफा दिया है, इतनी बड़ी संख्या में इस्तीफों के बाद सरकार अल्पमत में आ ही जाती है।

सरिस्का अभ्यारण्य के दस कि.मी. दायरे में खनन की मंजूरी, हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

- नैशनल बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ से अनुमति लिए बिना वाणिज्यिक खनन की मंजूरी देने से जुड़े मामले में राज्य के खान व पैट्रोलियम सचिव, प्रमुख पर्यावरण सचिव, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सदस्य सचिव व चीफ वाइल्ड लाइफ वॉर्डन से हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है।

जयपुर, 18 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरिस्का अभ्यारण्य के दस किलोमीटर के दायरे में नैशनल बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ से अनुमति लिए बिना वाणिज्यिक खनन की मंजूरी देने से संबंधित जुडे मामले में राज्य के खान व पैट्रोलियम सचिव, प्रमुख पर्यावरण सचिव, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सदस्य सचिव व चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन से जवाब मांगा। जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव व जस्टिस वी.के. भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश रामस्वरूप जांगिड की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने 25 अगस्त व 9 सितंबर को आदेश जारी कर पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड के सदस्य सचिव को निर्देश दिया था कि वे राष्ट्रीय अभ्यारण्य के दस किमी के दायरे में नैशनल बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ पृथक से स्वीकृति लिए बिना ही खानों के संचालन यानि सीटीओ के नवीनीकरण की कार्रवाई करें। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने गोवा फाउंडेशन बनाम केन्द्र सरकार के मामले में कहा है कि राष्ट्रीय वन्य जीव अभ्यारण्य के दस किमी के दायरे में माइनिंग करने के लिए नैशनल बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ से अनुमति लेना जरूरी है। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा बिना नैशनल बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ से अनुमति लिए अभ्यारण्य क्षेत्र में वाणिज्यिक खनन कार्य की मंजूरी देना गलत व सुप्रीम कोर्ट आदेशों का उल्लंघन है। इसलिए बिना यहां खान संचालन करने की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

त्रिमूर्ति सर्किल से स्मॉल इंडियन सिवैट को रैस्क्यू किया

- जयपुर ज़ू व रक्षा जयपुर संस्था ने बिल्ली जैसे जानवर सिवैट को रैस्क्यू किया।

जयपुर, 18 अक्टूबर (का.सं.)। आज जयपुर के त्रिमूर्ति सर्किल स्टिथ होटल ग्रैण्ड उनियारा होटल से बिल्ली जैसे एक जंगली जानवर के होने की सूचना मिलने पर, संस्था " रक्षा जयपुर" व चिड़ियाघर के रेस्क्यू रेंजर राशिद खान मौके पर पहुंचे और पाया कि वह एक स्मॉल इंडियन सिवैट है। थोड़ी मशक्कत के बाद टीम ने रेस्क्यू कर सिवैट को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

रक्षा जयपुर के संस्थापक रोहित गंगवाल ने बताया कि, रक्षा ने स्मॉल इंडियन सिवैट पहली बार रेस्क्यू किया है। गौर की बात यह है कि, आमतौर पर यह सिवैट जंगल में ही मिलती है और जंगल के निकट रिहायशी कॉलोनीयों में बहुत कम दिखाई देती है। पर जयपुर शहर के बीचोंबीच इसका नज़र आना आश्चर्यजनक है।

जयपुर में ज्यादातर कॉल्स कॉमन सिवैट के ही आते हैं जो सिवैट की दूसरी प्रजाति है।

झालाना अमागढ़ जंगल रिजर्व के रेंजर जनेश्वर चौधरी की टीम के नेतृत्व में आज शाम सिवैट को अमागढ़ में रिलीज़ किया गया।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बने रहने के लिए इसे खत्म करने जा रहे है।

कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक मात्र विरोध प्रदर्शन राष्ट्रीय आंदोलन बन सकता है। उनका कहना है कि एक चिन्गारी आग भड़का सकती है। जाने माने न्यूज चैनल ब्लूमबर्ग पर शी के खिलाफ देश के विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन करने की खबर मिली है।

बड़े पैमाने पर लॉकडाउन होने से बहुत सारे लोग भोजन व आवाश्यक वस्तुओं की कमी के संकट से जूझ रहे है। कई क्षेत्रों में तो लोगों को अपने परिवार के लिए खाना लेने भी बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है।

चीन की सरकार व सरकार नियंत्रित मीडिया कह रहा है कि शी की ज़ीरो को कोविड नीति से लोगों की जानें बची हैं, जबकि असलियत में इसकी वजह से लोग देश से बाहर जाना तो दूर देश में भी कहीं नहीं जा पा रहे है।

इन प्रतिबंधों से चीन की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। चीन का आर्थिक विकास व ग्रोथ रेट घट गई है। उद्योग भी बंद हैं। इससे रोजगार का भी भारी संकट खड़ा हो गया है। आर्थिक स्थिति ऐसी उलट स्थिति में आ गई है कि कुछ उद्योग तो बंद ही हो गये हैं।

आवासन के क्षेत्र में ऐसा सबसे ज्यादा हुआ है। बड़ी-बड़ी गृह-निर्माण कंपनियों ने निर्माणाधीन फ्लैटों तथा अपार्टमेन्ट्स पर पैसा ले रखा है लेकिन ये कम्पनियाँ निर्मित घर देने में असफल रही हैं। जिन लोगों ने अपने अपार्टमेन्ट्स का भुगतान करने के लिये कर्ज लिया था, उन्होंने अपने कर्ज चुकाने से इंकार कर दिया है तथा इसके फलस्परूप बैंकों का पैसा नहीं लौट रहा है और बैंक बंद हो रहे हैं।

अर्थव्यवस्था की इस स्थिति के फलस्वरूप, एक तरफ तो असंतोष फैल रहा है, दूसरी आय कम होती जा रही है। लेकिन सरकार इस असंतोष का जिक्र होने पर ही आक्रामक मुद्रा में आ जाती है।

पूरे प्रशासन तथा विरोध के निष्ठुर उत्पीड़न पर सरकार की दमनकारी पकड़ के चलते, ज्यादा कुछ नहीं हो नहीं सकता। लेकिन फिर भी, जिस तरह से शी पूरे राष्ट्र पर अपने विचारों और सत्ता को थोपने की कोशिश जिस तरह से कर रहे हैं, उसके फलस्वरूप लोगों में बहुत बड़ा आक्रोश है लेकिन वह दबा हुआ है।

केदारनाथ के पास हैलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

पायलट सहित सात जनों की मौत

केदारनाथ/देहरादून, 18 अक्टूबर। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद में भगवान शिव के पांचवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के दर्शन उपरान्त छह तीर्थ यात्रियों को वापस लाते समय एक हैलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें पायलट सहित हैलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों की मृत्यु हो गई। मृतक गुजरात और तमिलनाडु के निवासी थे। सभी शव बरामद किए जाने के बाद भी राहत कार्य जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैलिकॉप्टर दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। राज्य के अपर सचिव तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी नागरिक उड्डयन, सी. रविशंकर ने देहरादून में संवाददाताओं को बताया कि, मंगलवार को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहे आर्यन एविएशन हैलिकॉप्टर कंपनी के हैलिकॉप्टर की दुर्घटना में पायलट सहित सात लोगों की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। दुर्घटना मंगलवार को प्रात: लगभग 11:40 बजे हुई। मृतकों में पायलट कैप्टन अनिल (मुंबई निवासी) सहित कुल 7 यात्री थे। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना ग्राम देव दर्शनी, तहसील गरुड़ चट्टी में हुई। रविशंकर ने बताया कि 11:45 बजे कॉलर सोनू बिष्ट ने आपातकालीन परिचालन केन्द्र, रुद्रप्रयाग को अवगत कराया कि स्थान देव दर्शनी (गरुड़ चट्टी) के समीप एक हैलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

ईरानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10 अक्टूबर को एक अधिसूचना जारी करके, "जनहित" में किसी अन्य व्यक्ति या साझेदारी फर्म को एक्साइज लाइसेंस ट्रांसफर करने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। किन्तु रॉड्रिग्ज़ का आरोप है कि इस अधिसूचना का उद्देश्य स्मृति ईरानी के द्वारा किये गये खुले गैरकानूनी कृत्यों तथा फर्जीवाड़े को कपटपूर्ण तरीके से संरक्षण प्रदान करना है। वे कहते हैं कि परिवर्तित नियम "गोवा एक्साइज ड्यूटी एक्ट, 1964 के विपरीत/प्रतिकूल हैं क्योंकि इस अधिनियम की धारा कहती है कि इस प्रकार जारी किया लाइसेंस शुद्ध रूप से व्यक्तिगत तथा अहस्तान्तरणीय (नॉन-ट्रांसफरेबल) है तथा इस प्रकार, यह अधिसूचना मूल अधिनियम की अवहेलना नहीं कर सकती।

समान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से संबंधित सभी जनहित याचिकाओं को पी.आई.एल., "असम्पोषीणीय" (नॉन मेन्टेनबल) मानते हुये, खारिज कर दिया जाए।

दिल्ली के भाजपा नेता, वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर की गई एक पी.आई.एल. के जवाब में, केन्द्र सरकार ने कहा कि विधायिका (संसद) को कोई खास कानून बनाने के लिये परमादेश (रिट ऑफ मैन्डमस) जारी नहीं किया जा सकता। इस याचिका में शादी, तलाक, भरण-पोषण तथा निर्वाह-भत्ता को नियंत्रित करने वाले पर्सनल लॉज़ में एकरूपता की माँग की गई थी।

मंत्रालय ने दृढ़तापूर्वक कहा कि अदालत इस मामले में कोई निर्देश जारी नहीं कर सकती, क्योंकि इस मामले का संबंध नीति से है, जिसके बारे में केवल निर्वाचित प्रतिनिधि ही विचार कर सकते हैं। इस प्रकार का कानून बनाना या न बनाना विधायिका के कार्य क्षेत्र में है।

पी.यू.सी.एल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आजीवन कारावास ही अधिकतम सजा है। सत्र न्यायालय की इस टिप्पणी की बॉम्बे हाई कोर्ट ने कड़ी आलोचना की थी। उसने कहा था कि "हम सुविज्ञ सैशन जज की अनुचित टिप्पणियों का अनुमोदन नहीं करते क्योंकि इनमें पक्षपातरीन उद्देश्य की कमी का फैसला देने का गैर इरादतन परिणाम रहा होगा।"

उसने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में संवैधानिक कोर्ट, यानी कि बॉम्बे हाई कोर्ट की टिप्पणियों की अनदेखी कर उसी निचली अदालत के निर्णय का हवाला देता है। बॉम्बे हाई कोर्ट के अनुसार सत्र न्यायालय के निर्णय में पक्षपातहीनता की कमी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सत्र न्यायालय के निर्णय पर भरोसा करके एक ऐसे फैसले से सहमति प्रकट की जो कि प्रथम दृष्टया ही पूर्वाग्रह से ग्रसित था और जिसमें न्याय नहीं था तथा जिसमें न्याय की निष्पक्षता के विचार की कमी थी। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के तर्कों की अवहेलना कर राज्य के इस तर्क पर अपनी सहमति प्रकट कर दी कि जो लोग "अर्बन नक्सल्स" हैं, वे कानून की सुरक्षात्मक प्रक्रिया का लाभ लेने के अधिकारी नहीं है। पी.यू.सी.एल. ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा करके सभी लोगों के लिए भय और पक्षपात रहित "समान कानूनी संरक्षण" सुनिश्चित करने को ताक पर रख दिया।

उसने आगे यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर विचार नहीं किया कि साईबाबा शारीरिक रूप से 90 प्रतिशत अक्षम है और वह नागपुर सैन्टल जेल की अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं से पीड़ित रहे। वह करीब आठ वर्ष जेल में बिता चुके हैं और अपनी देखभाल खुद नहीं कर सकते। कैदियों के स्वास्थ्य संरक्षण के अधिकार के संदर्भ में इस अनदेखी के त्रासद परिणाम हो सकते हैं, जैसा कि इस केस के एक दोषी पाण्डु नारोटे की मौत के रूप में देखा गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908